

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1987 (फाल्गुन 16, 1908) No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1987 (PHALGUNA 16, 1908)

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग Ш—खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक लेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रिधिनियम नई दिल्ली-110003, दिनांक 10 फर्बरी 1987

नियुक्ति

सं० फा० ए-11/3/75:—प्रवर्तन निदेशक एतद्शारा इस निदेशालय के श्री एम० एच० खान को इस निदेशालय के गोहाटी क्षेत्रीय कार्यालय में 20-1-1987 (पूर्वाह्न) से तदर्थ श्राधार पर 6 महीने के लिये स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन ग्राधकारी के का में नियुक्त करते हैं।

काली चरण, मुख्य प्रवर्तन भ्रधिकारी (प्रणासन)

केन्द्रीय सतर्कना भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० 2/10/87-प्रशासनः--केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री विनय भूषण भाटिया, स्रतुभाग स्रधिकारी, डाक विभाग, संचार मंत्रालय को स्रायोग में स्रतुभाग स्रधिकारी के पद पर वेतनमान ६० 2000-60-2300 द० **रो०⊶** 75-3200-100-3500 में प्रतिनियुक्ति पर 6 **फरवरी,** 1987 (प्रथराह्न) मे श्रगले श्रादेण तक नियुक्त करते **है।** 

EGISTERED NO. D.(DN)73

मनो**हर लाल,** श्रवर सचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता <mark>श्रायुक्त</mark>

कार्मिक एव प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार लोक शिकायत तथा पेंशन मंद्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1987

मं० ए-32012/1/85-प्रशा०-3—मुख्यालय **आदेश** सं० 94/87 दिनांक 30-1-87 (मं० ए-32012/1/85- प्रशा०-3) के अनुसरण में श्री एस० बी० अग्रवाल, वैयिक्तिक सहायक (श्रेणी "ग" प्राशुलिपिक) ने दिनांक 30 जनवरी, 1987 श्रदराह्न वे क० 2000-60-2300 द० रो०-75-3200 के समयमान में. श्राशुलिपिक, श्रेणी "ख" के रूप में

(1747)

पवोन्नति होने पर, के० ग्रा० ब्यूरो मुख्या० में संयुक्त निवेशक केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो के वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> सी० के० पाठक, पुलिस मधीक्षक (मुख्या०)

### गृह मंत्रालय

## केन्द्रीय झन्वेषण ब्यूरो

भ्रपराध शास्त्र एवं **विधि विज्ञा**न संस्थान

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी, 1987

सं० 1/5/86-म्न० वि० वि० सं०:—राष्ट्रपति, श्री ए० के० गुप्ता, सहायक निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, हरियाणा मधुबन, को ग्रपराध गास्त्र एवं विधि विज्ञान संन्यान (गृह मंत्रालय) नई दिल्ली में दिनांक 7-11-86 पूर्वात्र से ४० 1100-1600 के वेतनमान में एक साल की भ्रवधि के लिये जो कि 3 साल की भ्रवधि तक बढ़ाई जा सकती है प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर सहायक निदेशक (प्रलेख) के पद पर नियुक्त करते हैं।

म्रार० एस० कुलकर्णी, निदेशक,

महानिदेणालय के०रि० पु० बल,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 फरवरी 1987

मं० श्रो० दो 2314/86-स्थापनाः—राष्ट्रपति जी ने, इनक्टर श्रीमती श्रनु अर्मा को श्रस्थाई रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डयूटी श्राफिसर ग्रेड— (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पढ पर दिनांक 29 नक्ष्म्बर, 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

#### दिनांक 5 फरवरी 1987

सं० ग्रो० दो० 2315/86-स्थापना-1--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर श्रीमती विला कृष्णा कुमार ढेमरे को ग्रस्थाई रूप से ग्रामामी ग्रादेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल उयूटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्यनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 8 दिसम्बर, 1986 पूर्वाह्न में सहर्ष नियुक्त किया है।

ं सं० श्रो० दो० 2346/87-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर श्रीमनी नीना नायर को श्रस्थाई रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी श्राफिसर ग्रेड— (डी० एस०पी०) कम्पनी कमाण्डर/के पद पर दिनां ह 30 अनवरी, 1987 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 6 फरवरी, 1987

सं० ए० छः 2/86-स्थापना-1---राष्ट्रपति, श्री रिजन्द्र कुमार पाण्डेय को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, में पुलिस उप ग्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) पद पर ग्रस्थाई रू। मे ग्रथले ग्रादेश नक के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रिवन्दर कुमार पाण्डेय ने स्ना० सु० स० के० रि० पु० बल, माउण्ट आबू में प्रशिक्षण हेतु रिपोर्ट कर दिया है स्नौर दिनांक 8-12-86 (पूर्वाह्न) से स्नपने पद का कार्य भार संभाल लिया है। उन्हें ग्रुप केन्द्र के० रि० पु० बल, पिन्जौर में तैनात किया गया है।

### विनांक 9 फरवरी, 1987

सं० ग्रो० दो० 2136/86—स्थापना—नेशनल सेकुरिटी गार्ड, नई विल्ली में महानिदेशक पद की पदोन्नति के फलस्वरूप श्री के० एल० वह्स, भारतीय पुलिस मेवा ग्रधिकारी (उ० प्र० 1956) ने दिनांक 28-1-87 (ग्रपराह्म) से पुलिस महानिरीक्षक, सेक्टर-3, के० रि० पुलिस बल नई दिल्ली का कार्यभार त्याग दिया।

### दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० एफ० 2/3/87—स्थापना (के० रि० पु० बल)—
राष्ट्रपति, श्री श्रार० पी० सिह, सहायक कमाण्डेट जो कि
इस समय श्रपराध णाखा एवं निधि विज्ञान संस्थान (गृह
मंत्रालय) में प्रति नियुक्ति पर है, कमाण्डेट (नान सलैक्शान ग्रेड), के० रि० पु० बल के पव पर दिनांक 25—9—86
(श्रपराह्न) से प्रौफार्मा पदोश्नति की स्वीकृति प्रदान करते
है।

सं० एफ० 2/46/86-स्थापना (के० रि०्पु० बल)— राष्ट्रवित पुलिस उव प्रधीक्षक श्री विनोद कुमार शर्मा जो कि **मृ०** पी० पुलिस कम्प्यूटर नेस्टर मे प्रति नियुक्ति पर है, सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर दिनांक 28-4-86 से प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

> एम० श्रशोक राज सहायक निवेशक (स्थापना),

## महानिदेशालय

केन्द्रीय स्रौद्योगिक पुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 फरवरी 1987

सं० ई-16013/(2)/24/82-कार्मिक-1/13--श्रपने मूल काडर ग्रर्थात् पश्चिम बंगाल को प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० के० सहाय, भा० पु० मे० (प० बं० 74) में 22 जनवरी, 1987 के ग्रापान्त से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, एस० ए० एम० सी०, दुर्गापुर के कमांडेट के पद का कार्यमार छोड़ टिया।

### दिनांक 12 फ<sup>7</sup>वरी 1987

सं० ई-165013(1)/187-कार्मिक-1:--प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने प $\circ$  श्री श्रार० विश्वनाथन, भा० पु० से०

(कर्नाटक: 66) ने 9 फरवरी 1987 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक उत्तरीक्षेत्र के० ओ० सुब्र० नई विल्ली के पद पर कर्यभार सभाल लिया।

> हु० ग्रपठनीय महानिवेशक के० ग्रो० सुब०

## भारतीय लेखा परोक्षा एव, लेखा विभाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई विल्ली—110002, विनांक 11 फरवरी 1987 सं प्रशासन—1/का ग्रा० सं 284——निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1 को इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी श्री के सी गोषिल को 2375—3500 रु के वेतनमान मे विनांक 1—2—1987 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

> मोहन खुराना उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकारका कार्यालय (ले०) I श्रांध्र प्रदेश हैदराबाद, दि 10 फरवरी 1987

सं० प्रशासन I/8/132/86-87 /170--श्री एल० वी० विश्वनाथन लेखा परिक्षा ग्रधिकारी महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय ग्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद श्रपराह्म 31-1-1987 को सेवा से निवृत हुए।

> ह*०|-*भ्रपटनीय (उप-महःलेखाकः र प्रशासन )

सं अष्ठा ।/पवोभिति/8-132/86-87/169--महा-लेखाकार द्वारा (लेखापरीक्षा) ग्रां० प्र० हैवराबाद ने सहर्ष निम्निलिखित सहायक लेखापरिक्षा ग्रधिकारियों को स्थानापभ लेखापरिक्षा ग्रधिकारियों को स्थानापभ लेखापरिक्षा ग्रधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-द. ग्र-100-3500वेतनमान मे उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी ग्रगले श्रादेशों तक पदोन्नित दी जाती है। पदोश्रित के लिए विए गए ग्रावेशों उनके वि उठों के वाबो पर बिना कोई प्रभाव डाल, यदि कोई हो और भ्रान्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चत्तम न्यायालय में लंबित किए यानिकाओं के परिणामों के ग्रधिन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे ग्रयना विकल्प भारत सरकार का० जा० स० एफ/7/1/80–स्थापना पी० टी० 1. विनांक 26−9−1981 की शर्तों के ग्रनुसार पवोन्नति की तारीख से एक महीने के ग्रन्दर दें।

ग्रहण की तारीख
NEA AL VICION
(पूर्वाह्म)
30-1-87
29-1-87

ह० म्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय महालेखाकार

(लेखा एवं हकदारी) प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वासियर, दिनांक 27 जनवरी 1987

सं प्रशासन एफ/ले भ्र०/प्रमोशन/331/1778— लेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, म० प्र० ग्वालियर ने श्री एन के गौतम (02/446) स्थाई धनुभाग ग्रधिकारी को दिनांक 22-1-87 पूर्वाह्न से स्थानापन्न लेखा ग्रिकारी के पद पर र० 2375-75-3200 द० रो०—100-3500 के वेतनमान पर भ्रागामी भ्रावेशों तक पदोक्षत किया है।

[प्राधिकार: महालेखाकार (लेखा एवं सहकारी) प्रथम के प्रादेश विनांक 21-1-87]।

> निरम्जन पन्त वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

केरल के महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, केरल

तिरूवनन्तपुरम, दिनांक 9 फग्वरी 1987

सं० हुक/1/10-3/86-87--के रल के महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय तिस्वनन्तपुरम के निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रधिकारी उनके नाम के सामने सूचित दिनांक से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

1.	श्री एम० गन्गाधर मेनन	31-1-87	(ग्रपराह्म)
2.	श्री ए० टी० मार्कोस	31-1-87	(श्राः ह्य
3.	श्रीके० श्रीधरन	31-1-87	(अग्यह)

श्री कें बी जैन (संख्या 2) लेखा परीक्षा श्रिधकारी 1-2-87 के पूर्वाह्म से स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

> भ्रानन्द सकर महालेखाकार (ते०५०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) - प्रथम पश्चिम यगाल कलकत्ता - 700001 दिनाक 30 जनवरी 1997

म० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/महा० लेप० थ्र०/2605-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम पश्चिम अगाल ने निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारी (लेखा परीक्षा) को ग्रस्थाई और स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वर्ग ख--राजपत्नित पद 2000-60-2300 द्क्ष० मि० 75-3200 रुपये वेतनमान पर) 26वा दिसम्ब 1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त करने की कृपा की है।

- (1) श्री ₁देवेन्द्र नाथ गुइन
- (2) श्री क्षेत्र मोहन मण्डल

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय कलकसा मे लिम्बत रिट याचिका के धन्तिम निर्णय के प्रधीन है।

नये पदोन्नस सहायक लेखा परीक्षा श्रिधिकाि यो को भारत सरकार विस मंत्रालय के ज्ञापन दिनाक 26-9-81 के अनुक्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर श्रपना वेतन या तो मूल नियम 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति के सारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद में श्रागामी वेतन वृद्धि की तारीख से या मूल नियम 22(ग) के श्रन्तर्गत सीधे पदोन्नत के तारीख के दिन से निर्धारण देने वे लि। विकल्प देना होगा।

म०कु०मिश्र विराठ उप महालेखाका (प्रशासन)

कलकता~700001, दिनाक 30 जनयरो 1987

म० प्रणा० 1/पदोन्नति-93/2756--58-ग्रालखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम पश्चिम बगाल ने निम्निविवित सहायक लेखापरीक्षा) प्रथम पश्चिम बगाल ने निम्निविवित सहायक लेखापरीक्षकों को पहली जनवरी 1987 के पूर्विद्ध में प्रगला प्रादेश मिलने तक प्रस्थाई और स्थानापन्न रूप में महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम और महालेखाकार (लेखा परीक्षा) वितीय पश्चिम बंगाल के कार्यालयों में नियुक्त करने की कृपा की है।

सर्वश्री

- (1) रजीत कुमार भौमिक
- (2) नेपाल चन्द्र कांजीलाल

ये पदोक्षतिया माननीय कलकत्ता हाई कोर्ट मे लिम्बत रिट याचिका के श्रन्तिम निर्णय के श्रधीन है।

नये पदोस्नत लेखा परीक्षा ग्रधिकाश्यिं को पैश 2(खा) के शर्स के भ्रमुसार भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के ज्ञापन दिनाक 26-9-81 एक माह के भीतर ग्रपना बेतन 22(क)(1) के श्रन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फि उसके बाद मूल नियम 22(ग) के ग्रन्तर्गत नीचे के पद पर ग्रागामी बेतन गृद्धि ते तारीख से या सीघे पदोन्नति के तारीग से निर्धाण के लिये विकल्प दे सकते हैं।

हे० श्री मृर्ति उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा मेवाए

नई दिल्ली-110001, दिनाक 11 फरवरी, 1987

म० 4812/ए—स्थापना/130/86 — वार्धक्य निवृत्ति ग्राप्तु प्राप्त करने पर श्री पी० एन० हाडा, श्रम्थाई सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी, रक्षा मेवाये दिनाक 31−1−1987 (प्रपराह्न) को सेना निवृत्त हुए।

> बी० एस० <mark>गिल,</mark> सययत निदेशक लेखा**परीक्षा**

रक्षा मल्रालय

श्रार्डनन्म फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सि**बिल सेचा** 

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

स० 1/87/ए/ई-1(एन० जी०) — महानिदेशक भ्रायुष्ठ निर्माणी महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों की विद्यमान रिक्तियों में स्थानापन्न और प्रशापन तौर पर उन श्रेणियों में जो उनके नामा क रामते दर्शाई गई, तारीख से पदोन्नित करते हैं।

## सर्वश्री

- 1 जे० सी० बसाफ
- 2. भार० एन० राय
- 3. पी० के० राय
- 4. एम० सी० चटर्जी
- 5 डी०सी० घोपाल
- 6 ग्रार० के० सरकार

वरिरु वैयक्तिक हायक निजी निव वरिष्ठ दिनाक 30-12-(नदर्थ) श्रा० नि बाइ, व्यौतिक पहायक 86 (पर्वाह्म) से ग्रा० नि० बोई, कलकना श्रागामी श्रादेश होने तक कलकना वर्हा वही वही व्यैक्तिक सहायक (चयन वही वही श्रेणी) स्रा० नि० बोर्ड, कलकत्ता व'≓1 वही वही वही वही वही वरि व्यक्तिक महायक बही दिनाक 12-1-(तदर्थ) भ्रा० नि०बाइ, 87 (पूर्वाह्न) से ग्रगामी श्रादेश कलकत्ता होने तक

 उपर्युक्त ग्रधिकारीगण उनकी पदोन्नति की तारीख से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।

## दिनांक 2 फरवरी, 1987

सं०  $2/87/\sqrt{\$-1}$  (एन० जी०):—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने पर निम्नलिखित श्रधिकारी दिनांक 31-1-1987 (श्रपराक्ष) में मेवा निवृत्त हुए:—

- श्री ग्रिणिन्त्य कुमार भट्टाचार्य स्थानापन्त सहायक स्टाफ ग्रिधिकारी (मौ० एवं स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक)
- श्रीमती रेणुका मित्रा, स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रीधकारी (मौ० एवं स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक)

सुदास दापगुप्ता, उप महानिदेशक कृते महानिदेशक झायुद्ध निर्माणिया

कलकत्ता, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० 2/जी/87: --- वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री बी० एन० घोष, (मौलिक एवं स्थाई एम० श्रो०) दिनौंक 31 जनवरी, 1987 (श्रपराह्म) में सेवा निवृत्ति हुए।

एम० ए० ग्रलहन, संयुक्त निदेशक/जी,

### श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा श्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानि<mark>देशा</mark>लय सायन

बम्बई-22, िनाफ 13 फरवरी, 1987

स० 15/1/87 स्थापनाः—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र सहानिदेशालय ने श्री पी० के० रवीन्द्रनाथन को इ⊣ महानिदेशालय के ग्रधीनस्थ कार्यालय राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बस्बई में प्रणा√निक श्रधिकारी के पद पर दिनाक 5-2-1987 से श्रगले श्रादेश श्राने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्ति की है।

> एस० बी० हेग्डेपाटिल, उप महानिदेशक

### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक म्रायात निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1987 ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

मं० 6/682/62-प्रणा० (राज०)/1820:—-राष्ट्रपति, केन्द्रीयव्यापार मेवा के ग्रेड f H स्रधिकारी (उप मुख्य नियंत्रक स्रायान निर्यात) श्री ग्रार० डब्ल्यू० लिग्डोह को 29 जनवरी, 198 से ग्रमला श्रादेश जारी होने तक नियमित ग्राधार पर केन्द्रीय व्यापार सेवा ग्रेड 1 पर (संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात) नियुक्त करते हैं। श्री लिग्डोह की पदोन्नति विभागी पदोन्नति समिति की सिफारिशों के ग्रनुसार है। केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड 1 में श्री ग्लिडोह की पदोन्नति, समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय व्यापार सेवा (ग्रुप "क") नियम, 1977 के प्रावधानों के ग्रनुसार है।

राजीव लोचन मिश्र मुख्य नियंस्रक

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई विल्ली, विनांक 9 फरवरी, 1987

सं० 6/10/38/74-प्रणा० (राज०)/खण्ड-2810-राष्ट्रपिति आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन में श्री बी.० ए० कुलकर्णी, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय अयापार सेवा के ग्रेड-3) को 28-11-86 को पूर्वाह्न से भीर भगले भादेशों के होने तक केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 (उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात) के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्द्र, उप मुख्य नियंत्रक, कृते मुख्य नियंत्रक,

वाणिज्यिक जानकारी एवं श्रकसंकलन महनिदेशालय कलकत्ता, दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० एस्ट-1/1/85:—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० एस्ट-1(1)/75/69/69/18, दिनांक 3-6-86 की अनुवर्ती में व णिज्यिक जानकारी एवं अंकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता के स्थाई अधाःक्षक श्री कुमुत्र रजन विश्वास को 1-2-87 से एक महीने (1) की अगली अवधि तक के लिये मशीन सारणीयन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर बने रहने की अनुमित दी जाती है।

नियुक्ति की गतें पूर्ववत बनी रहेंगी।

एस० ग्रार० सेनगुप्ता, वरिष्ठ उपमहानिदेशक

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय खाद्य विभाग, शर्करा निदेशालय नईदिल्ली,दिनाक 10 फरवरी, 1987

सं० ए० 35021/1/86—स्था०:——खाद्ध विभाग के तकनीकी अधिकारी (एस० एण्ड श्रार०) श्री टी० एन० सारस्वत को, प्रतिनियुक्ति पर अस्थाई स्थानान्तरण पर दिनांक 2 फरवरी, 1987 में श्रगले श्रादेश होने तक शर्करा निवेशालय में 2000—

60-2300-द० रो.-75-3200-100-3500 रुपये के बेतनमान में ग्रुप "बी" (राजपत्नित,) पद पर निरीक्षण भ्रधि-कारी (शर्करा) नियुक्त किया जाता है।

बी० लक्ष्मीरतन, सयुक्त सचिव (शर्करा)

### उद्योग मंस्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकाल श्रायुक्त (लघुं उद्योग) का कार्यालय नई दिस्ली, दिनाक 21 जनवरी, 1987

सं० 12(104)/61-प्रशा० (राज०):—सेवानिवृत्ति की धायु प्राप्त करने पर विकास धायुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नर्ष दिल्ली में भौद्योगिक स्लाहकार (रक्षयन) श्री पी० धार० मल्ने ने तारीख 31 दिनम्बर, 1986 (ग्रपराह्न) से धपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

### दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० ए-19018 (550)/31-प्रशा० (राज०): यूनिकों के भ्रधीन इण्डोनेशिया में, गवर्नमेट इण्डिल्ट्रियल डेटा बेस की परियोजना में परामर्शक्षाता के पद पर नियुक्ति होने पर, श्री एन० के० भटनागर ने विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (उत्पादन सूचकाक) का कार्यभार दिनाक 2-1-87 (भ्रपराह्म) से छोड़ दिया।

सं० ए० 19018 (809) / 87-प्रणासन (राजपितत) --- विकास आयुक्त (लघु उद्योग), कृषि और सहकारिता विभाग में लेखा अधिकारी श्री बी० बी० शरण को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में दिनाक 15-1-87 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा- अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० मी० राय, उप निदेशक (प्रशापन)

## पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय प्रणातन ग्रनुभाग-6

नई दिल्ली-1.10001, दिनाक 14 जनवरी, 1987

सं० ए०17011/3817/86-प्र०-6 --सव लोक मेवा प्रायोग द्वारा आयोजित अभियाितकी मेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के आधार पर, राष्ट्रपति श्री हंसराज शर्मा को दिनांक 13 नवस्बर, 1986 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेणों के दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 1 "ए" के ग्रेड III की अभियाित्तकी शाखा में सहायक निरीक्षण निवेणक निरीक्षण अविकारी (अभियाित्तकी) के पद पर नियुक्त करते है।

2 श्री शर्मा ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनाक 13-11-86 (पूर्वाह्म) से महायक निरीक्षण मिदेशक / निरोक्षण ग्रधिकारी (ग्रभियान्निकी) (परिवीक्षाधीन ग्रारक्षण) के पदका कार्यभार संभाल लिया है। वे दो वर्ष की भ्रवधि के लिये परिवीक्षाधीन रहेगे।

> म्रार. पी० **शाही,** उप निदेशक (प्रशा०)

## इस्पात भ्रौर खान मल्रालय . (खान विभाग) भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनाक 29 जनवरी, 1987

सं० 601 बी/ए-19011(1-के० के० बी)/86-19ए राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री के० कृष्ण भट्ट को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 17-11-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

जगवीण लाल, निदेशक (प्रशासन)

## कलकत्ता-700016, दिनाक 5 फरवरी, 1987

स० ए-19011(2-जी० के०) /84-19 बी०.— राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महायक भू-भौतिकीबिद श्रो ए० एम० खोटपाल को भूभौतिकीबिद (किनिष्ठ) के रूप मे उसी विभाग मे नियमानु तार 700-40-900—द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापत्म क्षमता मे, श्रामामी श्रादेश होने तक 21-5-85 के पूर्वाह्म से पदोन्मित पर नियुक्त कर रहे हैं।

म० 957 बी/ए-19012(2-एम० एम० एर)/86-19 बी०:--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक दर्वेक्षण के सहायक भू भौतिकीविद (उपकरण) श्री मन मोहन गिह को भूभौतिकीविद (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विजाग में नियमानुसार 700-40-900-द० राज-40-1100-50-1300 ह० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रगामी ग्रादेश होने तक 29-10-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनाक 9 फरवरी, 1987

सं० 1327 सी/ए-19012(1-ए ा० के० ए ा० प्रार) 79-19 बी०:--भारतीय भू वैज्ञानिक उर्वेक्षण के महानिदेशक ने भारतीय भू वेज्ञानिक सर्वेक्षण के उहायक भू वैज्ञानिक श्री स्वयन कुमार िन्हा राय द्वारा दिये गए त्यागपत्र को वापस लेते की श्रनुमित दे दी है। इर कार्यालय के जिनाक 23-4-1985 की श्रीधनूबना म० 4260 वो/ए-19012(1-एस०

के॰ एम॰ श्रार॰) 79-19 ए का श्रक्षिक्रमण करने हुए इसे जारी किया जा रहा है।

### दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० 565एन/ए-201(1-आर० ए० ग्रो०)/219 ए०:---राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी श्री के० एम० गोस्वामी को क्षेत्रीय प्रशासनिक ग्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार
1300-50-1700 रु० के वेननमान के वेतन पर स्थामापन्न क्षमता में, ग्रागामी श्रावेश होने तक, 25-11-86 के प्रविद्व में प्रदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

## भारतीय खान अयूरो

नागपूर, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० ए-19011/263/86-ए० पी० पी०:--वार्धंक्य आयु प्राप्त करने पर सेवा निवृत्ति के पश्चात् श्री सी० अववत्थनारायण, सहायक खान नियंत्रक, जो भारतीय खान ब्यूरो में विनांक 1 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्म से उन्हें कार्य-मुक्त किया गया तथा तथनुसार इन विभाग में स्थापना संख्या में से उनका नाम काट दिया गया है।

### दिनांक 13 फरवरी, 1987

सं० ए० 19012(82)/77-स्था ए०:--विभागीय पदो-न्नित समिति की पिकारिश पर, श्री एच० बनर्जी, सहायक प्रकासन ग्रधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में रु० 840-40-1000-इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में प्रशासन ग्रधिकारी पद पर दिनांक 5 फरवरी, 1987 के पूर्वाक्ष से पदोन्नित की गई।

> पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी इते महानियंत्रक भारतीय खान स्यूरो।

## नागपुर, दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० ए- 19011(292)/85-स्था० ए०--विभागीय पदोक्रति समिति की सिफारिश पर, श्री एम० ब्रह्मानन्दन, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आ०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में उप खनिज अर्थशास्त्री (आ०) के पद पर २० 1100-50-1600 के वेतनमान में दिनांक 30-1-1987 के पूर्वीह्म से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं ए-19011(399)/87 स्थाः ए०--विभागीय पद्योक्गति समिति की सिफारिश पर श्री ग्ररूपानन्द नाईक, सहायक खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ खनन भूषिज्ञानी के पद पर दिनांक 29-1-1987 के पूर्वीह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

### दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० ए-19012(230)/87--स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर, श्री बी० डी० वैद्य, बरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्र० प्र०) की भारतीय खान क्यूरो में, स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (ग्र० प्र०) के पद पर दिनांक 3 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नित की गई।

सं० ए-19012(231)/87-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री ए० जी० पाटुकले, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतीय खान अपूरो में स्थानापन्न रूप में खनिज ग्रिधकारी (ग्रासूचना) के पद पर दिनांक 3 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नत किया गया !

जी० सी० शर्मा सहायक प्रणासन श्र**धिकारी कृते** महानियंत्रक भारतीय खान क्यूरो

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक काकार्यालय

## देहरादून, दिनांक 3 फरवरी 1987

सं० सी-8/718-ए०--निम्मिलिखित श्रिधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा ग्रिधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप "बी") के पद पर संशोधित वेतनमान रू० 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापण रूप में नियमित भाषार पर नियुक्त किया जाता है:--

#### ऋम सं० नाम तथा पव युमिट/कार्यालय तारीख 1. श्री पिताम्बर लाल शर्मा, दक्षिण पूर्वी 1-12-1986 प्रधीक्षक, महासर्वेक्षक सर्किल, भुवनेश्वर (पूर्वाह्न) का कार्यालय। पश्चिमोत्तर सर्किल, 30-12-1**98**6 श्री मनजीत सिंह, भधीक्षक, महासर्वेक्षक चण्डीगढ़ । का कार्यालय। पुर्वाह्य 3. श्री प्रकाश नारायण उत्तरी सर्किल, 22-12-1986 शर्मा, ग्रधीक्षक, महा वेहरादून। सर्वेक्षक का कार्यालय ।

### दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० स्था-10/594-मैनेजर--श्री विजय कुमार गुप्ता, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी' (राजपिन्नत), भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक (मानिषद्ध पुनरूत्पादन) के ग्रस्थायी पद पर स्थानापन्न रूप में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के संशोधित वेतनमान में विनांक 24 दिसम्बर, 1986 पूर्वाह्न से नियुक्त किए जाते हैं। उनका वेतन रु० 2060/-(रूपये दो हजार साठ केवल) प्रतिमाह निर्धारित किया जायेगा।

गिरीश चन्द्र ग्रग्नवाल मेजर-जनरल भारत के महासर्वेकक

### ष्ट्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 ग्रम्तूबर 1986

सं० 9/27/82-एस 3--इलैक्ट्रोनिकी विभाग में वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० डी०" के ठप में स्थायी हो जाने के परिणामस्त्रक्ष महानिवेशक आकाशवाणी श्री आर० सुबु-राज का आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर के पव से 1 मई, 1984 से "तकनीकी त्यागपन्न" स्वीकार करते हैं।

बी० एस० जैन प्रशासन उपनिवेशक (ई) इते महानिवेशक

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400085 दिनांक 6 फरवरी 1987

सं० क्रभ नि/बी-3/स्था०/87-प्रशा०/6080-- क्रथ और भण्डार निदेशालय के केन्द्रीय भण्डार एकक के स्थायी भण्डारी तथा स्थानापन्न सहायक भण्डार ग्रधिकारी, श्री एल० एच० बागवे का 28 जनवरी, 1987 को देहान्त हो गया।

सं० कथनि/2/1(26)/83-प्रशा०/7127-परमाणु कर्जा विभाग, क्रयं और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री भार० सामीनाथन को इसी निदेशालय में दिनांक 19 जनवरी, 1987 (पूर्वाह्न) से भ्रगले भादेश होने तक 2000-60-2300-दं० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में सहायक क्रय ग्रिधकारी के पव पर ग्रस्थायी तौर पर स्थानापन क्रय से नियुक्त किया है।

### विमांक 10 फरवरी 1987

सं० कम नि/41/12/85-प्रशा० 7484--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भण्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री पी० एल० खन्ना, को इसी निवेशालय में दिनांक 1-9-1986 (पूर्वाह्न) से 24-10-1986 (प्रपराह्न) तक 2000-60-2300-व० रो०-75-3200-100-3500 ह० के बेतनमान में सहायक क्रय प्रधिकारी के पर पर तदर्ष प्राधार पर स्थानापक रूप से नियुक्त किया है, यह नियुक्ति सहायक

कथ प्रधिकारी, श्री टी० वी० रामस्वामी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त प्रविध के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन प्रधिकारी

## परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 12 फरवरी 1987

सं० पख प्र-8/7/85-भर्ती--निदेशक, परमाणु खिमिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खिनज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा-पाल, श्री महाबीर सिंह को उसी प्रभाग में श्री ग्रार० एस० गुप्ता, सहायक लेखा श्रिधकारी के छुट्टी पर जाने पर 29-12-86 से 6-2-87 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

ग्र० वे० खान वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्र**धिकारी** 

## निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुस्क नई बिल्ली, विनांक 30 जनवरी, 1987

सं० 1/87— श्री ए० बी० बासु ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, बोलपुर में श्रधीक्षक, ग्रुप "ख" के पद पर तैनात थे, निरीक्षण महानिदेशालय के विनाक 8—8—86 के श्रादेश संख्या 1041/47/84—पू० प्रा० यू के श्रनुसार निरीक्षण श्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्ति होने पर निरीक्षण महानिवेशालय (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) की कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में 1—1—87 (पूर्वाह्र) से निरीक्षण श्रधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एच० एम० सिंह निरीक्षण महानिदेशक

### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 फरवरी 1987

सं० ए-19012/1180/86 स्थापना पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री निखिल चन्द्र कुन्डू, किन्ष्टि ग्रिभियन्ता को ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजी-नियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-इ० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में 18-8-1986 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रविध के लिये ग्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, पूर्ण ग्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० ग्रार० सिगल भवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग उद्योग मंत्रालय

## कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी के रजिस्टार का का**र्या**लय

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 और मैं० एस० एस० एम० इन्फौर-मैटिक्स कन्सलटैन्ट्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1986

सं० 12154/36072---कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसदृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के श्रवसान पर एस० एस० एस० इन्फीरमैटिक्स कन्सलटैन्ट्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह०/-ग्रपठनीय सहायक रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज वेहली और हरियाणा नई विस्ली श्रायकर ग्रायुक्त काकार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1986

भ्राय कर

सं० ग्रा० ग्रा०--5/ज्यूिन्स/12/86--87---ग्रायकर ग्राध-- नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वाराप्रदत्त गिक्तयों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त श्रम्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए ग्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली--5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 26-12-86 से निम्नलिखित ग्रायकर वार्डों का उन्मूलन किया जायेगा:---

क्रम बार्ड	ग्राई० ए० सी० जिनके	
संस्था	प्रशास <del>निक</del> नियंक्षण	
	से वार्ड का उन्मूलन	
	किया जायेगा	
<ol> <li>1. 11(12) ग्रतिरिक्त</li> </ol>	5 <b>ए</b>	
2. 4(7) ग्रतिचित्रत	5 सी	

पी० महाजन श्रायकर मायुवत दिल्ली-5 प्ररूप आहुर्.टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-Ш कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1987

सं० ए० सी०-73 ग्रार-II/कलकत्ता/86-87:---ग्रतः मुझे, एस० एन० तिवारी,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 19/81 है, जो ब्लाक 'ई' न्यू मिलपुर, कलकत्ता—53 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मिध नियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यं, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क़मी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री निलंधन मजूम्दर।

(म्रन्तरक)

 मै० सिगो सिगो हाउमिग एण्ड ऋडिट को० प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

 श्री निलधर मजूम्दर एवं परिवार
 श्री सत्येन्द्र मजूमदार एवं परिवार
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 श्री सुधोर चन्द्र मजूम्बर, एस० एम० मजूम्बर, शंकर चन्द्र मजूम्बर, सुभेन्द्र मजूबर, इन्द्रानी रीय, संजय जूम्बर, रनजय श्रीर सुजय मजुम्बर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

उल्लिखित वलील सं० 37ईई/म्राई/म्रार्-II/कल/86-87 तारीख 6-6-1986 के म्रनुसार 19/81, ब्लाक 'ई', न्यू म्रालिपुर, कलकत्ता-53 में 7 क० 43व० फुट स्थित है।

एस० एन० तिवारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज II,कलकत्ता

तारीख: 22-1-1987

प्रकृष बाह्य दी. एन . एवं . :---------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1987

निर्देश सं० ए० सी० 74/86—87.—-म्रतः मुझे, एस० एन० तिवारी,

बावकंद्र विश्वितवय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवाद 'उक्ट मीमीनसून' सहा गया हैं), की बारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरख है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 15 है, जो बर्ववान रोड, कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 37 ईई/13/श्रार-11/कल/86–87 तारीख 11–6—1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उपित नाजार मृत्य से कम् के क्रवमार श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उपित नाजार बृज्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और जत-रिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स ूर्य किसी बाव की बावद, उनस बीधनियम के जभीन कर दोने के अंसरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एखी किसी नाय वा किसी धन वा बन्य जास्तियों का, चिन्हुं भारतीय बावकार निधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निधिनियस, या धन-कार निधिनियस, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में हिष्या के विद्य;

1. श्री रघुनाथ प्रसाद कनोरिया ग्रीर ग्रन्य ।

(मतरक)

2. चन्द्र इस्टेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोंक्त स्थितियों में से किसी श्यक्ति बुवादा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवक्ष किसी वस्य व्यक्ति इवारा, अभोइस्ताशारी के पास निवित में किसे का क्केंगे।

स्यंध्विकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा, जो उस बध्याव में दिशा पदा हैं।

## अनुसूची

उल्लिखित दलील संख्या 37ईई/13/म्रार— /कल/86-87 तारीख 11-6-86 के तहत 2 नि० 5 क० 10 छ/जमीन सपित मजान 94, वर्दवान रीड, कलकता पर स्थित है।

एस० एन० तिवारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, करकत्ता

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बै क्यीन, निम्नसिंदित स्पन्तियाँ, व्यांत ध्—

वारीख: 22-1-1987

ţ,

## वक्त बाह्य हो हु एक एक उन्न-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक जावकर जायुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1987 निर्देश सं० ए सी--75/झार--11/कल/86--87:---यतः मुझे, एस० एन० तिवारी,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचिता बाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 8 है, जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता27 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम श्रीधकारी, मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, 37 ईई/14/भार—II/कल/ 86-87 तारीख 11-6-1986

- (क) अध्यारण वे सूर्य जिल्ली बाक्य कर्त बालवा, उनके नियम को जभीन कर योग के अंतरक को बाबिटल में कनी करने या उत्तरों बचने में सुविधा की किए; बीद/वा
- (वा) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तिकों की विष्टुं भारतीय भायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के विद्ध;

बतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) कूं बुधीन निम्निसिश्वित स्थितिकों, अर्थात के 1. रेनोकस कामशियल लि०।

(अन्तरक)

2. बिहार एजेन्टस लि०।

(भ्रन्तरिती)

की यह तुषना वारी करके पूर्वोक्त वस्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से विक्षी व्यक्ति हुनार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्द किसी अन्य क्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या विद्या है।

## नन्स्ची

पंजीकृत दलील सं० 37 \$ \$ / 14/ \$ urt-II/ \$ me/ 86-87 तारीख 11-6-86 के श्रनुमार, 8, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता-27 पर 2294 व० फूट श्रवस्थित है ।

एस० एन० तिथारी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रज 1, कलकत्ता

तारीख: 22-1-1987

## वच्य वार्वं, ती. युन<u>्युवः, ----</u>

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

#### नारत प्राप्तार

## कार्यसब, सहायक बायकर बाब्क्स (निर्वेजन)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा कसकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2426/ए० सी० क्यू/प्रार-III/कल/86-87:---भत मुझे, श्राई० के० गायेन,

बायकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 176 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय स० आ० आ० निरीक्षण अर्जन रेज-3, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1986

को प्रोंक्त सम्मित के उचित पाषार मृत्य से कन के जनमान प्रतिकत के सिए अंतरित की नहीं ही जोर मृद्धे यह विकास करने करने का कारण ही कि बचाप्योंक्त संपत्ति का अचित बाबार नृत्य, उसके करमान प्रतिकत से, एसे क्यमान प्रतिकत का पत्यह प्रतिचत से विधिक ही और अंतरक (अंतरकों), बीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तथ पाना पना प्रतिकास कम निम्निसिचित उच्चेत्रय से अच्छ जंतरण विधिक में बास्तिक कम से अधिक नहीं किया क्या ही क

- (क) कन्तरण ते हुई फिकी बाव की बावता, बजव विविध्य की बधीय कर दोने के जन्तरफ की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक् भारतीय बाय-कर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का27) के प्रयोचनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः कवः, उत्तर विभिनियमं की धारा 269-न के अमूनरण में, में, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षातः उ 1. श्री मदगुल उद्योग।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती सरिता गोयेका।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्या बारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी वाक्षण ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 थिन की जनथि या एरखन्यन्थी व्यक्तिसरों पर स्थान की तामीज़ से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत का विश्व के वे किसी न्यों कर इनारा;
- (त) इस क्षमा के राक्षम में प्रकारन की तारीत से 45 दिन के भीतर उसर स्वावर सम्मत्ति में हित्यक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमे प्रय्क्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विभिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं वर्ष क्षेपा, जो उस अध्यास में दिना प्रयः है।

### अन्स्ची

फ्लाट नं० 4 ए क्षेस्र: 1800 न०फूट

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3 कलकत्ता

तारीख: 28-1-1987

## प्रकम कार्यं हों हों एवं एवं प्रकार प्रकार

## भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर कायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2427/ए० सी० क्यू/म्रार-III/कल०/86-87:---यस: मुझे, म्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मून्च 1,00,000/- रु. से अधिक है

भी जिसकी संख्या 11 ए है तथा जो पाम एवेन्यू कलकता में स्थित है और इससे उपाब ह अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स० आ० आ० (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य तं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुमें यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य तं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पुमें यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एचे बंतरच् के लिए तम बाब वया प्रति-क्या कि स्वीवत्र उपयोग है किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विश्वित्वन, वा धनकर जीवित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जुनिया के जिद्द;

कतः अकः, उत्कर्त किथिनियम की धारा 269-ग के, जन्मरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. के० एन० प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(भन्तरक)

2. श्रेबोन इनवेस्टमेंट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को का सुवना आही करने पूर्वोक्त सुन्तुरिक से वर्शन से जिल्ला कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

### उन्द दल्यात के वर्षन के दल्यन में कोई भी बार्बप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिक्कि में किए वा धकारी।

स्था किर्म क्या कि प्रश्निक्ष कि प्रश्निक्ष कि किर्म कि किर्म कि किर्म कि किर्म कि किर्म कि किर्म किरम किर्म किरम किर्म किरम किर्म किर्म

अनुसूची

पलैट नं० 2 डी क्षेत्र : 1927 व० फुट

> ग्राई० के० गायेन, प्रासक्षम धिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षाण) भर्जन रेंज-3, कलकत्त

तारीख: 28-1-1987

ारूप आर्धः टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) भर्जन रेज-II<sup>I</sup>, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2428/एसी नयू० म्रान-III/कल०/86-87:--म्रतः मुझे, म्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्रत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 18/2 है तथा जो गाडियाहाट रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और, पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्या लय स० आ० आ० (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3 में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 26) अधीन, तारीख 16-6-1987

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाचार मृस्य से कम के स्वयंत्रात श्रीतक्षक के लिए बन्तरित की यह है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्मित का उचित वाचार वृत्य, उसके स्वयंत्राप प्रतिकास से, एसे स्वयंत्राप प्रतिकास का यंद्रह प्रतिकात से निभक है और वंतर्रक (वंतर्रक) बाद वंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतर्रण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिकित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में शास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्छ अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के न्यए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या बन्ध आसिस्त्रशें को, विश्व भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिंग्य के शिए;

मतः मव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित स्यक्तियों, अभृत् १--- 1. श्रीमती नन्दिनी घन्सल।

. (ब्रन्तरक)

1. श्री रिष शंकर सारोगी और ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चुरु करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भीआक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कदिश या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की कदिश, को भी अविष बाद में सुमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का क्कोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दो और पवाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

फ्लेट नं० 8 बी। क्षेत्र 1406.50 व० फुट।

> न्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, कलकस्म

तारी**ज:** 28-1-1987

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज कलकत्ता

कलकता दिनांक 28 जनवरी 1987

सं० 2429/ए सी क्यू०/भ्रार-III/कल/86-87:--यतः मुझे, भ्राई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृल्य 1-00,000/-ए. से विश्वक है

1.00,000/-ए. सं विषक हैं
और जिसकी संख्या 190 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ध्रिधकारी के कार्यालय स० ध्रा०
ध्रा० (निरीक्षण) ध्रजन रेंज-3 में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन तारीख 16~6-86
को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्धास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पंदह
प्रतिक्षत से विषक हैं जोर जंतरक (जंतरकाँ) और जंतरिती
(अंतरितिवाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिवित उद्दिष्य से उक्त धंतरण स्थिति में भास्तिक
रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किंपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गण या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधः के लिए;

जतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री हरमीत सिंह कालरा

(ग्रन्तरक)

2. मास्टर बिल्डर्स)

**3** 

(ग्रन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त उपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

## भनसर्ची

> ग्राई० के० गायेन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज→3, कलकत्ता

तारीख: 28-1-1987

मोहरः

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 दिसम्बर 1987

कलकत्ता मं० 2393/ए सी क्यू श्रार-III/कल/86-87 यत: मुझे, श्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम.' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयों में अधिक है

और जिसकी संख्या 2 है तथा जो विजय बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब इ ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 16-6-1986

कां पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिमिस वास्वविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या थल या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या जवन अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अगरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित विधनयों, अवह :---

1. श्री गंगा देवि दास

(ग्रन्तरक)

2. सत्यम प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकाँगे।

स्मध्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

12 कट्टा जमीन का श्रपर दोनला बाड़ी प्रेमिसेस सम्बर 2 विजय बासु रोड कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 16-6-86 तारीख में रिजस्टर्ड किया।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 2-12-1986

मोहर 🎋

प्ररूप आर्ध, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, कलकसा

कलकत्ता, विनांक 2 दिसम्बर, 1986

सं० 2394/ए मी० क्यू० ग्रार-III/कल/86-87 — यत: मुझे, ग्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मर्प्यात्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 34 है तथा जो एलेम्ली रोड, कलकत्ता 28 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर. स्था से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16-6-1986।

को पृत्रों कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत में अधिक है और अत्ररक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मी, उदल अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. जैने लिक लिमिटेड

(भ्रतरक)

2 शिव शकरबासु।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूच्ना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नम्बर सी एण्ड डी, प्रेमिनंस नम्बर 34 एलेम्बि रोड, कलकत्ता-20 में एरिया 1752 वर्ग फुट, सक्षम प्राधि-कारी, के प्रास 16-6-86 तारीख में रजिस्टर्ड हम्रा।

> ऋाई० के० गायेन. सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त निरीक्षण), स्रर्जन रेज कलकत्ता

तारीख: 15-12-1986

प्रकप बार्श, दी. एन<sub>ा</sub> पुरु<sub>ल सन</sub>ाम

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यास्य, सहायक वायकर वायुक्त (निद्धाक्षक)

म्रर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1986

मं० श्रई-2/37ईई/34551/85-86:--श्रतः, मुझे, एम० एस० राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ष्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 51, ए विश, नरेन्द्र अपार्टमेंट अपार्टमेंट खार दाउ बम्बई-52 में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1986

मो प्येक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का विद्यास पद्ध प्रतिकात से विभक्त है और वंतरिक (वंतरकों) और वंतरित (अन्तरितियों) के शैच हो अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक कस निम्मानिक उद्देश्य से उक्त वंतरण निचित में वास्तिक कर्प से कथित नहीं किया पद्या है है—

- (क) अन्तरण में हुए किसी आय की वाक्स, उपत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के द्यायरण में कमी करने या उसस बबने में भविधा के सिए; आर/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म नास्तिम। को, चिन्हें भारतीय नाम-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत जिभिनियम, या भनकर निवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया जा वा किया जामा चाहिए वा कियाने में स्विधा के सिष्टः

बाह: बाब, उपल वाधिवियन की बाह्य 269-म के बन्बर्भ को, में, अबत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

मैसर्स भार० एन० बिल्डर्स।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती तबस्सूम डी० चौधरी

(भ्रन्तरिती)

भी बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिध कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, खो शी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बां नीर पदां का, जो उनके जिल्ला कि किया 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कहा है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 51, ए त्रिंग, पांचत्री मंजिल, नरेन्द्र श्रपार्टमेट, खार दांडा, बम्बई-400062 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र सं० श्रई-2/37ईई/34551/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 9-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

## बानकर श्रीपनियन, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के बचीन खुक्वा श्राप्त क्रकार

## कार्याचन, तहासक सामकर नाम्कत (निर्योक्तम)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1986

सं० ग्रई-2/38ईई/34877/85-86:---ग्रत:, मुझे, एम० एस० राय.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 61, प्लाट नं० ए-7, खार, बम्बई-52 में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालाय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-6-1987 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफन के निए अंतरित की गई है जार मृत्ये यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दश्यभान प्रतिफन के पहुंच कारण मृत्य , उसके दश्यभान प्रतिफन के पहुंच श्रीतकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निम्मिनियत उद्योग्य से उचत अंतरण बिचित में बास्तिक रूप से कांगत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) इंसी किसी बाव वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उबत अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना वास्टिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियंम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सुरेश एन्टरप्राइजेंस।

(म्रन्तरकः)

2. वासुदेव सी० बाधवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करको प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त संपत्ति के भवन के संबंध के कोई भी नासोप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वनिथ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की जबिथ, को भी जबिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति एतारा;
- (का) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति च्चारां सभोहस्ताक्षरी के पाव विश्वित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है।

### मनुसूची

फ्लैंट नं० 61, जो, प्लाट नं० ए,~6, जंक्शन धाफ 14 ए रोड धौर माउथ ऐवेन्यू, खार, बम्बई~400052 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/34877/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, बम्बई

नारीख: 9-2-1987

## प्रका बाद . शी. एन . एस . -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 फरवरी, 1987

स० श्र $\xi-2/37$  $\xi = 34878/85-86$ :— श्रत , मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या फ्लैट न० 32. शातीवन, खार. बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्ति में विशित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए से ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप ते कथित मही किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय करी दाबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में मृतिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैसर्स सुरेश एन्टरप्राइजेम।

(भन्त रक)

2. मैंसर्स देदानी एक्सपोर्ट्स (पी०) लिमिटेंड। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

---उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्त किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण '---६ममें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाणा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### बग राजी

पलैट नं० 32 जो, णातीवन, प्लाट नं० ए.-7, अक्शन श्राफ चौदवा ए रोड श्रीर साउथ एवेन्यू, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/34878/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज-2,बम्बई

विनांक: 9-2-1987

## त्रका थाइ<sup>4</sup> . हो . युन . युन . पुन . पुन------

## नावकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के मधीन सूचना

#### भारत खरुकार

## कार्यांक्य, शहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई दिनांक 9 फरवरी 1987

निदेश मं० ग्रई-2/37/ईई-34879/85-86—ग्रतः, मुजे एम० एस० राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 31, णांतीवन खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, दिनांक 20 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके द्वरयमान प्रतिफल से, एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुन्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिंगा।

अंदः अभ, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुवरण भं, भँ, अक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:--- (1) मेसर्स मुरेण एन्टरप्रायसंस ।

(ध्रन्तरक)

(2) मेसर्स दुदानी एक्सपोर्टस् (पी) लिमिटेड । ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क्क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन-की तारीख़ सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्यी

"पलैट नं० 31, जो मांतीवन, प्लोट नं० ए-7, जंबमन ग्रांफ चोदवा ए रोड ग्रीर साउथ एवेन्यू रोड, खार, बंबई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०स० श्रई-2/37-ईई/34879/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई र्दारा दिनांक 20-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2(बी), बंबई,

तारीख: 9-2-1987

### प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरचरी 1986

निदेण सं० ग्रई-2/37-ईई/34506/85-86—म्प्रत , मुझे, पम० एस० राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 3, मान्ताकूज प्री टी हिमालया, मान्ताकूज (पु), बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क.ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 6 जून 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हें म्यिधा के लिए।

(1) अद्यना बेन मनू भाई देसाई।

(भ्रन्तरक)

(2) पारसमल के असुराना और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह गुयना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हुं।

उत्रत सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अ! भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-िषत हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

"फ्लेट नं० 3, जो पहली मंजील, मान्ताकृज प्री०टी० हिमालया को-प्राप० .हाउमिग सोसायटी लिमिटेड, छटवां रोड, डेना बैंक के सामने, सान्ताकृज (पु), बुंबई-400055 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० स० श्रई-2/37/ईई/34506/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजीस्टई किया गया है।

> एम० एस० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2-वी, बंबई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 10-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहनक

रोहनक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एक्यू० 37/ईई/15/ /414/86-87----- प्रत मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, छ वीं मंजिल जो सूर्य बिहार गुडगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनाक 26-9-1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक कृष से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मंं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स भ्रोमेगा कार्माशयल प्रा०लि० 35-ए रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं अर्म श्रीराम फाइब्रिक्स प्रा०, लि०, एक्स प्रैस जिल्हिंग, 9-10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चाा के राजपक में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थहोगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

## अनुतुची

सम्पत्ति प्लैट नं० 601 छठवी मंजिल जो सूथे विहार गांव डुडाहेडा गुड़गाव में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण . रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि० महा० ग्रायकर श्रायुक्त (ग्र जी) रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 37-ईई/15/414/86-87/2219 दिनांक 26-9-1986 पर दिया है।

> मानिक चन्द, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहतक.

नारीख: 15-1-1987

मोहर .

प्रारूप आर्ह्ः. टी. एन. एस. —— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

## कार्थावय, सहायक बायकर बायुक्त (विरक्षिण)

भर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश स० प्राई० ए० सी०/एन्यू० 37ईई/16/415/ 87-86—झत: मुझे, मानिकचन्द,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्षारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका अचित बाजार मूल्म 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ग्रपार्टमेंट नं० 301, ब्लाक बी जो सूर्यं बिहार गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के किंग्रा लिय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिधीन दिनांक 26-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यंयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में वास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (कः) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिक्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना आहिए था, छिपान सें स्विधा के लिए;

मतः जब, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----4--486GI/86

- (1) मैनर्स ध्रोभेगा कामियायल प्रा० लि०, 35-ए रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स श्री राम फाइब्रिक्स लि॰, एक्सप्रैंस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाहजफर मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सर्वभ में कोई भी बाक्षेप ड---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भेतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सा 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हितदक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्वेष्डिकरण:—-इसमें प्रयूक्त अब्दों और पवा का, जी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्यी

सम्पत्ति श्रपार्टमेंट नं० 301, ब्लॉक-बी जो सूर्य बिहार गांव बुंडाहेडा गुडडबांड में स्थित है जिसका श्रिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय नि०सहा० श्रायकर श्रायुक्त (ग्रर्जन रेंछ) रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-\$\$/16/415/86-87/2225 दिनांक 26/9/86 पर दिया है।

मानिकचन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

and water of

तारीख: 15-1-1987

### प्रकृत करहें, दें। एन्. एसं, ०००६

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

## कार्याचय, सञ्चयक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

**श्रर्जन रेंज, रोह**तक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल जो सूर्य विहार गुडगांव में स्थित है (श्रीर इसरे: उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रोहतक मैं भारतीय श्रायकर श्रिश्वियम, 1961 के श्रधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्मित्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिएने में स्विधा के लिए.

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक् अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मैनर्स श्रोमेगा कार्माशयल प्रा० लि०, 35, रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं यर्स श्रीराम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रैस बिल्डिंग 9-10, बहादुर गाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में व्यिए जा सकरें।

रपच्छिकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

3, 9, 4, 74

सम्पत्ति फ्लैंट नं० 402 चौथी मंजिल हो सूर्य विहार इंडाहेड़ा गांव गुडगांव में स्थित है जिसका शिधक विषरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०स०ग्रा० ग्रायुक्त (ग्रर्जन रेंज) रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 37-ईई/17/416/86-87/2216 में विनांक 26/9/1986 पर दिया है।

मानिक चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर .

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू 37-ईई/18/417/86-87—-ग्रत. मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 602 छठवी मंजिल जो सूर्य
बिहार गुडगांव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के
श्रधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/मा
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिशिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स ग्रोनेगा कार्माणयल प्रा० लि० 35 र्द्वीरीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्सरक)

(2) म० श्रीराम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रैस, बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## **अनुस्**ची

सम्पत्ति फ्लैंट नं० 602 छठवी मंजिल जो सूर्य बिहर गांथ डुंडाहेडा गुंडगांथ मे स्थित है श्रीर जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०सहा० श्रायकर श्राय्वत श्रर्जन रेंज रोहतक मे रिजस्ट्री सख्या 37-ईई/18/417/80-87/2209 मे दिनांक 26-9-86 पर दिया है।

> मानिक ःस्य, संजन प्राधिकारी सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेज, रोह३६

तारीख: 15-1-1987

(\*\* ]

1 ,-

प्रकल बादी, टॉ., एव., एस. अ - -

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यानम, सहायक बायकर नायुक्त (रैनर्डीक्रक)

श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987 निवेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू० 37-ईई/19/418/ 86-87—ग्रन: मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 502 पाचवी मजिल जो सूर्य तिहार गुडगांव में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध ग्रनुस्ची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिन्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय रोहतक भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 के ग्रधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण ते हुई किसी बाय की बावतः, उपत सीधनियम के सधीन कर बोने के अन्तरक के शमिल्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के निए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) मैसर्स म्रोमेगा कामशियल प्रा० लि०, 35, रीगल बिल्डिंग नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीराम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रैस बिस्डिंग, 9-10, बहादुरशाह जफ़र मार्ग, नुमई विल्ली (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उत्तर सम्परित के अर्जन के अध्वम्भ में कोई भी आधरेष : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसमी

सम्पत्ति पर्लंट नं० 502 पाचवी मंजिल जो सूर्य बिहार गाव डुंडाहेडा गुडगाव में स्थित है जिसका म्राधिक विवरण रजिस्ट्री क्ता के कार्यालय नि० महा० म्रायकर म्रायुक्त (मर्जन रज) रोहतक मे रजिस्ट्री सख्या 37-ईई/19/418/86-87/ विनांक 26-9-1986 पर दिया है।

> मानिक चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, रोहसक

तारीख : 15-1-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यातव, सहायक भागकर वागुवत (निर्देशक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से गाँधक है

ग्रौर जिसकी सं ग्रपार्टमेंट नं 302, ब्लाक-सी जो सूर्य बिहार गुडगांव में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूख्य, अबके व्यवकान प्रतिकाल है, देने व्यवकान प्रविक्त का प्रविक्त से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंबारण संबुद्ध जिस्सी बाय की बायद्ध, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अपरायक के दायित्य वा कभी करने या उचाचे बच्च वो सुविधा को सिए. अधिनेया
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों धनकर विधिनयमा, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजकार्य बंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया को, विन्हीं मारतीय बायकर विधिनयमा, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम या क्वा था वा किया वाना पाहिए वा कियारे में सुविधा की लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिषियम की धारा 269-ग की जपधारा (1) की अधीन, निम्निसियन व्यविद्ययों, अध्यक्त केन

- (1) मैसर्स धोमेगा कार्माणयिल प्रा० लि०, 35-ए, रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री एच० एन० चौपड़ा, श्रौरंगजुली टी गार्डन, पी० श्रो० पनेरीहर, वारंग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्चन को निष् कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सञ्जाति के उर्जन के संबंध मा कोर्ड शीआक्षेप :--

- (का) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की नवीं मा तत्सम्बन्धी स्थितिमें पर च्या की तामीक से 30 दिन की संवीं भी भी ववीं भाव में समाप्त होती हो, के शीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति हुमारा, अभोहस्ताभरी र राज दिस्ति में स्थित वा सकीर्य।

स्वकारिकरक: — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त निक निवस के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में द्या निया हैं।

### नन्त्रची

सम्पिश्त भ्रपार्टमेंट नं० 302-सी जो सूर्य विहार गांव धुंडाहेड़ा गुड़गांव में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रिज-स्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०सहा० श्रायकर ग्रायुक्त (श्रर्जन रेंज) रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 37-ईई 20-41986-87/2366 दिनाक 26-9-86 पर विया है।

> मानिक चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-1-1987

मोहर '

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोह्सक, दिनाक 15 जनवरी 1987

आयकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उम्दर अधिनयम' कहा ग्रंथा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कार ने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 407-प्रो बिल्डिंग छ्ठी मजिल जो सूर्य विहार गुडगाव में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम 1961 के श्रधीन दिनाक 26—9-1986।

- को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के क्ष्ययान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से विश्व है जौर बन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंबरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्क कन किन्तिसित उद्दोष्य से अक्त कन्तरण सिचित में बास्तिषक कम से किथित नहीं किया गया है क
  - (क) बन्तरण है हुई किसी बाय की बाबत उक्छ बिधिनियम के बधीन कर योगे को अन्तरक के दाधिन्य में कमी करने वा उक्को बचने में सुविधा के सिए, मोर/बा
  - (ण) ऐसी किसी नाम या किसी पन या कन्य कारित्र सें को, जिन्हों भारतीय जायकर जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपिनियम, कुष्य चनकार जिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट महीं किया का वा किया जाना चाहिए वा, जिपाने के द्वीत्र का विदेश के दिवार

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) मैजर्स थ्रोमेगा कार्माणयल प्रा० लि० 35-ए रीगल बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुधाबेन सनतकुमार शाह, श्री संजीव सनत कुमारशाह श्री प्रदीप सनत कुमार शाह बजरिये मल्टीग्राफ मशीनरी कं मानू मन्सन, 16 पहीद भगत सिंह रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करता हूं।

जयत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांड्री मीआक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त माक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाव सिचित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टिकि रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त भौभनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं वर्षहोंगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

### अनुसुची

सम्पत्ति फ्लैंट नं० 907-त्री ब्रिल्डिंग नवी मंजिल जो सूर्य विहार डुडाहेडा गुडगाव मे स्थित है जिसका श्र**िक** विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०महा० श्रायकर श्रायुव (श्रर्जन) मे रोहनक रजिस्ट्री सख्या 37-ईई/21/420/86 87/2206 में दिनाक 26/9/86 पर दिया है।

मानिक चन्द मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख: 15-1-1987

प्ररूप आई.टी एन एम .-- ----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) क अधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० श्राई० प० सी०/एन्यू० 37 ईई/22/421/86-87 श्रतः मुझे, मानिक चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तत जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000 /- रः. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पकेंट नं० 902/सी बिल्डिंग गवीं, मंजिल सूर्य विहार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के सधीन दिनांक 26-9-1986।

को प्योंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किशी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए, और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में एविधा के लिए।

ब्रातः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः :-- (1) मैजर्स श्रोमेगा कार्माणयल प्रा० लि० 35-ए रोगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कोराडिग्रा, 106/बी मित्तलावर नारी-मल पोइंट, बस्बई-400021।

(भ्रम्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किस- बय्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विसा गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति पलैट नं० 902/सी बिल्डिंग नवीं मंजिल सूर्य विहार गाव हुंडाहेडा गुड़गांव में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय निव्सहाव ग्रायकर ग्रायक्त (ग्रर्जन) में रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 37-ईई/22/421/86-87/2203में दिनाक 26/9/86 पर दिया है।

म निक चन्द सक्षम प्राधिक री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-1-1987

प्रकल् बाइ . टी. एन. ग्रा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निर्नीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं काई ए सी | एक्यू 37-ईई | 23 | 422 | | 86-87-- मत: मुझे, मानिक चन्द,

बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसजे इसके परचाल 'उन्त अधिनियम' कहा गवा ही, की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से जिथिक है

ग्रीर जिसकी सं श्रापटेमेंट नं 4 बिल्डिंग नं 27, डी एल एफ कुतब इन्क्लेंब गुडगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रोहतक भारतीय श्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के श्रीमी दिनांक 26/9/86

को प्रोक्त संपरित को जीवत नावाह मुख्य से कम में दरवनाथ प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि मुख्य प्राचित संस्थित का जीवत वास्त्रित का प्रतिकल का प्रतिकल का प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तब श्रावा प्रतिकल का प्रत्क का कार्य के लिए तब श्रावा प्रतिकल का कार्य के साथ तब वास्त्रित कार्य के साथ तब वास्त्रित कार्य के साथ वास्त्रित कार्य कार कार्य कार

- (क) कन्तरण के हुई जिल्ली जाब की बावल, उनक अभिनियम के अभीग कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; बार/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तियों बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृषिभा वी किस्।

नतः प्रथा, उन्त जीभीनयम की भारा 269-म के ननुसरक भी, भी, उन्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीव्यालव्यक्तव्यानीसर्सेल लिव 21-22 नरेन्द्रा, प्लेस संसद मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० के० मिश्रा एवं श्रीमती सुधा शुक्सा बी-23, चिराग इवक्लेब नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का बहु सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्से :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच भी 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पक स्थान की तासीन से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के शीतह उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी बम्ब व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के बाह सिवित में किए का चलेंगे।

त्यस्टीकरण:---इसमें प्रगुक्त सन्दों और पक्षों का, वो सक्त विधिनियम को कथाथ 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस कथाय में दिया गया है।

## वन्त्वी

सम्पत्ति प्रपार्टमेंट नं० 4 विल्डिंग 27 में डी एल एफ फुतुब इन्बलैव गुडगांव में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०सहा० श्रायकर आयुक्त (प्राजेंन) रोहतक मे रिजस्ट्री सं० 37-ईई/23/422/86-87/2000 विनांक 26-9-86 पर विया है।

मानिक चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-1-87

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

## नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के नधीन सूचना

### भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 24 दिसम्बर 1986

निदेश स० झाई० ए० सी०/एक्यू०गुड्गांव/84/86-87----झत सुझे, बी० एल० खती,

नावकर विभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवाद 'इक्ट विभिनियम' कहा वया ही, की बादा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाच करने आ स्नरण है जि स्थावर सम्पत्ति विस्तका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं भूमि 327 कनाल 15 मरले को गांव कोमा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद धनुसूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ल ग्रिधकारी के कार्यालय गुडगांव भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन दिनांक 8-9-1986

की क्लेंक्त सम्मत्ति के जीवत नावार न्त्व वे कन के कारनान विरुद्धन के निए नम्तरित की नहीं ही जीर नृत्ते वह निवनान करने का कारण ही कि नपाप्नोंक्त संपत्ति का उपित नावार कृष्ण, जवके दश्यमान प्रतिकान के, एके दश्यमान प्रतिकान का स्वह प्रतिवत्त से निकत ही जीर बन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के जिए तम पावा क्या प्रतिकास निम्नतिवित उप्योग्य के उपत अम्तरण जिलित के नास्तविक रूप से कथित नहीं किया नगा है है—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाब की बावछ उक्ष अधि-विषय में वधीन कर दोने से बन्तरक के शिवरण के कमी करने या उत्तले वधने में सुविधा के शिए; बीर/था
- (क) एंग्री किथी बाव वा किसी धन वा अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अ जिए;

वतः अव, उकतं अधिनियमं की भारा 269-व के अनुसर्थ में, में, उकतं अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, वर्थात् :—-5.—486GI/86

- (1) श्री राजीव भेर पुत श्री अगरतालाल सेर श्री प्रमूतलाल सेठ पुत्र श्री श्रीनिवास सेट नि० 80 प्राचम नाग वसरत बिहार, नई दिल्ली (ग्रान्तरक)
- (2) श्री महैश लाल पुत्र श्री श्रीराम संयाल श्री श्ररजुन संयाल पुत्र श्री महेग संयाल, निवासी, 3/68, सफदरजग इन्कलेव, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोज्ञत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### बन्द कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बाधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-संदूध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वक्षां क्षा स्वयं काव्यां और पर्यो का, चा अवक अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित ही, बहुर वर्ष होता थे, उस अध्याय में दिवा गया ही।

श्र**न्सू** वी

सम्पत्ति भूमि 327 कनाल 15 मरले, गांव चौमा तहसील गड़गांव में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय गुडगांव मे रजिस्ट्री सख्या 3159 विनांक 8/9/86 पर दिया है।

> बी० एल० खन्नी, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जनृरेंज-रोहतक

तारीख: 24:12-86

#### 

## बाषकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचनः भारत सरकार

कार्यालय, मुहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 दिरम्बर 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/ग्रम्चाला/3/86-87---श्रतः मुझे, बी०एल० खत्नी,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग जो कि मोहरा गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक 28-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रव्यसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयं पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई विज्या जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकान नहीं किया गया के प्रयोजनार्थ जातिस्ती द्वारा प्रकान नहीं किया गया के प्रयोजनार्थ जातिस्ती द्वारा प्रकान की क्विमा गया के प्रयोजनार्थ जाता चाहिए था, स्थिन के क्विमा गराहर

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुमरण में, मैं, लक्त अधिनियम की धारा 260-ई जी उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :-- (1) के० एप० रवर इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० शुक्ल कुंड रोड, अम्बाला शहर।

(ग्रन्तरक)

(2) बाटा इन्डिया लि० सेक्स्पीग्रर सरानी कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अन्**षूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग जो स्रम्बाला कसाल जी० टी० रोड पर मोहड़ा गाँव में स्थित है जिसका स्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय स्रम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 4251 दिनाक 28-8-86 पर दिया है।

बी॰ एल॰ खती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 24-12-1986

प्ररूप वाड .टी. एन . एम . -----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (i) न्हें अभीन सुबना

#### भारत सरकार

## कार्यासयः, सहायक वामकर वामुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू० 37-ईई/413/86-87— मतः मुझे, बी० एल० खत्नी,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च.के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 जो पांचवीं मंजिल पर है जो कि इंडाहेडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के भ्रधीन दिनाक 20-6-1986

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान शिवकत के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मुळे यह विक्यात करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त कमरित का विकित काबार पूर्व, उत्तक क्रयमान प्रतिकास से देखें क्रयबान प्रतिकास के समझ प्रतिकास से विकित हैं और संबर्ध (बंदरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिविक रूप सो कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क्र) बन्यदुन से हुई किसी नाय की बावर, उक्त बहिस्तिक्य के नधीय कर योगे के नन्तरण से ब्रह्मेंबरन में कमी करने वा स्वयं बचने में बृतिया ब्राप्ट/बा
- (क) एंसी किसी बाय ना किसी धन वा नम्ब नामिक्यों का जिन्हों भारतीय जायकर जांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विवा बाग वाहिए था, किया म मानिका वे विवा

कतः अव, जनस अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण वो, वो, धनत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधास (1) वो अधीन, निकालियित व्यक्तित्वों, अधीत् क्रांच्या

- (1) मैं तसं ग्रोमेगा कार्माशयल प्रा० लि० रीगल बिल्डिंग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।
- (भन्तरक)
  (2) मिस्टर श्रोमप्रकाश माथुर एवं डा०(श्रीमती)
  मिसेंग माथुर 10 मिस्टरी मेनार नेपयन सी
  रोड, बम्बई-400006।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह आयकर आधिनियम के अध्याय 20-क में पिन्धाचित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। पत्रा ही।

### अनुसूची

सम्पत्ति फ्लैट नं० 502 पांचवीं मंजिल पर सूर्यं विहार. (कुन्डाहेड़ा जिला-गुड़गांव में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/ 413/86-87 दिनाक 20-6-86 पर दिमा है।

> बी० एल० खती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

ारीख: 6-1-1987

तहरीमः

## ध्यम बाह्र'ल की ह ह्रपन्न हुएल ====

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमदा

#### शारत सरकार

## कार्याजन, तहायक भावकर बायुक्त (विराह्मिक्

भर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 8 जनवरी 1987

निवेश सं० 62/50136/86-87—मतः मुझे, मार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्हों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भौर जिसकी सं भार एसं 42 व टी एसं 125/1 भारावर गांव, मंगलूर है, तथा जो मंगलू में स्थित है (भौर इससे उपाबत भानुसूची में भौर दुर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन विनाक 17-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाबार मृत्व से क्रम के अवधान प्रतिकृत के सिए जन्मित की नई हैं बार मृत्वे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्तरण तं हुइं किसी बाद की बावतं, बचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा श्रीनए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अभिनियम, वा चय- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा ने किए;

बक्ष: अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिविक्त व्यक्तियों, अर्थात:----

(1) 1. श्री ए०जे०ए०ए० रेबेल्लो 2. श्री एम०एस०एस० रेबेलो सुपुत्र स्व० श्री जे०एम० जे० रेबेल्लो प्रेम विहार' फलनीर मंगलूर 575 002।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती रीटा एम०टी० रेबेस्सो, सपत्नी स्व० श्री जे०एम०जे० रेबेस्सो, "प्रेम बिहार)", फसनीर, मंगसूर।

(भन्तरिती)

को नह सूचना चारी करकें पूर्व क्षेत्र सम्पत्ति को वर्चन के निष्य कार्वनाहिनां करता हो।

## ब कर कम्मरित के क्षरीय के बंबीय हों कोई भी आसीर ⊪---

- (क) इस क्ष्मभ के राज्यन में प्रकारन की तारीय ते 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षमा की सामी ते 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि नार र तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिकित में किए का सकेंगे।

स्वकारणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्ग का, थी उक्त विभिन्नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह बर्थ होगा, थो उस बध्याय में दिया गया है।

### जनसंची:

(दस्ताबेज सं० 437/86-87/17-6-1986)

स्थावर संपत्ति, मलजेंट राइट पर धारित, मंगलूर तालूक के प्रसावर गःव में ग्रीर मंगलूर नगर निगम के बसमट्टा बार्ड के मंदर मंगलूर सिटी के उप-जिला के पंजी-करण के संदर स्थित तथा निम्मसुजियत स्थीरों सहित :----धार०एस० सं० टी०एस०सं० विस्तार प्रभ्युक्तियां

42 125/1 ए०सर०-23 उत्तर-पश्चिम भागौत सीमाएं :--उत्तर मौर पश्चिम : सब लाइनों
पूरव :श्री एम०पी०एस० रेबेस्सों को विनयत कमांक के ही बाकी मंश
दक्षिण उसी थम:क व साणरण मार्ग का बाकी मंश डोर सं० 16-9-532

नया युक्त भवन, वृक्ष, उपाबंध तथा मार्ग व जल के मामुकी भोगाधिकार सहित।

झार० भारद्वाज, स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीच : 8-1-1987

मोह्नर:

# प्रकार कार्यः हो. एव. एस्.......

बावकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

# भारत वहन्यतः कार्याज्ञव , सहायक वायकर वायक्त (निरीक्तव) श्रर्जन रेंज बंगसूर

बंगलूर, दिनाक 9 जनवरी 1987 निदेश सं० सी०ग्रार० 62/5017मैं/86-87—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,30,000/- रुपये से अधिक है

मीर जिसकी सं 110/5 है, तथा जो 7 फ्रास, राजमहल बिलास, बेगलूपुर-80 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रश्चीन दिनाँक 19-6-1986, को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए स्व थाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन वा अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्धारा प्रकट रहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने धे स्विधा से स्थिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) 1. श्री पी॰सी॰ गिरि, मुपुत्त स्व॰ एम॰सी॰ गिरि 2. श्री प्रविनाश गिरि
  - उ. विनोद गिरि श्रौर राजीव गिरी सुपुत्र श्री पी०सी० गिरि, सं० 110/6,7-काग राजमहल, वेंगलूर-80। (भन्तरक)

- (1) श्री बी॰ प्रार० सचदेव सुपुत्र एष, ग्रमरनाथ सचदेव
  - 1. श्री बी०ग्रार० मचदेव
  - 2. श्रीमति पुष्पा सचयेब, समत्नी श्रीबी० श्रार्थ सचयेव
  - राजिय सचदेय सुपुत्र श्री बी०भार० सम्बदेय ।
     भ्रापर फैलेस भ्रात्स्वईस,बेंगलूर-560 006 ।
     (श्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

# बक्त कम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी काकांप हरूरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया ही:

## अन्स्ची

(दस्तालेज स० 462 ता० 19-6-1986)

भूमि का वह सभी श्रंश शीर भाग, उप्पर के भवन सहित जो श्रव निगम सं० 110/6 से परिचित है भीर जो निगम प्रभाग सं० 82 (पूमराना स० 45) बेंगलूर में 7 कास, राममहल विलाम एक्सटेन्शन मे स्थित है।

सीमाएं :---

पूरव :7 क्रास से

पश्चिम .पुराने निवेश स॰ 107 से धारित

निजी संपत्ति से

उत्तर पुराने निवेश सं० 109 मे धारित

निजी संपत्ति मे

विक्षण .पूराने निवेश से० 111 से धारित

निजी संपत्ति से

म्रार० भारहाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

्मर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1987

प्ररूप आर्ड्ःटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, 16 विनांक जनवरी 1987

निदेश सं० सी० झार० 62/50193/86-87 यतः मुझे आर० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 275/31 है तथा जो 17वां कास रोड, सदाशिव-नगर,कु बेंगलूर में क्विस्थत है श्रीर जिसकी सं अौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 न (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 3-9-1985, गांधीनगर,

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— (मन्तरक)

(2) श्रीमती ममता श्रार० मेट्टी, पुत्री श्रार० एन० रोही, सं० 122, कन्निम्हाम रोड, बेंगलूर-560052। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# यनुसूची

बस्तावेज मं० 1104, विनांक 3-9-86) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 275/31, पुराना सं० 275, 17वां क्रास रोड, सिवाजवनगर, कारपोरेशन डिवी न सं० 82 (पुराना डिविजन सं० 45) बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेंगलूर

दिनोंक: 16-1-1987

## प्रस्य कार्षे टी. एवं एक ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

#### भारत खहकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर श्रंगलूर, दिनांक 1 दिसम्बर 1986

निदेश सं० डी० झार० 1767 यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 41, भौर 42 है तथा जो टागिाही पणजी, गोवा में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के का 16) के भ्रष्टीन, विनोक 2-6-1986, बेंग्लूर

को पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविभा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्री घांटोनियो बेंटोकारमी लुसी पेडरो रोडरिम्स
2. श्रीमती श्रालिस विशेंकटा डि० पीडेड डंयास,
3. कुमारी मारिया डि० फातिमा डा० पीडेड
डंयास रोडरिक्स, 4. श्रीमती श्रालवा फान्सिसको
ड पीडेड डंयास हे रोडरिक्स, 5. श्री फरनांडी
जोसो फेलिक्स ड० सलवा 6. श्री जीसलिटी
ड पीटेड डंयास इ० रोडरिक्स, 7. श्रीम्रांटोनियो
तुलेमिनी माटियास निक्वेरा मारिटन्स श्रोर 8.
श्रीमती ऐलग एरेस फरनांडीस मारिटन्स एसब
टालिगाए गांव, पणजी, गोवा में रह ने बाले।

(भ्रन्तरक)

(2) मेनर्म थालीस होम्स ग्रीर एस्टेट्स पणजी, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करक प्यादन सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शास करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हुने, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याक में दिया गया है।

## अनुसूची

दस्तावे मं 1315/86-87 दिनांक 2-6-86)
सब सम्पत्ति का नाम 'श्रपोनसचि टोलाय' चलता सं०
41 श्रीर 42, का पी० टी० शीट सं० 152, इलहास, पणजी,
गोवा सं० 10815 के लिए रिस्ट्रीकरण था है ग्रीर जिम
संपत्ति टालिगाही गांव में स्थित है जिस 2664 वर्ग मीटर
सम्पत्ति ना पेडयूत उस प्रतार है पूर्व में टालिगाए गांव पंचायत
का लोकल िमिटस, पश्चिम में श्राक्ति वीगस का संपत्ति श्रीर
सार्वजनिक रोड, उत्तर में नासगी संपत्ति श्रीर दक्षिण में श्रा रे-

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 1-12-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, बंगलूर
बंगलुर, दिनांक दिसम्बर 1986

निदेश सं० डी० ग्रार० 1768/8687 यत: मुझे, ग्रार० भारद्वा ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० चलता स० 54 है, तथा जो ग्राह्मटियो मनुको गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिम्ट्री एरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 2-6-1986, बेंगलूर ।

को पूर्वोंक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तर्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें ्दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

थतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण त, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) 1. लुइस रफेल झगस्टिमो खि० स०
2 णिसिला प्रानित्म जोस खि० स०
3 श्रानटोनियो बालफागो डि० स० झलियास ंश्रान्तोनि डी० स० 4 श्रीमती हेलेनडी० स०
प्लाट स० 602, प्रहलाद, 17, लिकिंग रोड मंता ऋन, बम्बई-54 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स म्रालकन् रियल एस्टेटस (प्रा०) लिमिटेड बेलहो बिल्डिंड ग पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जीरी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्च्ला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावे सं० 1316/86-87 , दिनांक 2-6-86) सब संपत्ति जिसका ना टेमेरिकी सोखो ग्रौर एक बिल्डिंग है किस संपत्ति सिविला न्यायालय का पास, ग्रालटिनी में मपुका टन म्युनिसपल लिसिटस, बारदेज, तालूक गोवा में है, जिस संपत्ति का घर नोकविम लूइस डि सैजा ग्रौर मारियां नडकीना प्राणा नसका डिसेल। इस एकवर रिजस्ट्रीकरण किया है रिज ट्री रण का म्याटरिज प्रीडियल न० 1066, चलता सबें सं० 54 पी० टी० शीट स० 124 का संमक्ति का एरियां 1069 वर्ण मीटर है जिसका णड्यूल ग्रग्नीमेट का दिनांक 29-3-86 में पूरा सुयन किया है ।

न्नार० **भारदा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

विनांक . 8-12-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आग्रुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनां 7 9 जनवरी 1987

निदेश सं० श्रार० 2212/86-87--ए० सी० क्यू०/ श्री-यत: मुझे, श्रार भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2 (पुराना सं० 9) है, तथा जो चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेगलूर में स्थित है या ग्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन , दिनांक 2-6-1986, बंगलूर-1

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/ग्रा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात ;—— 6—486GI/86

(1) श्री के० जी० फेलिक्स, पावर श्राफ ग्रटार्नी होल्डर मेसर्स प्रेस्टीज कर्माणयल काम्पलेक्स, सं० 2, (पुराना मं० 9), चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560 001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रर्जुन एम० मेंडा,
केयर श्राफ/मेसर्म के० राहे।जा डेपलपमेंट कारपोरेशन

III, पलोर, सेंटिनेरी बिल्डिंग;
सं० 28, एम० जी० रोड, बेगलूर-560001
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हुं।

उधन सम्पत्ति के उर्जन हे संबंध में कोई भीआक्षेप :---

- (b) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों प्रद स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1722/86-87 दिनांक 2-6-1986) मं० 2 (पुराना मं० 9), चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेणन, बेंगलूर सख्यक भूमि में श्रविभाति हित के 84 × का वह भूमि श्रंण व भाग जिसका नापतोल है 150 × फीट 86 फीट श्रौर जिसमें संपूर्ण भवन मिला हुआ है सिवा नीचे तल्ले के स्वामित्व श्रौर उपयोग के श्रवीत पहले, दूसरे, तीसरे व चेंथे तल्लों का संपूर्ण निर्मित क्षेत्रफल हर तल्वा 9620 वर्ग फुट) तथा पांचवें तल्ले का निर्मित क्षेत्रफल 2874 वर्ग फुट तथा संपूर्ण तहखान क्षेत्रफन जो पूरव में सं० 1 चर्च स्ट्रीट से, पिचम में सं० 3 चर्च स्ट्रीट से, उर में चन्न स्ट्रीट से तथा दिशाण में रेस्ट हाउस रोड में स्थित एक मकान से बंधित है।

भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) श्रर्जन रेंग, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

# प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आव्**य**त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

अंगलूर विनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० भ्रार० 2218/86-87—यतः मुझे श्रार० भारक्षाज

नायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परधात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 (पहले सं० 15) है तथा जो पामग्रव रोड श्रास्टिन टाउन, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन बंगलूर दिनांक 2-6-1986 को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी त्रायकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दंगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

गतः अस जन्म विधिनियमं की धारा 369-ग के अनुसरण में, मैं, जन्म अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) (1) श्रीमत्ती पी० शारदा देवी समत्नी स्व० श्री के० नवनीता मं० 47 रंगस्वामी मन्दिर स्ट्रीट बंगलूर-560 023 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स स्काइलाइन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड यृनिट-।। महली तल्ला सेंट प्रेट्रिक्स बिसनेस का काम्पलेक्स म्यूजियम रोड बेंगलूर-560 025 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

## अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1768/87 दिनांक 2-6-1986)
भूमि का वह सभी भाग व अंगै उस पर खड़े निर्माणोंसिहित जो "दि पाम" के नाम से परिचित है और श्रव म्यूनिसपल
सं० 15 (पहले 2) प्रामग्रव रोड श्रास्टिन टाउन
बंगलूर-560 047 क पतेवाला है करीब 33700 वर्ग फीट
नापनेवाला जिसकी सीमाएं हैं :--

उत्तर में : खामगी संमत्ति दक्षिण में : खासगी संपत्ति

पूरव में जासगी संपत्ति और मेइन पासग्रूद

रोड और

पश्चिम में : खासगी संपत्ति

भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर दिनाक 15 जनवरी 1987

निदेश स० सी० श्रार० 62/डी० श्रार० 1769/86--87/ ए० सी० क्यू०/बी---यत मुझे श्रा ० भाग्द्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- एत से आधिक है और जिसकी स० सर्वे स० 113 है तथा जो कावेल्लोसिम गाव साल्सेत गोम्रा में स्थित है (और इसमे उपाबद्व भ्रनसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अप्रीन बेगल्ए-1 दिनाक 2-6-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उप्तत अन्तरण लिखित मो अस्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्कत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए,

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

(1) 1. श्रीमती रोसिना राडिग्म सम्पत्त त्नी श्री ऐनटोनियो रेबेल्लो व कोस्टा 2. श्रीमती एस्टेल्ला राडिग्ज्स सपत्नी श्री कानसँसाओ डयास डयास 3 श्रीमती दाससिया ल्यूकाडिया डयास सपत्नी श्री कैंसिमि। भेडेंस कावेस्लोसिम गाव सास्सेत ताल्लूका गावा (ऋमांक 1 से 3)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मेम्सर्स दूरिण्ड ६।डना प्राइवेट लिब्टिड, रूम सं 0 14, बबई मिचुअल चेंबस, 19-21, अम्बालाल दोशी मार्ग बम्बई-400 023 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हा, के भीतर पूर्वोक्स विस्ता में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उत्तस अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज स॰ 1317/86-87 दिनाक 2-6-1986) कृषि भूमि केवे सभी भागव अश जिनमें नारियल केवृक्ष-समृह व साग-सब्जी बाग है और जो श्रब "नोनो लाको द प्राइस" केनाम से पि चित है और जो साल्सेत तालुक व उप-जिल्ला कावेल्लोसिम गाव में गोवा जिल्ला के कावेल्लोसिम ग्राम-पंचायत क्षेत्र की सीपाओ के श्रन्दर स्थित है और जो सालसेत के भृमि-पजीकरण कार्गालय में स० 2.51.76 के**ग्रन्दर तथा** भूमि-राजस्व-ग्रगिलेख के स० 935 के ग्रन्दर सर्वे सं० 113 के तहत वर्णित है। और जिनका विस्तार 30250 वर्ग मीटर या उसके ग्रामपाम है और दूसरा जो "लाको डास प्राइस" के नाम से पश्चित है औ*र* जो साल्सेत ताल्लुका व उप-जिल्ला भीर कार्येल्लो (म ग्राम में ही स्थित है भीर जो गोबा जिल्ला के कावेल्लो (म ग्राम-पचत्यत क्षेत्र का सोमाश्रों के ग्रंदर ही स्थित है ग्राप्त जो सालसेन + श्रीम पर्जाकरण कायीलय मे सं० 41856 के श्रन्वर तथा भूमि-र्रीजस्व -श्रभिलेखो मे स० 936 के भ्रन्दर सर्वे स० 113 के तहत वर्णित है और जिसका बिस्तार 6875 वर्ग मीटर या भ्राप पास का है और जो साथ सलग्न प्लैन मे अकित है और जो लाल रंग की सीमा-प्रक्रियों द्वारम दर्शाया गया है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ंगसूर

दिनाक : 15-1-1987 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश स० डी० भार० 1770/86-87 ए० सी० क्यू०/ बी--यत मुझे श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाटर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे म० 127/9 है तथा जो आल्टो बेटिम पेल्ला द फान्का ग्राम पत्रायत बाडोज ताल्लूक इल्हास जिल्ला गोवा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन बंगलुर मे दिनांक 17-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एव्यमान प्रतिफल से एसे एव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) कुमारी लियोनार रांगेल स्विरो पोबोरिम बार्डेज गोधा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जेनित मैंग्नेटिक्स प्राहवेट लिमिटेड सं० 106 मिट्टल चेंबर्म नारिमन पाइंट बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपिता को अर्जन को संबंध मो को हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति त्यारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

(दम्तावेज सं० 1323/86-87 दिनांक 17-6-1986) गोवां जिल्ला इल्हास उप-जिल्ला बोर्डेज ताल्लका पेह्ना दि फास के पंचायत मे म्राल्टो वेटिम में स्थित सर्वे सं० 127/ 9 की संपत्ति का वह सारा भाग व अंश तथा भूमि का क्षेत्रफल 2000 वर्ग मीटर नापने वाला है और दिनांक 29-1-1985 के करार के साथ सलग्न श्रनसूची मे श्रधिक विस्तार से विणित है ।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनाक : 9-1-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० डी० श्रार० 1771/86-87--यतः मुझे श्रार० भारदाजः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं वाम 'मालबटा' है तथा जो भारगोवा सालसीट गोवा में स्थित है (और इससे उपावव प्रनुसूची में औ पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के प्रधीन बेगलू र दिनांक 25-6-86 ।
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंग्रिरितयों) के बीच के एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्ल बै० डि० साढेकर और भ्रद<sup>7</sup>स न्यू मारकेट, मारगोवा, गोवा । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स कुरतारकर रियल एस्टेट्स सं० 322-ए मालभट मारगोवा, गोवा ।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्धांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अक्षेहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1332/86-87 दिनांक 25-6-86) मब संमत्ति का नाम 'मालियाबटा' था 'मालबटा' मारगोवा मालसीट गोवा में स्थित है जिस संपतसालसीट त्यांड रस्जिट्रेशन कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण किया था सं० 17400 में जिस संपत्ति का पूरा विवरण ग्रग्नीमेंट डीड ता० 12-5-1986 में दिया है ।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21-1-87

# वक्ष बार्ड . दी तर एस . ......

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम बारा 260-ए (1) के संधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनाक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० स्रार० 2219/86-87-ए सो न्यू०/बी०--यत: मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कावकर विधितियम, 19 के कि शिक्ष कि कि कि कि कि कि कि कि वारा 269-ब के लि सिक्ष कि विधित्यम कि सहा गया है), की बारा 269-ब के लि सिक्ष कि विधित्यम कि सहा गया है), की बारा 269-ब के लि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृत्य 1,00,000/- रु. से कि बिक हैं श्रीर जिसकी संव 14 है, तथा जो एमव जोव रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रातुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) वे श्रीम बेंगलूर, दिनांक 2-6-1986,

को प्रवेक्त सम्मत्ति के उक्ति बाकार भूत्य से कम के सम्बद्धार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे कह विश्वास करने का अन्तर है कि स्थान कल सम्बद्धार का कि का अन्तर है कि स्थान कल सम्बद्धार का कि का प्रवेक्त से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहद्धं किसी लाय की बाबल, ज्या अधिनियम इ अधीन कर दोने के अन्तरक बं दायित्व में कमी वरने या असस उचने में सविधा के लिए: और/शा
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या करण आरितके को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1992 शामित्रके का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1992 शामित्रक के अधिनियम के अधिन के अधिनियम के अधिन के अ

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ द अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की ज्यानरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) 1. टी॰ एन॰ :कृष्णा रेड्डी
  - 2 टी जन अग्राननः रेड्डी पावर ग्राफ ग्रटार्नी होल्डर श्री,टी ०
  - 3. टी॰ एन॰ रामकृष्ण एन॰ कृष्णा रेड्डी से प्रतिनिधित रेड्डी
  - 4. श्रीमती टी० एन० श्री तत
  - 5. टी॰ एन० विजयानारायण रेड्डी सं० XVI-613, एन० जी० रोड, मदनमल्ली, चित्तूर जिल्ला, ग्रांध्र प्रदेश (क्रमांक 1 से 5)
  - 6. पो० चंगा रेड्डी
  - 7. पी वरदा रेड्डी
  - 8. श्रीमती पी० राजेश्तरम्मा पात्रर प्राफ स्रटार्नी
  - 9. श्रीमती को ज्ञाती हो त्वर श्री पी० **चेंगा** रेड्डी रेड्डी में प्रतिनिधित
  - 10. पी० प्रद्युम्न रेड्डी, सं० 4, चोशा स्ट्रीट, रटलांड गेट, नुगम्बाकम, मद्रास-6 (ऋग सं० ७ से 10)

(म्रन्तरक)

(2) में मं नवीत होटेल लिभिटेड , स० 4, प्रशोकनगर रोड, हबली ।

(ग्रन्तरिती)

कर यह गुरूत अवर्ष अपन पृत्रीकर सादास का वर्षन की निस्

नका मणंत्र हे इर्जन के बारूरा वा कोर्र भी अर्थिय :--

- (क) इस रूचाा कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
  45 विन की कविष या सत्सम्बन्धी स्पिक्तयों के सुद्धा की तारीक में 30 दिन की अवधि, खो भी बर्बा भार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर खाक्रियों में संस्थित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग निनित में किए कि एक सकते।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनसची

(दस्तावेज सं० 1769/86-87 दिनांक 2-6-1986) सं० 14, एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित विक्त भूमि का वह सारा भाग व ग्रंश जो 12215 वर्ग फीट मापता है ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 9-1-1987

प्ररूप आर्द्दः टी. एनं . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुवत (निरीक्षण) श्रामित रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 19 जनवरी 1987

निदेश सं० डी० श्रार० 1774/86—87—यत , मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गुला 1,00,000/- रु सं अधिक है

श्रौर जिसकी स० 276 तथा 277 है, तथा जा पणजी, इलहान, गोधा में स्थित है (श्रौर इ स उपाबद्ध ग्रन्यूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 4-7-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अतरका) और उन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन धास्तिक रूप से किथत नहीं शिक्या गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) पा उक्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजरार्ध अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारी में सुविष्ण के निए;

जतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाठ :—

(1) में 'सं सां टबर्स हा० डामिगोस रोक डि सौजा रोड ग्रापोसिट म्युनिस्पिल गार्डन पणजी, गोवा ,

(श्रन्तरक)

(2) श्री एन्जेलो डि मौजा िएएए० लक्ष्मी एच० एम० जी० एम० श्रो०सी० कोबा मारगाव, गोता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारिया करता हो।

उक्त सम्मित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामित से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद असमान तोना हों, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया हाँ।

## अमुसूची

(दस्तावेज सं० 1343 दिनांक /86-87 दिनांक 4-7-86)
सब संपत्ति, 'कारा डा० डामिगोस एक डी० सेंसा का
ग्राउंड भ्रन्तप्त में, 24-82 वर्ग मीटर एरिया का रोक दुकान सं०
जि 5, बिल्डिंग भीर 35 वर्ग मीटर बेसमेट एरिया, जिस
संपत्ति पणजी, इलहात, गोवा (जिल्ला मे स्थित है जिस संपत्ति
का पूरा विवरण, भ्रग्नीमेट ना० 18-4-86 का गेड्यूल
मे दिया है ।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेज, बंगलुर

दिनांक : 19-1-1987

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० श्रार 62/50133/86-87—यतः मुझे, श्रार० भारताज,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें -इसके पक्षात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिल्की सं० शर्वे सं० 49/1 तथा 49-3 है, तथा जो गर्वे याबिपाल्या, बंगूरही जिल बेंगलूर दक्षिण तालूक में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 4-6-86।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के द्वागित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्न म ग्रिवधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :---

- (1) श्रीमती रामरत्नम्मा, पत्नि राजगोपाल, नं० 355, V मैन , III ब्लाक , III स्टेज, बासवेस्वरनगर, बेगलूर 560079 । (श्रन्तरक)
- (2) श्री कं॰ एस॰ महमद शब्बीर पुत्र सैयद मोहिदन लाहेब, "सैयद मन्जिल", पी॰ ग्रो॰ कुकुन्दूर, कार्कला (एस॰ के॰)

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स मर्ग्याम के अर्जन के लिए जायेकाहियां करता हूं।

उदत संपत्ति को अर्जन को स-बन्ध या कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषिद है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याभ में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1566, दिनांक 4-6-1986) भूमि सर्वे सं० 49/1 श्रीर 49/3, गर्वेशाविपाल्या, हीन्गमन्द्रा दाखाले, बेंगूर होब्लि, बेंगलूर दक्षिण तालूक ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दि**नांक** : 20-1-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# भावांसय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगसूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० मार० 62/50186/86-87--यतः मुझे, भार० भारताज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयंसे अधिक है

अभौर जिसकी सं० 8 (पु. स० 3/5 तथा जो मिल्लर्सटैंक बण्ड कविरप्पा ले आजद पिदिल स्टेशन, बेंगलूर है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नगर मे दिनांक 13-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मृक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अपनी करने या उत्तरसे बचने में स्विधा की लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधि-1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्कत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---7 -486G1/86

(1) श्रीमती नेलुफरजेब , सं० 1, क्लीवलैंड रोड, बेंगसूर-560005

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमी जयन्ति श्याम स्रौर श्रदर्स, सं० 18, कस्तूरबाई रोड, बेगलूर-560001

(श्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति न्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर समात्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अश्रोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्प**व्यक्तिरणः -- व्**रसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उत्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में विका गया है।

#### **ब**न्स्पी

(दस्तावेज सं० 1204/86-87, दिनाक 13-8-86 जिसकी सं० 8 (पुराना स० 3/5) मिल्लर्स टैंक अप्ड रोड, कविरप्पाले श्राउट, सिविल स्टेशन, बेगलर– 560052, कारपोरेशन डिवीजन स० 59 में स्थित है।

> श्रार० भारक्षाज प्राधिकारी म**धाम** भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), सहायक म्रर्जन रेज, बंगलर

विनांक 21-1-1987

मोहर 🤌

प्ररूप बाईं.दी.एन.एस.-----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

#### भारत सरकार

शायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर बंगलूर विनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० भार० 62/50195/86-87--यतः मझे भार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43/2 है तथा जो सुब्बराम-िषज रोड बसवन-गिंड बेंगलूर 560004 में स्थित है (और इससे उपाधद्ध धनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 7-8-86

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए नाम पामा गया वितक्त, निम्निसित उद्यक्त के उक्त बन्तरण विवित्त शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहृदं किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के मंद्ररक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (■) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, अक्त बीभनियम, की धारा 269-क के बन्तरब में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--

- (1) श्री वै० रामचन्द्र नाइड् सं० 109/2 ।। मैंन रोड टाटासिल्क फार्म बेंगलूर-560004 (ग्रन्तरक)
- (2) 1. भ्रार० ए० एन० सजीवमूर्ति े 2. श्रार० ए० हेरीश सं० 10 सन्निधि रोड बसवनमूडि बेंगलूर-560004। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ' गया हैं।

## अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1305 दिनांक 7-8-86) जो सम्पत्ति है जिसका सं० 43/2 सुब्बरामचेट्टि रोड बसवनगडि बेंगलूर-560004 में स्थित है ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलुर

दिनांक 21-1-87 मोहर

# भ**ण्य बार्य**्य की<sub>ल</sub> स्वर्ा एक <sub>विकास</sub>न

मानकर मधिनियम, 1961 (1961 सम् 43) स्त्री धारा 269-म (1) में सभीन स्वयन

#### भारत संस्कार

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (विर्योक्तन) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निवेश सं० सी० श्रार० 62/50176/86-87--यत: मझे श्रार० भारद्वाज

जायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्वावस कम्मित, जिसका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/2 (टी-115) है तथा जो जिगलरपेरि-यमगिल सवीरपद्रप्पा रोड कास बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाब ब अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 6) के श्रधीन विनांक 29-8-86 गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूक्य से कम के सरकाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ताई प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-र्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय जायकर जीधनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियन, या धनकिर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नेष्टीं किया गया था वा किया भागा जाविष्य था, किनाने में सुविष्धा के लिए;

नतः कव, जकत अभिनिषम कौ भारा 269-व को, अनुवर्ध अ, में, जकत अधिनिषम को भारा 269-व को जक्भारा (1) के अधीन, निम्नसिवित अधितत्त्रों, अर्थात् ह—

- (1) श्रीमती सैंडनिब 10/2 I फ्लोर तिगलरपेरियभ्रमिल्ल सरवार पत्नप्प रोड श्रास बेंगलूर-560002 (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स श्री एण्टरप्राइजेस रिप० बाई मैनेजिय पार्टनर एस० ए० वासुदेवमूर्ति रजिस्टर्ड ग्राफीस सं० 4/सी ग्रार० पश्लिक क्रोस रोड बसवनगडि बेंगलूर-560004

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## इन्द्र सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई थी आक्षेप :----

- (क) इस श्रुपना के राष्प्रप्त में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवधि, वो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्वकाकरणः ----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदी का, को उक्त जिथितियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्थ होना को उन्त अभ्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

(बस्तावेज सं० 1408 दिनांक 29-8-86)

जो सम्पत्ति है जिसका सं० 2 (पुराना सं० 10) (टी-115) तिगलर पेरियश्नमल्लि सर्वारपत्ररप्पा रोड कास बेंगलूर-560002 में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सक्षायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज बंगसूर

दिनांक: 21-1-87

मोहर ।

# प्रकृष वार्ष . हो . हम . हसू . -------

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मभीन सूचना

#### भारत चरकार

# कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० श्रार 62/50126/86-87--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे सं० 13 है तथा जो मूहर गांव कुन्दापुर तालूका दक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्च में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6-6-1986 शंकरनारायण (एस० के)

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की पहुँ हैं और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्लार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या-
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सृतिधा से किया

अतः अब, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित अधितायों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स श्री मूकाम्बिका ग्रग्निकल्चरल एस्टेट्स और फारेस्ट इण्डस्ट्रिस प्राइवेट लिमिड मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री एन० एम० महमद हागी पुत्र स्व० श्री कीया कुट्टि हाजी बालमट्टा मेंगलूर (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स डायमण्ड ब्यिल एण्टरप्राइजेस रिजस्टर्ङ श्राफिस एट रामपुरम हौस नगीरी मैंगलूर पार्टेनर श्री ए० बी० ई० टी० रामापुरम पुत्र श्री थामस ई० रमापुरम, रमापुरम-हाउस हिल गार्डन नागौरी कल्कनर्ड मेंगलूर-575002

(भ्रन्तरिती)

# को वह श्वना शारी करने पूर्वोक्य सम्मन्ति से वर्डन के ब्रिप्ट कार्यनाहियां करता हूं।

# उपत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहिस में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया पदा है।

## अनुसूची

( बस्ठावेज सं० 89/86-87 ता० 6-6-86)

भ्रवल सम्पत्ति, जिसमें कार्डमम पेड़ हैं और मूडूर गांव कुन्दूपुर सलुक दक्षिण कन्नड़ जिले में है और जिसके निम्न-लिखित सरवे सं० और क्षेत्र है :---

·	`	
सी० सं०	किस्म	क्षेत्र
63	पंजा	261 एकड़
(उत्तर-पश्चिम हिस्सा)	(कार्डमम)	
	<u> </u>	·

विक्षण—सी० सं० 63 पश्चिम—सी० सं० 62 उत्तर—-गृनडीना होस पूर्व—सी० नं० 63

> श्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक२ श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगसूर

विनोक : 20-1-87

# प्रकम कार्यः । दी : प्रमः प्रमः । प्रमः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० डी० ग्रार० 1766/86-87--ए० सी० क्यू० बी--यतः मुझे श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहाँ करनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिकः है

और जिसकी सं० चलत 251 शीट सं० 237 कोंबा मार्गावा गोबा में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908

का 16) के भ्रधीन दिनांक 2-6-1986 बेंगलुर---1 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमनान प्रतिकल से, एसे ध्यमन प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेदय से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उन्नत अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्सर्ध बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (इ) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नालिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स जी० नायक एण्ड एसीसिएदस . बिल्डर्स एण्ड एस्टेट डेवेलपर्स उनके पार्टनर्स से प्रति-
  - 1. श्री वेंकटेश वासुदेव नायक और
  - 2. श्रीमती दुर्गाबाई वासूदेव नायक
  - सं० 393 कोंबा मार्गावा ंगोबा -- 403 601 ।

(घन्तरक)

(2) मेसर्स रूबी बिल्डर्स श्राफ पांचवां तल्ला नितारी भवन पणजी गोवा-403001

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र भे प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या सत्संयधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति पृवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासक गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त राज्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

(दस्तावेज सं० 1314/86-87 दिनांक 2-6-1986) जो भूमि बेचने के लिए रजामन्दी हो यह वह नीचे वर्णित संपत्ति का दक्षिणी भागांश है और लागू कानून के मताबिक पिछले मालिकों द्वारा नियमित रूप से श्रलग किया गया है। पिछली संपूर्ण संपत्ति का वर्णन निम्नसूचित प्रकार है :---

संपत्ति ''बोगाकांचो डांडो'' श्रथवा ''कोम्बा'' नाम से परिचित है (सोलहुशीं लोट के उत्तरी बाजू का श्राधा) जिमेंस नारियल तथा धन्य पक्षदायक फलदायक वृक्ष हैं जो कोम्बा मार्गीबा गोवा में मार्गीवा में म्यूनिसपल कोसिल क्षेत्र ताल्लुका व उप-डिविजन साल्सेत गोवा जिल्ला मे स्थित है तथा भूमि रजिस्ट्रेशन कार्यालय मार्गीवा में साल्सेत के कामरोघ्रा में बुक बी० 85 के पन्ने 95 में सं० 33118 के अन्तर्गत वर्णित है। नयी सीरीज पूरव मे रोड से पश्चिम में मिगियएल एन्टोनियों लोबो के वारिसदारो की संपत्ति से उत्तर में जसेखिम फनीडीस की संपत्ति से तथा दक्षिण में उक्त लोबों की संपति तथा उसी पद संज्ञा की संपत्ति से (सोलहवें लोट सेके दक्षिणी बाजू का ग्राधा) बंधी हुई है जो जेंबू भ्रात्मारामा पोय पालोंदिसी के सं० 24689 नियी सीरिज के ग्रन्तर्गत वर्णित है। उक्स संपत्ति पुरानी सीरिज के सं० [8011 के ब्राधीन वर्णित संपत्ति के उत्तरी बाजुका ब्रार्ध भाग है।

> श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

विमांक : 9-1-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निवेश सं० 1725/86-87 ए० सी० क्यू०/बी०-यतः, मुझे स्नार० भारद्वाज,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 101/1 व 101/2 है तथा जो मोबोर, कावे-लोस्सिम गांव साल्सेत ताल्लूका, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धाँणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-6-1986,

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के विषय वाचार वृत्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का शन्तह प्रतिवास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तर्भरती (अन्तरितियों) के वीच एसे जन्तरण के विष्यु तथ पाया गया प्रतिफल, न्मिनलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में किसी करने या उससे बचने में सुविधा % सिए; कार्रिया
- (६) एसी किसी बाव वा किसी यन या बन्ध वास्थिकों को जिन्हों भारतीय बावकर वीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम, वा भनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) को
  प्रयोजनार्थ मन्धिरती कुलरा प्रकट नहीं किया गया
  वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा
  के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री ग्रकासियों कमारा, सुपुत्र श्री रोजरियो फांसिस ग्रिमरांटे कमारा ।
  - 2. श्रीमती डेलिया गेर्सो रेबेलो कमारा सुपुती श्री फांसिस्को जेवियर गेर्सो रेबेल्लो बोर्डो, मार्गोवा, सास्सेत, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भवेरिना इण्टरनेशनल रिसाटर्स प्राइवेट लिमिटेज, रजिस्टर्ड कार्यालय सं० 194, वेरोडा-कनकोलिम, साल्सेत, गोवा में स्थित है। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीज रं 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व जो भी अविश्व माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) इस स्वना बंदाजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध रिक्सी अन्य स्थक्ति दवारा अश्वाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 119/86-87 दिनांक 10-6-1986)
गोवा जिल्ला, साल्सेत ताल्लूक व उप-जिल्ला, कावेलोस्सिम गांव पंचायत की सीमाश्रों के अन्वर मोबोरे में स्थित
बहु मारी कृषि संपत्ति जो "मेटिमो लोट द प्राइयास" श्रालय
"मिलाग्रोा सांता कुज" के नाम मे परिचित है श्रीर जो साल्सेत
के भूमि पंजीकरण कार्यालय में नयी बी-6 पुस्तक के 46 के पन्ने
में सं० 2086 के अन्तर्गत विणत है श्रीर ल्सेत के ताल्लूका
रेवेन्यू कार्यालय में मेट्रिज सं० 1787 के अन्दर प्रविष्ट हैको
साल्सेत के कालोस्सिम गांव के सर्वे सं० 101/1 व 101/2
संख्यक है ग्रीर जिसका सीमाएं निम्नसूचित है:—

पूरव में : साल नदी व मावलो डियास के प्रफोरमेंटों से पश्चिम में : श्ररकी समुद्र के जला से।

उत्तर में : सार्वजनिक मार्ग श्रौर डियागो फ्रांसिस्को गोम्स के छठे लोट श्रौर

दक्षिण में : जोखिम रोक कोरेड्या भ्रफान्सों के भाठवें लोट से ।

उन्त संमत्ति करीब 142055 (एक सौ ब्यालीस हजार भीर प्रथम) वर्ग मीटर नापती है भीर साथ संखग्न प्लेन में स्वित है तथा करीब 92000 (बानवे हजार) वर्ग मीटर नापती है जो भ्रक्षर ए-1, ए-2, भ्रौर सी के भ्रन्दर साथ संलग्न प्लेन में लाल सीमा से रेखांकित तथा क्रमणः हरे व पीले रंगों में रंगा हुआ है। उन्त, संमत्ति जो एतद्वारा श्रभिहस्तातरित है निम्म स्थित प्रकार सीमित है :—

उत्तर में : सर्वे सं ं 103/क् 1, 103/6, 102/7 कासी संपत्ति से दक्षिण में; बेचने वालों की जो संपत्ति श्रनुसूची-1 में दिखायी गई है उस उक्त संपत्ति के बाकी श्रंण में पूरब में: 1 साल नदी से श्रौर पश्चिम में: श्ररबी समुद्ध से

> श्रार० भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 9-1-1987

मोहर:

प्ररूप आइ<sup>६</sup>.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/35---श्रतः मुझे, श्री श्रशोक कक्कड़,

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की बाद्य 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-1001 पौर 1002 ए-10 खण्ड 22, बी० के० रोड, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज-3 दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के प्रधीन विनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूके यह निक्शास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का सम्बह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरम से लिए तब पावा क्या प्रतिक्का का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से क्यिक बड़ी क्या गया है अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) प्रोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया

भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

> (1) मेर्स्स सकीपर सैल्स प्रा० लि० 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> > (भ्रन्तरक)

(2) मिसेस वीरा कुमारी, मिस निलनी खन्ना और मिस वीरधानो खन्ना । 8-सैक्टर 9, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध यो कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए अद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्तों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट सं० ए० 1001 और 1002 ए-10वां खण्ड 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । क्षेत्र 1100 वर्ग फीट ।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

# प्रकार बार्ड है होंग स्थान स्थान करना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (न) के अधीन सूचना

#### **1120 33-8**

# कार्योत्तव, सहायक भायकर भागुक्त (निर्देशिंग)

ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवाद 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० रेटिड फ्लैट नं० 4/12, खण्ड, नई दिल्ली हाउम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) नेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक जून 1986.

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमन वितमस के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके अध्यमन प्रतिपत्न से, एसे अध्यमन प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

आत: अव, अवत अधिनियम की धारा 269-न को अनुतरक मूँ, में उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निकासिकत व्यक्तियों, अधित :--- (1) मेसर्स तेज प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती संदीप कोर मिसे । इदरजीत कोर सी-138, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके- वृचोंक्त सम्बद्धित के वर्षण के क्षिष्ट कार्यवाहियां सुरू करता हुं:

# उन्त सम्पृति के व्यंत् से संबंध में कोई भी साक्षेप ह--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सर्वेंगे।

## अनुसूची

किराए का प्लैट सं० 4/12 खण्ड लिस्ड राइट्स बिल्डिंग नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली । क्षेत्र 1004 वर्ग फीट ।

ग्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनाक : 12-2-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रें ज-3, नई दिस्सी

नई दिल्ली, विनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० भाई० ए सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/ **श्रतः मृझे, श्री श्रशोक कक्का**ड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्य्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर िसकी गं० तीसर खण्ड स्पेश सं० 313, श्रक्णाचन 19, बाराखम्बा रोड, में स्थित है (ग्रोर इससे उपावक अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्टी कती श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्राय ६र भाय क्त (निरीक्षण) रेंज-3, नई दिहलीमे भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनांक जुन

को पर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से एसे इत्यमान प्रतकल का पंद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उक्क देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्सरण से हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 11957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सदिधा को लिए:

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---8-486GI/86

(1) मेसर्स ठूपर भागंव श्रोवराय श्रपार्टमेंट, <del>17</del>-21, **मिविल** ल्(ाइन्स्, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम् तलाल सरना पत्नी प्रोमिका सरना श्री धर्मिन्दर सरना श्री धीर सरना मास्टर माफिस सरना बी-4/39, सफदरजंग एंक्लेच, नई दिल्ली 1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स संपित्त को अर्जन को लिए कार्यदा**हियां करता है।** 

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध मों कोई भी आक्षोक :---

- (क) इस त्यना के राजपन्न में प्रकाशन की शारी बासे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं बितः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववास:
- (स्व) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जो सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

तीसरा खण्ड, स्पेस सं० 313, धरणाचल, 19, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । 500 वर्ग फीट ।

> श्रशोक सक्कष्ट सभम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज~3 दिस्सी, नई **दिस्**सी

दिनांक : 12-2-87

मांहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परजात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० क्लाक एम० प्लाट मं० 1 कनाट सर्कस नई दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पुर्ण रूप से विणित है), रजिरट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, में भरतीय श्रयकर श्रधिनियम 1961 के भधीन दिनांक जून 86,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पल्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में मृतिथा के खिए;

अत: अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) दा प्रिटर्स हाउस प्राइवेट लिमिटेड, 10, सिधिया हाउस, नई दिस्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) इंडोग्राफिक श्रार्ट मशीनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, एम-1 कनाट सर्कस नई दिल्ली--1

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षप .---

- (क) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस सं 45 [वन की व्यक्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों मृचना पर की तामीत से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ह्वाराः
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# अनुसुची

ब्लाक एम प्लाट नं० 1 कनाट सर्कंस नई दिल्ली-1 तदादि 4138 वर्ग फुट ।

> श्रणोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन र्ेंरेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 12-2-1987

प्रस्प भाइ. टी. एन., एस. -----

# आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त निरीक्षण)

नई दिल्ली, विनाक 12 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एनपू०/3/एस० ग्रार०-3/ 6-86/10-ए----ग्रतः मुझे, श्री ग्रशोक कक्कड़,

भ्रजन रेज-3, नई दिल्ली

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

मौर जिसकी सं० है तथा जो भाग सं० 103, डी० एल० एफ० हाउस, ब्लाक एफ, कनाट प्लेस में स्थित श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रिक्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिक्ट्रीकरण श्रिधिनिमम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्स सम्मित् के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दारयमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताम) के बीच एसे अन्तरित्र के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के धायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स सुरेश चन्द जैन (एच० यू० एफ०) बी० 1/30ए, हीजखास एक्सेथ, नई विस्सी।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स बिद्र गुप्ता
 के-4/9, माङल ट्राउन,
 नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को भह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यशाहिया करता हूं।

- तन सम्पत्ति के वर्षन के श्रेवभ में कोई भी बाह्मेप :---
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी मनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी स्यक्ति हुआग;
  - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सच्यों गरि पथ्यों का, थां सम्य विभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भाग सं 10 ह, तादादी 416.86 वर्ग फीट प्रथम खण्ड फोट बिह्हिंग, डी० एल० एफ० हाउस, एक बलाक बनाटप्लेस नई दिस्ली ।

> ग्रगोक कन्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 12-2-87

अरूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-8, नई-विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 198 7

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्०/3/एस० श्रार०-3/6-86/10बी---श्रतः मृझे, श्री श्रशोक वक्वड,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रॉर विसकी सं है तथा जो भाग सं 104, एफ ब्लाक क्लाटप्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रॉर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची पूर्ण रूम से वर्णि है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वायिल्य, नई दिल्ली में भारतीय रित्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1986,

की पूर्व की संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ध

कतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) की अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् —

1

(1) श्रीमसी कुसुम जैन बी 1/30ए, हा खास एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री सुनीनः गुष्ता के-4/9, माडः टाउन , दिल्ली--9

(श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वक्ति ध्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यापतः;
- (स) इ.स- सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तगरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्णे।

स्पष्टोक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

भाग मं 104, तावादी 461.22 वर्ग क्रिकीट प्रथम खण्ड, फंट बिल्डिंग, डी० एत० एफ० हाउम, एफ ब्लाक, बनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

भगोक कनकड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज -6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/6-86/652श्रतः मुझे, श्री टी० के० साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मार जिसकी सं ० 4405/3 है तथा जो भाग-3 प्रण्डरनीथ 255 कर्ग गर्ज 5, दिर तग ज, नई दिल्ली में स्थित है (म्रार इसमें उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण क्य से विणित है) रिजस्ट्रीन ति प्रधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीन एण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक जून 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बोजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बोजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप सं किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस्से अचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ६न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा 'के लिए;

े अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेमर्स धन पाल सिंह जैन श्रीर संस (एष० यू० एफ०) हारा धनपल सिंह जैन स्पृत्न जगन लाल जैन 4455/60/7, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
  - (2) 1. श्री म्रनिल कुमार जैन 2. नवीन कुनार जैन सुपुत श्री प्रकाशचन्द जैन निवासी—4378/4/वरियागंज , नई विल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थध्टोफरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापर्टी बिरिंग म्यूनिसपल सं० 4405/भाग-3, लेंड श्रण्डरनीय तादादी 255 वर्ग गज 5, दरियागंज, नई दिल्ली --2

> टीं० कें० साह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6,दिल्ली नई दिल्ली-110002

विनांक : 12-2-87

# प्ररूप बार्ड. टी.. एन.. एस न -------

# भागकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुषता

## मार्व वरकार

# कार्यामय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश म० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-1/ 6—86/654/**ग्र**त: मुझे, श्री टी०के० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्पत्ति जिसका उचित बाजार भुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है श्रीर सिकी स० प्रापर्टी का भाग सं० 4221, गली श्रहिरन पहाडीधीरअ, दिल्ली--6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णिन हैं), रजिस्ट्री क्रति भ्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रधीन, दिनांक जून 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान सिए अन्तिरत की शर्द्र हैं म्ओ यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है **और अ**तरक (असरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिए नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण सं हुई किसी बाय की बायस, उपके अधिनिधम के अभीन कर बाने के सभरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, विन्हें भारतीय नावकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ मतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया को लिए;

कतः अर्थः उकतः अधिनियमं की धारा 269-व को, अनुसरण मों, मों, जकत अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुं :— (1) श्री सुरिन्दर कुमार, विजयेन्द्र कुमार मदन राश मोहन सुपुत्र गोपी चन्द निवासी—-4211, गली प्रहीरन पहाड़ीधीर, दिल्ली -6

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रल्का गुप्ता पत्नी सतीम चन्द्र गुप्ता निवासी—-4705, उमराव सिंह पहाडीधीरज, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोक्त सम्पात क अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के एकएन में प्रकासन की सारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- (थ) इस सूचना की राष्प्त में प्रकाशन की तारीथ से 45 विन को भीतर उसते स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी सम्ब स्पन्ति ब्वाय स्थाहस्ताक्षरी के वाद विवित में किए वा सकेंगे।

स्पाधीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्यों जीर पद्यों का, वा उक्क श्रीधनियन, के नध्याय 20-क में परिभावित गया है।

## धनुस्ची

प्रापर्टी का भाग सं० 4221 गली महीरन, पहाड़ीधीरज, दिल्ली—6

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-6 दिल्ली, नई दिल्ली --11000

दिनांक : 12-2-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 6, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनोक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/6/6--86/एस० श्रार०-1/655 श्रतः मुझे, श्री टी० के० साह,

नायक र जिथीनयम, 1961 ,1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अजिस बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी मं० नं० 4221 गली महीरान पहाड़ी भीरज दिल्ली— 6 है तथा जो प्रापर्टी का भाग में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, विनांक जून 1986

को पूर्वोत्तत सम्मिति के खिलत सामार बूल्य ते कम के क्यानान प्रतिफान के निए अंतरित की मई हैं और मुक्के वह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति को उपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) को बीच एंसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया बबा प्रतिकात निम्निविद्य सद्विषय से उन्न अंतरण निवित्त में पाननिविद्य क्या निश्वा की साम्निविक क्या से किथत नहीं किया नवा हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी टाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः ---

- (1) श्री सुरिन्दर कुमार, विजेन्दर कुमार, मदन मोहन राकेश मोहन सुपुत्र गोपी चन्द 4221, गली श्रहीरान पहाडी धीरज, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सतीश चन्द गुष्ना सुपुत्र म्याम लाल गुप्ता 4705, गली उमराव सिंह पहाड़ीधीरज, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यमाहिमां करता हुः ।

# उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्चना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण '----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष ह ना जो उस अध्याय में विवा गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी का भाग सं० 4221, गली श्रहिरन पहाडी धीरज दिल्ली—6

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-2-87

# मायकर मीधीनधम, 1961 (1961 का 43) की

रात क्षेत्र में के क्षेत्र मुख्या

#155 affer.

श्चार्यालय, सहायक अायकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० भ्रार०-1/ 6-86/665भ्रत मुझे, श्री टी० के० साह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्त पर्धात् 'डक्त अधिनियम' कहा राज हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्पाबर सम्मित्त कि विश्वा प्राप्त का आरण हैं कि स्पाबर सम्मित्त कि विश्वा प्राप्त का आरण हैं कि स्पाबर सम्मित्त कि विश्वा प्राप्त का आरण मुल्य 1,00,000/- रुं. से क्षेधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० ए-43, है तथा जो कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिस्ट्री ति म्रिधि गरी के गर्या ::, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनांक जून 1986,

को प्रोधन सम्पत्ति के उचित काबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गर् ₹, बर्भो विष्वास करने िन यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पनदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनिगरें) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उदद इय स उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बर्दिशत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे मृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाब या किसा धन वा अन्य अस्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत आर्क्सियम, ग्राप्त कर विभिन्न का 27) के प्रशासनकों अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िताने में स्वाय के सिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, जक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सुरिन्दर कुमार भाटिया ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० सतनाम सिह 45-ए/4, पजाबी बाग, दिल्ली ।

(अन्तरिती

को यह भूषना बारी कारके प्वाँक्त सपरित के बर्जन के जिय

उपत संपीति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर वक्तना की उपमी? में २० दिन को अवधि, जो भी खबिश जाद में स्काप्त होती हो, को भीनज मूबांकक व्यक्तियों में 1 ! समी व्यक्ति सुनारा,
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र भे प्रकाशनः की तारीकः ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के बाक्ष विकित में किए वा करेंगे।

स्थय्दीकरणः—इतमे प्रयुक्त बन्दी जीर प्दों का, जा उपकृ विधित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही जर्थ होगा, त्रो उस अध्याव में दिशा पका

# ग्रनुसूची

1/4 म्रविभाज्य शेयर तादाद्री 209.3 वर्ग मीटरस प्रापर्टी का भाग ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-2-87

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज 6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12, फरवरी 1987

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/6/6-86/एस० ग्राप०-1//666 श्रत. मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें . इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो 1/4 श्रविभाज्य शेयर तादाद्वी 209.3 घर्ग मीटरर्म प्रापर्टी सं० ए-43 कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित है श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुच्ची में पूर्व रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कामिल्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनांक जून, 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान किफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एोमी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिलित व्यक्तियों, अर्थात् :--9—486GI/86 (1) श्री सुरिन्दर कुमार भाटिया सुपुत्न स्व० सी० ए० भाटिया, ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली ।

(भ्रनरक)

(2) श्री सतोख मिह मुपुत्र मतनाम सिह 45-ए/4, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्बोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्बित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अम्सूची

1/4 श्रविभाज्य शेयर , नादादी 209.3 वर्ग मीटरम श्रापर्टी सं० ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर 🛭

# अस्य वार्षः टी. एन. एत. "-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को अधीन स्चना

#### नारत प्ररक्तर

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजंन रेज , नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/,6/6-86/एस० आर०-1/667--आत: मुझे, श्री टी० के० साह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले १समें इसके परचात् 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा सं स्थिक हैं

म्रीर जिसकी सं० णेयर 1/4 प्रापर्टी का भाग स०  $\pi-43$ , कीर्ति नगर दिल्ली में स्थित हैं भ्रीर इसमें उपाबद्ध म्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) म्रिधीन, दिनां क जून 1986,

को पृत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभात्र दिएकल के लिए बंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त तम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के क्लूड़ प्रतिष्ठत से विभिन्न है बाँद बन्तरक (बन्तरकारें) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित को बास्तविक रूप ते दृष्यित महा किया गया है:---

- (का) जनसंस्थ थे हुई किसी भाग की शामर , उसते अधिनियम को अधीन कर दोन अ अन्तर्क क दायित्व में केमी करने या उससे संसन के भूरणका को आहे; बार /का
- (स) एंसी किसी आय या किसी ६५ या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अथ, उक्त भौभिनियम कौ भारा 269-न को बनुतरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) क वर्धान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री सुदर्शनकुयार भाटिया सुपुत्न स्व०सी० एल० भाटिया ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) सरदार हरनाम सिंह सुपुत्र मतनाम सिंह 45-v/4, पंजाबी वाग, दिल्ली ।

= : =====

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवार.
- (च) इस सेचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितच्यूंथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथाहम्ताक्षरी के पास निस्तित में 14.0 का सकीगा

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त विश्वित्रम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होना को उस बध्याय में दिशा गया

# अनुसुबी

1/4 स्रविभाज्य भेयर स्रौर 1/4 स्रविभाज्य भूमि प्रापर्टी न० ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली ।

टी० के० माह मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेज 6 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 12~2~87

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आध्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रे**ज-**6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-6-86/668—-श्रत: मुझे, श्री टी० के० साह,

भायकार मंभित्यम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसवें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से मधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० 1/4 है तथा जो श्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी का भाग ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली 1 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रिविकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जून, 1986,

को पूर्णेक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कः) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीव कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
  - (क) ऐसी किसी अाय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातं:— (1) श्री सुदर्शन कुमार भाटिया सुपुत्र स्व० मी० एल० भाटिया , ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सरदार भ्रवतार सिह सुपुन्न श्री सतनाम सिह 45-v/4, पाजबी बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर श्रीर 1/4 अविभाज्य शेयर भूमि प्रापर्टी का भाग ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी (**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** किन रेज, दल्ली-110002

दिनांक : 1 2-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यासय, सञ्चयक नायकर नायकत (निरक्तिय) अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० श्राई० [ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-1/6-86/685--श्रतः मुझे, श्री टी० के० साह, अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,700,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 1/4 हिस्सा है तथा जो प्रापर्टी बियिंग सं० 37, डी० ए० एफ० एस्टेट, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रंनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्स तस्मीत के उचित वाजार जून्य से कव के व्यवसान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार सून्य, उसके वश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे वश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से कांभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्त-सिवित उद्योग्य से उक्त अंतरण निवित में शास्तविक कथ से कांभन नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री मुरिन्दर सिंह गम्भीर विलोचन सिंह गम्भीर 47/6, ईस्ट मटेल नगर, नई विल्ली ।

(भन्तरक)

(2) मेसमं डिम्पल श्रोबसियम लिमि० 10/60, श्रौद्योगिक क्षेत्र कीर्ति नगर, नई दिल्ली द्वारा विरेद्र कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्फन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसूची

1/4 मेयर प्रापर्टी का भाग (कंस्ट्रॉटिड) तादादी 4,070 वर्ग फीट वियरिंग सं० 37, (क्स्ट्रॉटिड प्लाठ) प्रापर्टी बियरिंग सं० डब्स्यू० जैंड-36, 2014 वर्ग गंज बाहर डी० एल० एफ० श्रौद्योगिक एस्टेट, नजफगढ़ रोड, एकुड कालोनी, नई दिल्ली।

> टी० के साह सक्षम प्राधिकारी स**हा**यकर भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रें<sup>ज</sup>, 6 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

दिनाक : 12-2-87

# प्ररूप बार्ड टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269 घ (1) के अधीन सूचना

## बाइट सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेच-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश स० भ्राई० ए० सी०/एक्य ०/6/एस० भ्रार०-1/ 6-86/७86--श्रत मुझे, शोटी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त वाधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० 1/4 है, तथा जा हिस्सा प्रापर्टी का कस्टूटिड प्लाट स० 37, डब्स्यू जैड + 36, टो० एलं० एफ० ग्राद्योगिक क्षेत्र, नजफगढ, दिल्ली में स्थित है (ग्रार इसम उमारुद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीन ती ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 15) के ग्रधीन, दिनाक जून 1986

को प्चिंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निल्ए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध का काबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कम्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया शांचा वाहिए था, स्थियाने में स्विधा महैं लिए;

कतः व्रव. उक्त अधिक्षिम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षेत्र किस्मीलिकित अधीकतमों, अर्थात क्षान (1) श्री प्रवतार सिंह गम्भीर सुपुत स्व० त्रिलोचन सिंह गम्भीर, 17/6, ईस्ट पटेल नग । नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स डिम्पल ग्रोबरसीज लिमि० 10/60, ग्रोद्योगिक क्षेत्र कीर्ति नगर, नई दिल्ली—15 द्वारा मनेजिग डायरेक्टर श्री विरेद्र कुमार सुपुत काशी राम ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की सबिध या तरांगी स्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 कि की सबीध . जा भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्र स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ॐ पास लिखित में किए जा स्कॉगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भे उक्त अधिनयस के अध्याय 20-क में परि तिषत है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रन्**सूची

1/4 करट्टिड भ्सि 4,070 वर्ग फीट वा भाग बियरिंग मः 37, वरट्टिड एनाट २० 37, प्रापर्टी बिरिंग स० डब्ल्यू० जेड-36,2014 वर्ग गज मे से बाहर स्थित डी० एल० एफ० ग्राद्योगिक एस्टेट, नजफगढ रोड, एप्रूब्ड वालोनी, नई दिल्ली। टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी,

स्वाम आविकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण) प्रजन रेज, 6 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनाम 12-2-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/6-86/687---अतः मुझे; श्री टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्त बाबार मुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो प्रापर्टी सं० डी-5/1, माडल टाउन, दिल्ली लेड ग्रण्डरनीथ तादादी 293.75 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित कावार कृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में एसे क्ष्यमान प्रतिफल में एसे क्ष्यमान प्रतिफल के प्रतिफलों) और अंतरिती (कन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पादा बचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण वे हुई किसी बार की बावक, करत कीय-विवय के बचीन कर दोने के बंतरक के दाविस्य में करी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; कर/बा
- (क) एन्स्री किसी आव या किसी भन वा क्ष्य वास्तियों की विन्हें भारतीय वायकर अधिनिवस, १९२२ (1922 की 11) वा उक्त अधिनिवस, या धन- कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ वंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था ना निवस वाना वाहिए था. किया में वृदिधा के निरं।

अत: बब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण मं, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधररा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री वेद प्रकाश सुपुन्न मोहना राम निवासी डी-5/1, माडल टाउन, दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री ग्रहण कुमार जैन सुपुत्र दामोदर दास जैन सी-5/20, माडल टउन, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्ट्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीस या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीस, जो भी सर्वीस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्शेक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए वा क्केंचे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वच्चों की ए पहाँ का, को उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा गवा है।

#### सत सची

प्रापर्टी सं० डी-5/1, माबल टाडन, दिल्ली । तादादी 293:75 वर्ग गज (245:613 वर्ग मीटर्स)

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

# क्षाम् आर्थ् । हो, एव . एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांनय, सहायक सायकार सायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज--6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेण र्सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० भ्रार०— 6—86/692——भ्रत मुझे, श्रीटी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/-रज्पये से अधिक है

स्रोर जिसकी स० प्रथम खण्ड स्रीर बरसाती 26/99, शक्ति नगर, दिल्ली माथ मे 50% स्रविभाज्य शेयर (भृमि) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक जून 1986

को पृजीकत संपरितः को उचित बाबार मृत्य से कम के स्वयंकार प्रतिशाल को लिए अन्तरित को गई हो और मुभ्ते यह विश्वास कारणे का कारण है कि यथाप्वींकर सम्परित का उचित्र बाजार मृत्य उसको स्वयंकात प्रतिशत को एसे उस्पान प्रतिक्त का पन्त्र प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बनःशितियों) के बीज एसे बन्तरण के यिए पब पाया प्रवा प्रतिश्वतः निरुत्तिविक्त उद्देश्य ने उक्त अन्तर्श कि विकत्त में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हो ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियो कां, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या इस्त अधिनियम गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट नहीं किया गास या किया जाना चाहिए था छिपाने मा स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थाप्त --- (1) मेसर्स राम प्यारी 26/99, शक्ति तगर, दिल्ली-110007

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर कुमार गृह्या, 26/10, मिक्त गगर, ' दिल्ली-110007

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

-जिक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में को**र्दभी आक्षेप :---**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी, त्यक्ति सुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयंकत शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

प्रथम खण्ड श्रीर बरमाती 26/99, शक्ति नगर, नई दिल्ली-7 साथ 50% श्रीविसाज्य शेयर (भूमि मे) ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सृहायक स्रायकर स्राय्वत (निरीक्षण) स्रर्जे रेजेस्टिं, वई दिल्लीस

दिनाक 12-2-87 मोहर प्रकप बार्ड दी एन एस : -----

बावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) स्टेकचीन मृचनः भारत सरकार

भाषांचय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेण स० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/6/एस० ग्रार०-1/6-86/693—ग्रन', मुझे, श्री टी० के० साह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी का यह विश्यास कारने का कारण हैं कि स्थानर सम्पित, जिसका उन्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 25 है तथा जो रोड सं० 13, पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधि यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान इतिफाल के लिए अतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का बारण है कि गंधाम्बाबन सम्पत्ति का नाजत बारण मरूया, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसं दश्यमान प्रतिफाल का पम्बद्ध प्रतिख्य से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती 'बंतरितियों) के बीच ऐसं अतरण के लिए तय पाना गंधा प्रतिक्षण निम्मितिखित उद्योग से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-रिक रूप से कथित नहीं किया गंधा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त मिनियम के अधीन कर बोने के बंतरक को बायित्व में कभी करने या असक्षे दचने में सुविभय के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी ६ न या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गांती देवी रहेजा स्वयं जनरल एटोरनी पुत्र गतीम चन्द्र रहेजा, ६-289, नारायना विहार, नर्ह विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री नरेण कुमार 2. राज कुमार गुपुत्र नांगेराम श्रग्रवाल 12/22, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को वह पूचना बारी करके पूर्वोक्त कमरित के नर्धन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच लें 45 दिन की अवधि या तत्मान्यन्धी अधिक्तयों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिल निद्ध किसी अन्य स्थिवत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थानिक रण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धां काए क्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गथा है।

# अनुसूची

मकान बना प्लाट मं० 25, रोड मं० 13, नादादी 561.21 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी भहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंत रज-6, दिल्ली, नई दिल्ती—110002

दिनाक 12-2-87 मोहर :

# बस्प , नार्च , दौ , स्व , एत , ----

# कार्यक र सरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक शायकर बायुक्त (शिरीकरू) धर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/6/एस० आर०-1 $^{/}$ 7-86/711---अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं है तथा जो 26/99, शक्ति नगर, नई दिल्ली में 50% प्रविभाज्य शेयर (भूमि) में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, जुलाई 1986 को पूर्वोक्त सर्गारत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्तिलिखत उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित वास्तीयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त - अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायत्वि में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में धक्त अधिनियम की धारा 269-म की अधिकारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---10—486GI/86 (1) मेसर्स रामप्यारी26/99, भक्ति नगर,तई दिल्ली ।

**ॗ**(श्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता 26/10, शक्ति नगर, नई-दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

उन्न प्रथमित के सर्वय के सम्बर्भ भी क्षात्री :---

- (क) इक सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीच सं
  45 वित्र की अवीध था तस्सन्मन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीच से 30 दिन की अनिध, को भी
  अविध कहा में समाप्त होती हो, हे भीतर पृथिकर
  व्यक्तिकी में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (न) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख़ ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर मण्यति में दिल-ब्युथ किसी क्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताकरी चैं पास निवित में किए वा सकोंगे।

क्ल्ब्डीब्बड्थ:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो स्वस्त विविद्यम, के अध्याय २०-क मां परिभाग्यत ही, कही वर्ष होना, को उस अध्याय में दिया वर्षा ही क

### नगत्त<del>्रपी</del>

धरातल खण्ड, प्रापर्टी सं० 26/99, शक्ति नगर, दिल्ली-7 50% प्रविभाग्य भूमि ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (तिरीक्षण) ग्रजन रेंज,6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर ;

प्ररूप आहर्. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987 निदेश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० घार०-1/6-86/252---धतः, मुझे, श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भक्नाग है तथा जो प्रापर्टी सं० 16/1003 प्लाट सं० 11 ब्लाक सं० 16 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्व प्रानुसूची में पूर्व रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 कः! 16) के प्रधीन दिनांक जुन 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्हरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाजा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/सा
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पूरन चन्द सौधी सुपुत्र स्वृ० हंस राज 16/11 डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरक)

(2) मेसर्स खानदान प्रोमर्ट्रीज प्रा० लि० द्वारा डायरेक्टर श्री सुभाष घन्द्र कथुरिया करोल बाग, नई दिल्ली पंजीकृत कार्यालय 404 पदम टावर गांजिन्दर प्लेस, नई दिल्ली ।

(श्रन्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को जर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अनुसूची

1/3 श्रविभाज्य शेयर इन प्रापर्टी नं० एम० पी० एल० सं० 16/10033 प्लाट सं० 11 ब्लाक 16 डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली। तादादी 338-वर्ग गज खमरा सं० 813/767

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नर्ह दिल्ली--110002

दिनांक : 12-2-87

# dad All, "Total Rd " Tonner and

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश स० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/६/एस० श्रार०-1/६-7 86/253--श्रत., मुंझे, श्री टी० के० साह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त आधिन्यम' कहा गया इ"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृष्य 1,30,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्रापर्टी बिर्यारग स्यूनिसिपल स० 9051—52 (न्यू) ताबादी 125 वर्ग गज पहाड़ गज नई दिल्ली बार्ड स० 15 गली न० 1 व 2 में स्थित है (और इससे उपाणक प्रमुद्धी में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूल्ब, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह शितवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अतरित्यो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्त्रिक रूप से करियत नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या े र्
- (वा) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, चिन्हां भारतीय जाय-कड़ जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री धर्मपाल गम्भीर सुपुत्र सेनदास गम्भीर मकान स० 15/9054 मुल्तानी खाढा पहाडमज नई विन्नी ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शार्दा बुबना पत्नी चन्द्र प्रकाश **बुबना** श्रीमती दीप मिलिका बुबना पत्नी प्रभात कुमार बुबना सदीप बुबना सुपृत्र स्वर्गीय श्री रामग्रवसार बुबना द्वारा सुप्रभात प्रा० लिमि० न्यू बग्लो रोष्ठ पटना-1

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहिमां शुरू करता हु, ।

### अक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिध बाव में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के संभ्याय 20-क में विश्विषय हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वश्याय में विश्व गया है।

### नन्स्ची

प्रापर्टी बियरिंग म्युनिमपल स० 9051-52 (न्यू) तादावी 125 वर्ग गज पहाड़गज नई दिल्ली । वार्ड स० 15 गली स० 1 और 2

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेज-6, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

विनाक 12-2-1987

प्ररूप आई. टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश मं० श्राई० ए० मी०/एकपू०/6/एस० श्रार०-3/6-86/254--श्रतः मुझे श्री टी० के० साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000//रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 16/11 है तथा जो डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली 1 (1/3 अविभाज्य गोयर) में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप से बांगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रित्तिकत को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पार्य गया प्रतिफल, मिम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निचति वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/सा
- (क) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर) अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

णका: अब उक्त औधनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में. में, उक्त औधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री कमल सौधी 2 मचीद श्रानन्द दोनों पुत्र स्वर्गीय मत्यप्रकाश 3. पामीला सौधी सुपुत्री स्वर्गीय मत्यप्रकाश द्वारा एटोरनी श्रीमती नील सौधी 4. प्रीति सौधी मुपुत्री सत्यप्रकाश श्रीमती नीलम सौधी पत्नी स्वर्गीय मत्यप्रकाश 6. मास्टर संदीप सौधी सुपुत्र श्रीमती श्रीमती नीलम सधौ 1611 डब्ल्यू ई०ए करोल बाग नई दिल्ली।
- (2) मेसर्स खामबान गपटींज प्रा० लि० द्वारा डाइरेक्टर श्री सुभाष चन्द्र थूरिया। करोलबाग नई विरुली।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त लिखित में किए जा सकरें।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्थव्यीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

1/3 म्रविभाज्य क्षेयर प्रापर्टी बिर्यारग एम० पी० एल० सं० 16/10033 प्लाट स० 11 ब्लाक 16 इब्ल्पू० ई०ए० करोल बाग नई दिल्ली। तादादी लगभग 338 वर्गगज। खमग सं० 813/767

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6¶ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 12-2-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० म्रा $^{7}$ ०-2/6--86/255--- $\frac{1}{2}$ प्तः, मुझे, श्री टी० के० साह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा १६9-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अरिश ही कि स्थायर स्म्यति, जिसका अधिक वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी मं० है तथा जो 1/3 श्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी वियोग मं० 16/10033 प्लाट मं० 11 ब्लाक 16 ई० ए० करोल बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब इ श्रनुसूची में पूर्व क्ष्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्रा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के सधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री ाज प्रुमार सौधी सुपुत स्वर्थ श्री हंस राजा 16/11 डब्ल्यूर ईरु ए० करोल बाग नई दिल्ली ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) मेमसी खानदान प्रोमर्टीज प्रा० लिमि० द्वारा सुभाष चन्द्र कथूरिया पंजीकृत कार्यालय 404 पदमा टानर राजेन्द्र पैलेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी शाक्ष्ण : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित - बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

# अनुसूची

1/3 प्रविभाज्य शेयर प्रापर्टी बियरिंग सं० एम०पी० एल० सं० 16/10033

प्लाट सं० 11 ब्लाक 16 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

प्ररूप आह थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1' के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाक 12 फरवरी 1987

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आ२०--2/6-86/256---श्रत मुझे श्री टी० के॰माह

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके परचात् 'उक्त अधिनियम'** कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक ही

और जिसकी सं० है तथा 28/6 है तथा जो पजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्व रूप से वर्णित है) र्रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन दिनाक जुन 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करिनी हुए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

- (1) 1 श्री कौणल्या भर्मा ६ ि ं ं ं य मदन मोहन लाल भर्मा 3 चन्द्र मोहन भर्मा और वरीन्द्र मोहन भर्मा 28/20, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) सूर्वश्री विशन दास 2 हिरा नन्द 3 जयराम दास सुपुत्र स्व० श्री टोला नाम ग्राडवानी 13/28, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसम प्रय्वस शब्दी और पदो का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी बनी प्लाट सं० 6, रोड सं० 28, पंजाबी बाग, नई विल्ली ।

> टी० के० साह सुसक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-6, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 12-2-87

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के भधीन स्चना

#### आरम मध्यार

कार्यालय, सहायक कामकार आयक्त (निनीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फन्वरी 1987

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्माइसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को 'गरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करा का काण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापर्टी सं० 10/61, पंजानी बाग, नई दिल्ली है तथा जो में स्थित है (और हमसे उपाधह श्रनुसूची से पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिदारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्या श्रीधि यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जन 1986,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ग्रन्य से काम केट स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मझे यह विव्धास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उन्तर विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन में सुविधा के हिस्ह; बार/कर,
- (ख) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नष्टी किया गया था था किया जाना चाहिए था किया सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिय व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मती प्रोमिला गुलाठी पत्नी श्री एम० के० गुलाठी ।

> डी-26, नारायणा बिहार, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला बंगल पत्नी श्री के० सी० बंसल 10/66, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए भाषाहिया अन्त करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्लः अर्री के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकिरण — इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिस्यिम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्था-स्था जो उस अध्याय में दिया स्था है ।

#### जनसची ...

प्रापर्टी सं० 10/61, पजसी बाग, नई दिल्ली । क्षेत्र 552 78 वर्ग गज ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-87

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, बहायक आयुक्त वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1930/86-87---यत मुझे, अंजनी

अध्यक्तर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिकी मं बिग्रिंग एफ पी नं 887/बी/2 मी बी एम नं 9206/बी/2 शिवाजी नगर, पृणे—4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्व ग्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से बाँगत है), जिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायक श्रायक श्रायक श्रायक (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज/श्रायक ग्रिधनियम 1961

की धारा 269 ए, बी के अधीन दिनांक 11 अगस्त 1986, को पूर्वीक्त मम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफाल से, एसे ध्रयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तीविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (4) अन्तरण में शुद्ध किसी आम की वाबरा, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियक में भंगी करने वा उससे वजने में स्विधा के लिए, नौड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए;

- (1) पूने सिटी हिन्दू म्यूनिसपल सर्वेट्स कोग्रापरेटिव हार्जामग सोसायटी लि० 13 म्यूनिसपल कालोनी, शिवाजी नगर, पुणे । (श्रन्सरक)
  - (2) कावेरी धनंजय घाडपले 1206/बी/2 शिवाजी नगर, पुणें -4 (भ्रन्ति नित्री)

का यह श्रूपना जारी करके पृशॅक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बजन के सर्वभ मां कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्चनि के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिकक्षाः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थे। उस अध्याय में विया स्या है।

# अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत 'क्रमांक 37ईई/1930/85-86 11-8-86 को सहायक सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-1-87

मोडर:

प्रकृष वाहें . टी . एम् . एस , नगर न्यूयम्बन्यस्य

नारकर निभागवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्वान

भारत सरकार

भावांचन, बहायक वायकतु वाय्च्छ (निर्देखन) भाजन रेंज, पूना 1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निवेश सं० 37ईई/2134/86-87--यतः मुझे, अंजनी कुमार,

बासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिबे इत्तर्धे इसके परचात् 'उक्त अधिनियस' कहा गवा हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबाद अक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लाट सं० 191 ए सर्वे सं० 102 102 .1 103 बी वार्ड गाव तृगावली लोनावला है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज/सब आयकर श्रिधनियम 1969 की धारा 269 ए बी के अधीन दिनांक 1 अगस्त 1986

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है बार मृस्ते वह निश्वाल करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त कम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, इंचे क्ष्यमान प्रतिफल से, वंचे क्ष्यमान प्रतिफल सा विकल क्ष्य व्याप्त कि अत्याप्त के लिए त्य पाया गया प्रति-क्ष्म, विकलि के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्ष्म, विक्लिक्त उद्देश्य से क्ष्य ब्रस्तरण सि बल में बास्त्विक क्ष्य स स्वाप्त क्ष्य स क्ष्य स क्ष्य स क्ष्य स्वाप्त हैं क्ष्य

- (क) मलरण से हुई किसी नाम की शासत, उक्त महिंगूनिय्म में भूषीय क्षपु दोने के शम्बुटक के दारित्द ने कनी करने ना क्षत्रों नचने में धूरिका के लिए; बड़िट/या
- (था) एँथी किसी बाब वा किसी धन वा करन बास्तियाँ करों विन्हीं बारतीय बाब-कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम वा बद्कर व्याविषय, 1957 (1957 का 27) वी प्रचोववार्य जनगरियी वृवारा प्रकट नहीं किया ववा वा वा किया वाना चाहिए वा, कियाने में संविधा के बिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :- -11—486GI/86 (1) श्रीमती बत्सला प्र० मेहता श्री बादू प्र० मेहता, श्री नानू प्र० मेहता) श्रीमती विजया प्र० परदेशी जय श्री दि परडेशी उज्ज्वला र० परवेशी पोस्ट लोनावाला जि० पूने

(धन्सरक)

(2) श्री हरिराम क कुकरेजा पो॰ लोनावला

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालीन ह—

- (वं अब बचना के रावपन में प्रकावन की तारीच वं 45 दिन की नवधि ना तत्वस्थनी व्यक्तियों पर कृतना की तामीस से 30 दिन की नवित, जो जी . नवित्र नो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्था के राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी सम्य स्थापत ब्वारा नभोहस्ताकरी के शास जिसा में किए का सकेने।

स्वचीकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्यों का, यो उत्तर वीधनिवय, के वश्याय 20-क में वरिभावित हैं,। वहीं वर्ष होगा, को उत्तर वश्याय में विया नवा विशे

### अनुसूची

जैसे कि र्राजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/2134/1986-87 जो 18 अगस्त 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज के दफ्तर में लिया गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेज, पूना

विनांक : 6-7-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्क्स (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना---1 पूना, दिमांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० 36 ईई/1536/87—यतः मुझे अजनी कुमार शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० ल्सं० 13 हिस्सा सं० 2/9/बी/2/9 धनकवडी ता० हवेली जि० पूने हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्री-कर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/ आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी तारीख 24 जुलाई 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नानता, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाग चाहिए था, किपाने में सृविधा के जिए;

- (1) श्री पद्मरत्न को० ग्रा० हाउसिंग सो० लि० एस० सं० 93 एच० सं० 2 धनकवडी पुणे--43 (ग्रन्तरक)
- (2) एम/एस० कारिया कंन्स्ट्रक्शन कम्बाईन 19 औनलूकर 16 औनलूकर बिल्डिंग एस० पी० मेन रोड फोर्ट मुम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

कोर यह सृष्णना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की त्रामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

### अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के सं० 37ईई/1536/86-87 जो 25 जुलाई 1986 को सहायक ग्रायकर ग्राप्/त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजर्ना कृमार रक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

ासः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उदद अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हो कर्षान, िन्निसिंखत व्यक्तियमें, अर्थात :---

विनांक 18-12-86 मोहर :

# · प्रकृष्णहर्गे.टी.एन.एस. ========

# भायकड अभिगेतयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

### पारत सूरका

कार्यांशय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, पूना ् पूना, विनोक 8 जुलाई 1986 निदेश सं० 37ईई/2768/86 $\dot{-}87$ --यतः मुझे अंजनी कुमार

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 7 और 6 विद टेनेंटेड बिल्डिंग/ प्लाट सं० 5 और 4 कावर्ड श्राफुट श्राफ एस० सं० 548 और 554 गुलटेकडी टी० पी० सी० पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज/श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 14 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृस्य है कम के क्यमान प्रतिफर्स के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मृत्य,, उसके क्यथान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंक्षह प्रतिखत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फज, निम्नजिवित उद्देश्य हे क्यत जन्तरण विवित में वास्त-दिक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिद्द; भीर/ध।
- (क) एसी सिसी आप या किसी धम या अस्य आस्तियों न्हें, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभीनजन, 1922 (1922) का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर निभीनजन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया थाना वाहिस था, जियासे में सुनिधा औं किया;

अतः अश्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्थानितयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती झेनोबी एच० इड्लजी श्री सोहराब ए० मदन 9 पार्वती विलास सुपुणे।

(ग्रन्तनक)

(2) श्रतुर संगतानी एण्ड एसोसिएट्स श्रतुर फाऊंडेशन हाउस डा० श्रम्बेडकर रोड पुणे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानित कियारित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिंध वा तस्संसंधी व्यक्तियाँ क्य सूचना की तामीन से 30 दिन की नविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकों ने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्थी

जैसा कि र्गजिस्ट्रीकृत 37 ईई/2768/1986-87 15 सितम्बर 1986 को सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के देपतर में लिखा गया है ।

> अंजनी पृपा सक्षम प्राधि गरी, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेज, पूना

दिनाक 8-7-1986 मोहर .

# प्ररूप बाई. दी. एत. एत्. -----

# नायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-घ (1) के बधीन स्पना

### भारत गरकार

# कार्यालय, शहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज पूना--1

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1986

निदेश सं श्राई-3 किन्हई | 2585 | 85-86 -- स्रत:, मुझे, स्रंजनी कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कारण हैं। कि स्थावर सपांत्त जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

अौर जिसकी स० प्लाट स० 6 एस० स० 32/7 एरंडवणे पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक सितम्बर 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अर कारण है कि मभापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एपें अयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वंदय से उक्त अन्तरण निश्चत में शास्तिकक, निम्नलिखित उद्वंदय से उक्त अन्तरण निश्चत में शास्तिकक रूप से किथत नहाँ किया गया है:—

- (क) बन्बरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करन में उसने बचने में सृविधा के लिए; बार्ट/मा
- (व) एसे किसी गाय या किसी धन या अन्य गास्तियी को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिन सर, १०२२ (1922 का 11) ता किसा अपोर्ट कर अधिन या १००० । १००० । १००० अपोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का गा किया जाना बाहिए था, जिलान में सुविधा से सिद्धा

कतः कव, उसत किपीनयम की भारा 269-म के कन्सरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्रभीन, निम्नलिसित व्यक्तियो, सर्वात् :--

- (1) 1. गणेश श्री वैद्य प्रो० स्नाफ एम/एस० वैद्य इण्डस्ट्रीज 425 चतुंप्रूगी रोड पुणे 2. मालचन्द्र जी० वैद्य 433/3 गोखने रोड पुणे। (स्नन्तरक)
- (2) महिला गह उद्योग लिज्जन पापड़ ट्रस्ट रज़िस्टर्ड ग्रण्डर मुबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 प्रभात रोड स० 4 पुणे 4

(ग्रन्तरिती)

को सह स्वना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्जन से निए कार्यवाहियां शुरू करता है।

# दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वनिध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 हिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकर्ष।

रचडीकरणः इतमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/2585/1986 जो सितम्बर 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

दिनांक : 8-7-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक भायकर नाव्कत (निर्देशक)

श्रर्जन रेज, पूना--1 पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987 निदेश सं० 37ईई/2871/86-87---यतः मुझे अजनी

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ऋ० 38 स० ऋ० 129 कोथरुड़ पुणे 29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाब इ श्रनुसूची में और रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 19 सितम्बर 1986

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन था अन्य आंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-करं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः। अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत् :----

(1) श्री सुकुमार बत्तात्रय शिदौरे 4 हरी निवास प्रभात कालोनी सांताकुज बाम्बे-55

(ग्रन्सरक)

(2) मेसर्स पार्ग्व बिल्डर्स 619 सदाशिव पठ, पुणे-30

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाह्रियां करता हो।

### जनत सम्पत्ति के मुर्चम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

### अमतकी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/2871/86-87 जो 19 सितम्बर 86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिनाक : 8-1-87

# श्रक्त वार्ड . टी . यन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्पना

### ं भारत सरकार

# फार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना पूना दिनांक 8 जनवरी 1987

निर्वेश स॰ ग्रई--1/37ईई/154/86-87-श्रतः मुझे, श्रंजनी कमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रुंच 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 1317/1 ए श्रीर 1317/1 बी कसना पठ पूणे हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णस्य से विणित है), रिजस्ट्रीकृता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 ए बी के श्रीधीन दिनांक 6 जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ब्रन्स, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्दृश्य में उस्त बम्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्दृश्य में उस्त बम्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्दृश्य में उस्त बम्तरण के लिए तब सम्तरण के लिए तह सम्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल का सम्तरण के स्वास्तरण के स्वास्तरण के सम्तरण के सम्तरण हैं स्वास्तरण के सम्तरण के स्वास्तरण के सम्तरण के स्वास्तरण के सम्तरण के स्वास्तरण के स्वास के

- (क) लंपारच से हुई किसी बाय की, बाबस, उच्चर विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्धारक के वायित्य में कमी करने या उससे बचन में कृषिधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के निष:

अतः अना, उच्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्परण में, में, उच्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जय उफ यशवन्त र० पुरन्वरे भौर विजय उर्फ खंडेराव र० पुरंदरे 5, ग्रशोक वन, माडेन कालोनी पुणे~16 (ग्रन्तरक)
- (2) 1. डा॰ प्रसाद ना॰ होन्प 592/2 बधवार पेठ पुणे 2. डा॰ जयमिहकु० शिदे 244 साई निवास सहकार नगर 1 पुणे-6 3. डा॰ प्रकाश वि॰ भावे, 2042 मदाशिव पेठ पुणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रम् करता हुं।

# सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्केप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यप्तियों में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका क्या हैं:

### उ मुस्ची

जमा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/154/1986-87 जो 6 जून 1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनीकुमार संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ्रयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, पूना

दिनांक ' 8−1~1987 मोहर

# प्रकृष नाइ .टी.एन.एस. -----

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

### भारत चरुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना+1
पूना, विनांक 8 जनवरी 1987
निदेश सं० 37ईई/2660/85-87---मतः मझें, भंजनी
कुमार,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फायनल प्लाट ऋ० 31/7, टी० पी० एस० क 3 स० सं० 2164/65 विजय नगर कालोनी, सदाशिव पेठ, पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध झनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी कें भ्रष्टींन दिनांक 12 सितम्बर 1986 को एवेक्शि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कस्ममान लिए अन्तिरत की गइ है भूभते यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके सर्वभाव प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से करियत न**हीं** किया गया **ह**ै :----

- ('न) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंगी िहसी आय गा किसी भग या अन्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्ति (ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गांगा चाहिए था, छिपाने के हिए;

अत: अब, उक्त अधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरक भें, में नक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोपीचन्द्र माणिकचन्द्र धारिया "माणिक" निपाणी, बेलगांव ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स बुटाला बाढे एसोसिएट्स 1032. तिलक रोड, यशवन्स ग्रपार्टमेंट, पुणे। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर गम्पत्ति में दिन विक विक विक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए वा सकों ने।

रचकडीकरणः — ६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित €, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **ब**नुस्**ची**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/2660/86-87 जो, 12 सितम्बर 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (मिरीक्रण) ग्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिर्माक : 8-1-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, पूना-1

पूना—1, दिनांक 6 जनवरी 1987 निदेश सं० 37जी/280/86—87——यतः, मुझे,

श्रंजनी कुमार,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० लैण्ड बेग्नरिंग फायनल प्लाट नं० 318/319 सि० स० नं० 934+935 ए, शिवाजी नगर पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज/सब रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, चिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती धुर्गायेवी द्यानस्यराव गाडेकर 934-935ए, शिवाजी नगर, पुणे । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बिठ्ठलराव जोणी चेरिटीज द्रस्ट पब्लिक द्रस्ट, बाम्बे पब्ब्लिक द्रस्ट एकट 1950 बेग्नरिंग नं० सी-28, सुग्रम गोखले रोड, नार्थ वादर, बाम्बे-28।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकर्गे।

# अनुस्वी

जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/280/86-87 जो माह सितम्बर 86 को सब रिजिस्ट्रार हवेली जि०पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> श्चंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

दिमांक : 6~1-87

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987
निदेश सं० 37जी/278/86-87--यत, मुझे, ग्रंजनी

कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० लैंड बेग्ररिंग प्लाट नं० 6 स० नं० 81- ए/1/1 ग्रौध पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर सब रिजस्द्रा। में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 an 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रेगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचि बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि एमलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ए) अप्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उप्राजनाथ अल्लाका दारा अक्ट नहा कि या था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के उप

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :——
12—486GI/86

(।) श्री गोलाब चन्द के० पुंगालिया 81-ए।/1 ग्रौध पुणे-7

(ग्रन्तरक)

(2) सरस्वती बैंक एम्पलाईज को॰ श्राप॰ हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, 81-ए 1/1/ श्रीध, पुणे-7।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) (स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टि किरण: — इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैमे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37/जी/86-87/278 जो माह ग्रगस्त 86 को सब रजिस्ट्रार हवेली I जि० पुणे के दफ्तर में लिखा गया है ।

> ग्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण / ग्रर्जन रेंज, पून

दिनांक : 6-1-1987

# शक्य नार्ड . शी. एन . एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) .

अन रेज, प्ना−1

पूना, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० 37जी/247/86-87---यतः, मुझे,' श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं सर्वे ं । 5/1बी/2 सी० टी० एस० सं 681 कीथर इप पूणे हैं तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर सब रिजस्ट्रार में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 6) के प्रधीन दिनांक 15 सिःस्वर 1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से एस शश्यमान प्रतिफल से एस शश्यमान प्रतिफल से ब्रिक्ट प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तिरितीं (अस्तिरितियों) के बीच एस अन्तरण के निए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्न अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जातिए था, छियान में स्विधः ध लिए.

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्रीमती नैसिनी जी० कामे पसैट नं० 22 नीस्तरंग 200 वीर सावरकर मार्ग मु० 16 2 एम० एम० रिलाएबल बिल्डर्स 3. त्निवेणी भवन श्रार० श्रार० टी० रोड, मुल्ड मुं०--80 3. एम० एस प्रथमेण कत्सट्रकान्स 6, कैनवे हाउस 63 पोरवन्दर रोड, मु०-6।

(ग्रन्त⊽क)

(2) एम॰ एस॰ वालचन्त्रनगर इण्डस्ट्रीज लि॰ 16 एम॰ जी॰ रोड, पूर्णे-1

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

# बनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की सनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की सनिभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित का स्वित संक्रित के सितर पूर्वित का स्व
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

### अनुस्ची

जैसे कि श्जिस्ट्रीकृकृत स० 37 जी/247/86-87 जो 15 सितम्स् बर 1986 को सब रजिस्ट्रार मुंबई के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायक प्रायकण) ग्रजन रेज, पूना

दिनांक : 8-1-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कैंग्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना पूना, दिनोक 7 जनवरी 1987 निदेश सं० 37जी/246/856-87--यतः मुझे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

, और जिसकी सं० मर्वे नं० 111(पार्ट) सर्वे मं० 112(1) (पार्ट) मी० एस० सं० 2271 और 2774 लिवंडी कल्याण रोड ता० कल्याण जि० थाना है तथा जो भिवंडी में स्थित है (और इससे उपावद्व भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 1 मितम्बर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियो) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उच्ते अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जयन्त रघुनाथ पाठक और ग्रन्य स्मृती तिलक पथ डोम्बबीवली (ई)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंगलमुर्ती कोम्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी लि०, भिवंडी कल्याण रोड, जि० थाना । (ग्रन्तिग्सी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हां, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क॰ 37जी/246/86-87 जो -1 सितम्बर 1986 को सब-रजिस्ट्रार कल्याण के दफ्तर में दाखल किया गर्या है ।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-87

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, स**हाक्क नायकर बायुक्त (निरीक्रण)**

र जीन रेंज, - पूना-37

वनांक 6 जनवरी 1987

निवेश सं०  $37 \frac{1}{2} \frac{1}{3384} \frac{1}{86 - 87 - 27} - 27 \pi$ : मुझे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयें से अधिक हैं

और जिसकी सं०

है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन दिनांक 11-8-1986

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बान्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती क्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :----

- (1) लाईसेन्सर ग्लेइट लांगर (इं०) लि० और श्रन्य 16 एस० भगतसिंग रोड, बम्बई-23 (श्रन्तर्क)
- (2) लाईसेन्सी : श्री लिसत सी० गांधी और श्रन्य लोक होल्डिंग 14 विभाल शापिंग सेण्टर सर एन० ह्वी० रोड, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई-69। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इ.स. सूचना को राजपश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उच्त स्थायर समासि में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

### अप संची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37\$ई/3384/86-87 जो 11-8-86 की महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा गया है ।

अजनी कृमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987

प्ररूप कार्ष्यः थीः एनः, एवाः =====

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सुचना

#### शारत शरकार

# कार्याक्षयः, वद्यायक वावकार वावकत (विरोक्षकरि

श्चर्जन रेज, पूना पूना, विनांक 6 जनवरी 1987

निदेश म० 37ईई/5147/86-87--यतः मुझे अंजनी क्रमार

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें परकार 'उक्त विधिनयम' कहा नया हैं), को बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपरित, जिसका उचित वाजार मुख्य 1 00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे स० 296 343 347 हिसा न० विराट गाव ता० वसई जि०थाना है तथा जो विराट में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन दिनाक 21 निसम्बर 1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बांजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का अरुण है कि यथाएगेंक्स मंपिल का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से एसे दृश्यान प्रतिफल के कर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के कर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के कर्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के निए वय वागा गया प्रतिफल, निम्निवित्त उद्दृश्य से उक्त वन्तरण का मांच के बार वागरण में बार वागरित कर्य वागरण के मार वागरित कर्य वागरण करने वागरित करने

- (क) अंतरण के तुर्ह निश्वी नाम की बावत, क्यब शीशियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बावित्य में कभी करणें या अवसे वचने में सुनिधा से निष्ट; धीर/वा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या जन्य बास्तियों की चिन्हों भारतीय बावकर विभिनित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना वाहिए था, खिपाने हों मुदिशा खें किया;

कतः वयः, अकतं वींगीनयमं की धारा 269-तं की वसुवर्षः तो, तो, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-तं की उपधारा (1) अं अधीनः, विरम्भिक्षिशं व्योक्तयों के वर्षात् क्ष---

- (1) मेसर्स नघभारत कल्स्ट्रवशन कम्पनी संकेत भवानी शंकर रोड दादर बम्बई~28। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोविदजी शिवाजी शाह और श्रन्य द्वारा गोकुल पट्टोल पम्प के सामने श्रगसी रोड विराट बेस्ट ता० वसाई जिल० थाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्धन के तबंध में कोई भी नामन :---

- (क) इस त्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की सबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी सबीध बाद में समान्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्ट का कियों में कि मी व्यक्तित दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जभोहस्साकारी के पाध निर्मास में किए का सकता।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो समस जिम्हानयम के जध्याय 20-क में परिश्राधिक हैं, वहीं अर्थ होया जो उस सध्याय में विया गवा हैं।

वयवर्षी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/5147/86-87 जो 21 सितम्बर 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

दिनांक : 6-1-8**7** 

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, पूना ·
पूना, दिनाक 7 जनवरी 1987
निदेण म० 37ईई/5242/86-87—यत मझे, भ्रजनी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० यूनिट गाला स० (32 से 36 ग्राउण्ड फ्लोर) गाला न०० 71 से 76 पहला मजला, गाला स० 109 से 114 दूसरा मजला न्यू माडेल्ला इण्डस्ट्रीज इस्टेट पचपाखण्डी थाना है तथा जो पचपाखड़ी में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रौर पूर्ण क्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज ग्रायककर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, दिनाक 26 मितम्बर 1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं निक्या गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री माडेल्ला वुलन्स लि० रेशम भवन, 7्वा मजला, वीर नरीमन रोड, बम्बई—20

(भ्रन्तरक)

(2) 20का नन्त्रुरी फायनान्स कारपोरंशन लि॰ 25/2 मेकर चेम्बर्स I∏ दूसरा भंजला, नरीमन पांहट बम्बई-21 ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ्(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सेकों।

स्पष्टीकरण '---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म<sup>-</sup> परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/5242/86-87 जो 26 सितम्बर 86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रिज, पूना के दफ्तर मे लिखा गया है ।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/4504/86-87—यनः मझे, श्रंजनी कमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तर्भ पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का श्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मर्थे सं 139, हिस्सा सं 2 संतोषी माता देवल के लाईन में कल्याण भिवण्डी रोड, कल्याण जि थाना है तथा जो कल्याण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन, दिनांक 10-9 1986.

को प्वेंक्टि सम्परित के रिचत बाजार मृन्य से कम के रहण्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने की कारण है कि यथाप्वेंक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्ट अन्तरण लिखित में गस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एरेरी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को . जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का )!) या उकत अधिनियम , वः धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में मुविधा के लिए;

अत. अब., उक्त अधिनियम की क्षारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम बी क्षारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अर्थाह् :-- (1) श्री चिन्तामण सवाशिव श्रागलाधे श्रागलाप वाटा, श्रागलावे श्राली कल्याण जिला—शाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स विकास एण्टरप्राईजेम 7 यनिया निवास, मनेकलाल इस्टेट झाग्रा रोड, घाटकोपर बम्बई-86।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं शर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया ग्यया है।

### अनस्ची

जैमा कि राजिस्ट्री कृत कि 37ईई/4504/86-87 जो जो 10-9-86 का सहायक भ्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-1-87

प्ररूप बार्ड. टी. एव. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वाय्<del>वस (निरीक्षण)</del>

श्रर्जन रेंज, पूना---।

पूना; दिनांक 5 जनवरी 1987 मं० 37ईई/2026/86-87--यतः मझे ग्रंजनी

क्मार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

यौर जिसका सं० शाम नं० 11 तल्लमजला आरोरा टावर्स 9 भी लेडीन रोड पुणे है तथा जो जो पूना में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज आयकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 ए० बी० के श्रिधीन, दिनांक 15 अगस्त 1986,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्ठों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अरि/या
- (क) एम किसी काय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

बतः कथा, उत्कत अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरण में, मी, उत्कत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के को अफी को ीम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शरत प्रमोटर्स 2 ईम्ट स्ट्रीट पुणे ।

(ग्रन्तरक)

(2) गोल्डन ग्रनाइट प्राठ लिमिटेड 202 बिना ग्रापार्टमेट सेनापती बापट रोड पुणे—-16

(श्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन वे लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यापता ;
- (ज) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास स्वित में किये जा सकती।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्वों का, जो उक्त् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिवा वया है ।

#### अनसची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2025/86-87 जो 15-8-86 को सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

र्ध्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

प्ररूप आई. टी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना---1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निर्देश संज  $37 \frac{1}{2} \frac{1}{940/86 - 87 - 4\pi} = 4 \frac{1}{87}$  कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं अप्रिक्त सं ए ए 16, 17, 18 तथा बी— 16 तथा 17 पहला माला, कल्पतरु ल्लाजा, 224, भावानीपट, पुणे हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी दिनांक 2 जुलाई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, इसके इत्यमान प्रितिफल से ऐसे इत्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्ल में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिईके और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कल्पतरु कन्स्ट्रक्शन्स 111, मेकर चेंम्बर IV-नरीमन पाईट, बम्बई-21

(ग्रन्तरक)

(2) कल्मतरु गार्डन्स प्रायब्हेट लिमिटेड 111, मेकर चेंम्बर्स । नरीमन पांईट बम्बर्ध ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्सं सम्पत्ति को अर्जन को ्लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ननसची

जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37ईई 940/86—87 जो माह 2 जुलाई 86 को महायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> र्श्वजनी कुमार सक्षय प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूका

विनांक : 6-1-87

भोहर:

# प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के बंधीन सूचिया

#### भारत गरकार

कार्यालय , स**हायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)** श्चर्जन रेंज, पूना— 1 पूना—1, दिनांक 6 जल्ल्चरी 1987 निदेश सं० 37ईई/1439–ए/86–87—यत<sup>.</sup> मुझे, श्चंजनी मार,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इंक्सें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की वारा 2'69-क के अभीन सक्षम प्रीधिकारी करें यह विश्वास करने का बारक है कि स्थावर मन्मिता. विसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी० टी० सं० 1143/बी भाबुडा, खिवाजी नगर पुणे—-16 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूषी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री त्वी ग्रीधक री के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) प्रजेंग रेंज ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 ए० बी के ग्रधीन, दिनांक : 19 जुलाई 1986,

की प्रविक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वार करहे का कारण है कि बधाप्तींबर सपत्ति का उपित राजार ब्रुख, उसके क्यमान प्रतिफल सं, ऐसे क्यमान प्रतिफल का प्रविक्त का बिर्दा प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नमात्रम सं हुएं निश्ली शाय की बायस उमके अभिनियम के अभीम कर योगे के अस्तरक के धीयरण में कभी करने का उससे अभन मां मृतिकः के सिय; क्षेत्र/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः. अवः, उक्तः अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्मसिकित व्यक्तियों, अधीत् ः—— (1) श्री गुपेद्र उर्फ विनय म्रा० पारकर श्री म्रानन्द म० पारकर श्रीमती प्रतिभा म्रा पारकर • 1143बी० णिवाजी नगर पुणे-16

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एस० प्रवीन गुप्ते एण्ड एसोसिएट्स विष्णू धर्मन 1132/3 भिवाजी नगर एफ० मी० रोङ पुणे 16

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन ं के लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 दिन की बविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कि 37ईई/1439—ए/86-87 जो 19 जुलाई 1986 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 6-1-1987

आरूप जार्च .टी .एव .एख . 👝 🐒 🕾 . . . .

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना—1 पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1685/86-87---यतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं सब-फ्लैंट सं 19 सी एस सं 49-ए, एफ पी पं 72, एरंड वणे टी पी एस-1 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 ए॰ बी॰ दिनांक 2 ग्राम्स्त 1986,

कां पृत्येक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं कवा नवा है है—

- (क) बन्तरण में हुई किनी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने के स्विधा के सिए; और /बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना धाहिए था, जिपाने में स्विधा से किए;

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक्यों अर्थात् :---

- (1) एस० एन० डी० टी० नमूबन्स यूनिवर्सिटी नायी बाई ठाकरसी रोड, मुंबई-20 । (ग्रन्तरक)
- (2) एम०/एस०\_लिला कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० 836 सदाशिव पठ, पुणे-30 (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्धन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को संबंध को कोई भी बाबोप क्र---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की बनीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की बन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूत्री

जैसे कि रज़िस्ट्रीकृत ऋमांक 37ईई/1685/86-87 जो 2-8-86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दपतर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987

# प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

# णायकर मंभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाड़ा भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

### बर्स्स स्थापन

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, पूना—1 पूना, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेण सं० 37ईई/4531/86-87—यत. मुझे, श्रंजनी- कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा .59 के के बजीन सक्षम प्राधिकारी की नह विकास करने का तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकाद मून्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं सी ब्रिंग एस ने 917/17 शिवाजीन पर गणेश पादी पुणे 8 (ए) है तथा जो पूना में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी कार्यालय, महायक स्नायकर स्नायक्क प्रायक्कर (निरीक्षण) स्रर्जन रेज स्नायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए० वि स्निधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 8 नवस्वर 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृस्था, उसके देवरमान प्रतिफ अ से, एसे देवयमान प्रतिफ क अम बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे बन्तरण के निए देव बावा गया प्रतिपान, निम्नीजिखित उप्दोवय से अवस्य अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बानत, उक्त विधितिक्त की क्षीन कर दान की सन्धरक के वामित्व की कामी करने का सबस क्ष्मणे की सामग्र के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय यां किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय मान-कार मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त सिनियम, या धन-कार सिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया का किया वाला साहिए था, कियान वें सुविधा के लिए;

नतः स्वा. उपत विधिनियत्र की भारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री उपेन्द्र केशक्षराक्ष कानिटकर श्रीर ईतर 917/15 शिवाजी नगर, गणेशकाडी पुणे-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बालिनायक जोशी 20 जयदेव प्रणांतनगर पुणे-30

(म्रलरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

### उन्तर बंदरित के वर्षन के बंदंध में कोई भी बाखंद ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या उत्सविधी स्वन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्वन्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयासत शब्दी और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्त्वी

जैंग कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/4531/जो माह 28 नवम्बर 86 को सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्ष**ण) ग्रर्जन रज<sup>्</sup>पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> ग्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-1987

प्रकल बाह्". टी. एन. एव.------

कागकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

### नारस सरकार्

कार्याक्य, बहायक बायकर बायक्य (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज, पूना—1 । पूना, दिनाक 5 जनवरी 1987

निवेश सं०  $37 \xi \xi / 2100 / 86 - 87 - - यत मुझे, युजनी कुमार,$ 

कायकर अधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं । क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अध्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट स० 4, 6, 7, 9 श्रोण 10 मश अपार्टमेट प्लाट सं० 17 सर्वे स० 163 श्रोध पुणे-7 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रोण इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोण पूर्ण रूप स्वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 ए० बी०, दिनाक 17 ग्रेगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रिपिण के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण हैं कि यभाप्यायत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) जोरे अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखिल के बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) बनारक संसूर्य किसी काम की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शांकरक में कामी करने या उससे बचने में सुसिधा के जिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 । 1922 का 11) या टाक्न अधिनियम, या स्थ-कर अधिनियम, या स्थ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा मा किया वाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के जिदा।

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) मे० देवी कन्स्ट्रेक्शन कम्पनी देवी निवास 1161/10 शिवाजी नगर पुणे—5

(म्रन्तरक)

(2) भ्रसिस्टेट जनरल मैनेजर इण्डस्ट्रीयल फाइनन्स कारपोरेशन 1120 माडेल कोलनी पुणे~16

(भ्रन्तरिती)

को वह इचना पारी करने पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के विद्ध कार्यवाहिन वृक्ष करता हो।

उन्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीश हैं
  45 विन की जनिथ या तत्सान्तरथी व्यक्तियों पर
  स्थान की तासील से 30 विन की अविथ, थो भी
  जनिथ नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित- क्ष्मि किसी क्षित स्वारा. अभोहस्ताक्षरी के पाड जिल्ला में किए वा सकेंगे।

# नमुस्ची

जैसा कि रिजम्हीकृत् कमाक  $378 \frac{1}{2} / 2100 / 86 - 87$  जो 17-8-86 को सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

ग्रजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2528/86-87---यतः मुझे श्रंजनी कुमार जायकर जिभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हो कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

1,00,000 / । रत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं कि सब प्लाट सं 2 सिटी सर्वे सं 494 एडरं वर्ण पुणे 4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रायकर श्रायकर

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सूविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के, अन्सरण में, में, उक्तत अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, व्यक्तिकीयत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मे॰ धिरज श्रामर्न स्टील प्रा॰ लिमि॰ धिरजलाल हाउस सिधी लेन नानूमायी देसाई रोड मुम्बई -4

(ग्रन्तरक)

(2) मे० के० पी० एण्टरप्रायसेस

98 मरिन ड्राइव नीलकण्ठ 6ठा मजला मुम्बई

ाः (श्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

· उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विशन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबबुंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उम्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होंगा जो उसं अध्याय में विया गया ह<sup>1</sup>।

### **यन्स्**ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कमांक 37ईई | 2528 | 86-87 जो 26-8-86 को सहायक भ्राथकर ग्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायकृ श्रायकर<sub>्</sub>ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना

विनांक: 5-1-1987

प्ररूप आईं.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/163/86-87--यतः मुझे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव स्वाट संव 39 सिटी सर्वे संव 49ए फायनल लाट संव 72 एंरण्डवणे पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज सब आयकर अधिनियम 196 की धारा 269 एव बीव दिनांक 1 अगस्त 1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं िकया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) एस० एन० श्र० र० बुमेन्स यूनिवर्सिटी नाथीबाई टाकरणी रोड मुंबई ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लिना कन्स्ट्रवशन प्रा० लि० 836 सवाशिव पठ पुणे –30

ं(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋमांक 37ईई/1682/86-87 जो 1-8-86 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-1-87

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निवेश सं० 37ईई/2958/86-87---यतः मुझे, अंजनी कुमार-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट सं० 2 बिल्डिंग सं० 2 13 बोट क्लब रोड पुणे-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाब इ अनसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० के अधीन दिनांक 22 सितम्बर 1986

को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एोमे इश्यमान प्रतफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करें दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) श्रीमती मेहरू राफत वडलैण्ड फ्लैट सं० 9-2ए सलीमबरी पार्क पुणे-9 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० एस० बसरूर और इनर इन्होंग श्री ए० ह्वी० फेगडे लॉं कालेज रोड पुणे—5 \* (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (७) इस सकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### म्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 'क्रमांक 37ईई/2958/86~87 जो 22-9~86 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्। पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अंजनी **फुमार** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

श्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# आर्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, पूना——1 विकोक क्षेत्रकारी 100

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1683/86-87--यतः मुझे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनिषज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लाट सं० 17 सिटी सर्वे सं० 9ए प्लाँट सं० 72 एन्ण्डवणे पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० तारीख 1 श्रगस्त 1986

का पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्कों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कप सं किथत नहीं किया गया है ——

- (क) जीतरण से हुई किसीं जाब की बाबता, उपस् अधिनियम के जभीन कर बोने के अन्तरक का वामित्व में कमीं करने या उससे बचने वें सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन वा अन्य जास्तियां का, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा अ किहा;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-म की उपधार (1) के मधीन.. निर्मासित व्यक्तियों, अर्थात् :---14--486GI/86 (1) एस० एन० डीटी० बुईसेन्स यूनिवर्सिटी नायीबाई ठाकरसी रोड मुंबई ।

(भ्रन्सरक)

(2) लिला कन्स्ट्रक्णन प्रा० लि०836 सदाणिव पेठ, पुणे-30

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# इक्त सम्पत्ति की अर्थन की संबंध में कोई भी वालीप ५---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रांकृत ऋमांक 37ईई/1683/86-87 जो 1-8-86 को सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायुयकर श्राक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

दिनांक ; 5-1-87

# प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना—-1
पूना—1, दिनांक 7 जनवरी 1987
निदेश सं० 37ईई/2795/86-87—-यतः मुझे अंजनी
कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेझरिंग सर्वे सं० 2712 डी/2 स० नं० 134/2/2 भांबुडी शिवाजी नगर पुणे है तथा जो पूना में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज धायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 15 सितम्बर 1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण सिविक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए. और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिधित व्यक्तियों, अधीव :--- (1) मेजर हणमंतराव ना० जगनाथ ताडीवाला रोड, पुण-9

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ए० ह्वी० मुले कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 1231/ए शिवाजी नगर एफ० सी० रोड पुणे-4

(ब्रन्तरिती)

की वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की शर्वन में निका कार्यवाहियां करता हुं।

डक्ट सन्परित के वर्षन के सन्धन्ध में कोई भी वासीय ८---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध मां संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन को तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितस्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37ईई/27ईई/2795/86-87 जो 15 सितम्बर 86 को सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-1987

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

सर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2492/86-87--यत:, मुझे अंजनी कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस प्रापर्टी ऋ० बी० 42 भ्रष्टियनी को० श्राप० सोसायटी बाम्बे पूना रोड पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्व धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज प्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 2 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल संएेसे ध्रुयमान प्रतफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री सुरेश नरायण कोल्हापुरे सी-11 देवोकुश धरिवनी को० धाप० हाउसिंग सोसायटी बाम्बे पूना रोड पुणे- 5 (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उषा प्रभाकर पारगांवकर सी/8 उषः काल भ्रपार्टमेंट पूष्पमाला को० भ्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड 1010 शिवाजीनगर पुणे-16 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

**ल्पव्टीकरण**:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्सूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत कमांक 37ईई/2492/86-87 जो 2 सितम्बर 86 को सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> **मं**जनी भूमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को जभीत, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनांक : 8-1-1987

# प्रकल जादी. दी<u>. यु</u>त . एस . - - - - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्ता

#### भारत सरकार

क्राचलिय, सहायक भायकर भायक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना--1

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निवां निवेश सं० 37ईई/3083/86-87--यत. मुझे अंजनी कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्द्र अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह व्यवस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मारा जिसकी सं प्लाट नं ० ए-७, परमार पराडाईज, दूसरा माला 3/4 बी॰ डी॰ रोड पुणे-9 है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज/भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए॰ बी॰ के अधीन दिनांक 26 सितम्बर 1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वायत उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरधे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

शतः शव उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सम्ब विभिनियम की भारा 269-म की उपभारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ल— (1) श्री ईण्वर कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लिमिटेड 3/4 बी० डी० रोड पूणे 1

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी टी० जोतवानी
कुमारी निर्मला टी० जोतवानी
श्री भारत टी० जोतुवानी
12/बी शांती कुंज श्रापोसिट जी०पी० ओ०
पुणे 1

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी ।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत करु 37ईई 3083/86-87 जो 26 सितम्बर 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-1-1987

The state of the s

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (196। का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज-Ii, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1987

निर्देश सं० ए० सी० 72/म्रार-11/कल/86-87 — म्रत मुझे, • एस० एन० तिवारी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा एया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर समारित, जिसका उत्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सख्या 33 है, जो कांकुर गाछी रोड, कलकत्ता में स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय मक्षम प्राधिकारी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्र्धिनायम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 19 37  $\frac{5}{4}$ / $\frac{1}{2}$ /

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बानार गूल्य स कम के दश्यमान गठक य जिए कर्तित की गई है और मुभे यह विश्वास के कर्ति है कि यथापुरोक्त सम्पत्त का अगत बाजार मून्द्र, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती २ (जन्तिरितियं:) के कीन एने प्रतरण के लिए तय गया गया पतिफल, निम्नालाखित उद्देश्य में उक्त जन्तरण लिखित मा बांस्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) 'नरण से हुई किसो आय को बाबत उक्त क्षणभानगर को क्षणभान कर दान अक्षान स्ट के का का क मं किसो करिन वा क्षणिक में न सी ववा क लाग बाद /शा
- (क) एसी जिन्हों अप सा किसी धव भा अन्य सास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री चितरजन दास

(ग्रन्तरक)

2. मैं कान्केस्ट कामिशयल को० प्रा० लि०। (अन्तरिती)

का याह सूचना चारी करके पूर्वोच्या सम्परित से वर्चन के लिए कायमाह्या करता हो ।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी बारांप ह

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अमिक का सल्सम्बन्ध। ज्योक्तयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष अविसाध मा स किया ज्योक्त धवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा क्याहिस्तकारी के पाइस लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उिल्निखित दलील म० 37 ईई7/ग्रार-1I/कल/86-87 तारीख 6-6-86 के ग्रनुसार 273.42 वि० म० जमीन के साथ 5 मंजिल मकान 33 काकुरगाछी रोड, सी० ग्राई० टी० स्कीम मं० वी ग्राई एम(एम), कलकत्ता पर स्थित है।

एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II कलकत्ता

नारीख: 22-1-1987

मोहर:

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 18th December 1986

No. F. 6/56/71-SCA(I).—Shri Brij Mohan Batra, (Assistant Registrar) having expired on December 10, 1986, his services in this Registry came to an end with effect from the afternoon of December 10, 1986.

### The 5th February 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—The following Officers have retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the date mentioned against each on their attaining the age of superannuation:

Sl No.	Name & Designation	Date of retirement
1	2	3
	hri K. Chandramouli, Offg. oint Rogistrar	31-1-1987 (A.N.)
	hri K. K. Mehan, offg. Deputy Registrar	30-11-1986 (A.N.)
	hri Har Sahai Saxena, offg. Assistant Registrar	31-1-1987 (A.N.)
	hri Jagjivan Parkash, offg. Section Officer	31-1-1987 (A.N.)
<del></del> -		A. N. OBERAL Registrar

### ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 10th February 1987

F. No. A-11/3/75.—Director of Enforcement hereby appoints Shri M. H. Khan in this Directorate to officiate us Chief Enforcement Officer on ad-hoc basis for the period of six months in Gamhati Field Unit of this Directorate with effect from 20-1-1987 (Forenoon).

KALI CHARAN

Chief Enforcement Officer (Admn.)

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th February 1987

No. 2/10/87-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri V. B. Bhatia, Section Officer of the Department of Posts, Ministry of Communications as Section Officer in the Commission in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 on deputation with effect from the afternoon of 6th February, 1987 until further orders.

MANOHAR LAL, Under Secretary (Admn.) for Central Vigiliance Commissioner

## MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS PUBLIC GIEVANCE AND PENSION

New Delhi-110 003, the 30th January 1987

No. A-32012/1/85-AD.III.—In pursuance of Head Office Order No. 94/87 dated 30-1-1987 (No. A-32012/1/85-AD. III) Shri S. B. Agarwal, P.A. (Grade 'C' Stenographer) has taken over charge in C.B.I. Head Office on his promotion to

the Grade 'B' Stenographer in the time scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200, as Sr. P.A. to J.D./C.B.I. with effect from the Afternoon of 30th January, 1987.

C. K. PATHAK, Supdt. of Police (HQ) CBI (HO).

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### INSTITUTE OF CRIMINOLOGY AND FORENSIC SCIENCE

New Delhi, the 13th January 1987

No. 1/5/86-ICF/Pers.1.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, Assistant Director, Forensic Science Laboratory, Haryana, Madhuban as Assistant Director (Document) in the Instt. of Criminology and Forensic Science on deputation in the pay scale of Rs. 1100-1600 w.e.f. the forenoon of 7th November, 1986 for one year in the first instance extendable upto 3 years.

R. S. KULKARNI, Director.

### DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 4th February 1987

No. O.II-2314/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Anu Varma as General Duty Officer Grade II (Deputy Superintendent of Policy Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1986 until further orders.

### The 5th February 1987

No. O.II-2315/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Trishala Krishna Kumar Dhemre as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary caracity with effect from the forenoon of 8th December, 1986 till further orders.

No. O.II-2346/87-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Neena Nayar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1987 till further orders.

### The 6th February 1987

No. A.VI-2/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Kumar Pandey as Deputy Superintendent of Police (Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders. He is posted to Group Centre, CRPF, Pinjore.

2. Shri Ravindra Kumnr Pandey has reported to ISA, CRPF, Mount Abu for training and has taken over charge of his post on 8-12-1986 (FN).

### The 9th February 1987

No. O.II-2136/86-Estt.(CRPF).—Consequent upon his promotion as Director General, National Security Guard, New Delhi, Shri K. L. Watts, IPS (UP-1956), Inspector General of Police, S/III, CRPF, New Delhi has been relieved on the afternoon of 28th January, 1987.

No. F.2/3/87-Estt.(CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri R. P. Singh, Second-in-Command (Assistant Commandant) presently on deputation with the Institute of Criminology (MHA), New Delhi to the rank of Commandant non-selection grade with effect from 25-9-86 (AN), in the CRPF in the pay scale of Rs. 1200-50-1700 (pre-revised).

### The 11th February 1987

No. F.2/46/86-Estt.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri Vinod Kumar Sharma, presently on deputation with the U.P. Police Computer Centre to the rank of Assistant Commandant in CRPF with effect from 28-4-86 i.e. the date on which his senior lastly took over charge in the pay scale of Rs. 1200-50-1700.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Assistant Director (Estt.)

### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th February 1987

No. E-16013(2)/24/82-Pers,I/13.—On repatrlation to parent cadre i.e. West Bengal, Shri P. K. Sahai, IPS (WB: 74) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, MAMC Durgapur with effect from the afternoon of 22nd January, 1987.

### The 12th February 1987

No. E-16013(1)/1/87-Pers.I/14.—On appointment on deputation, Shrl R. Viswanathan, IPS (Kar: 66) assumed charge of the post of Dy. Inspector General, North Zone, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 9th February, 1987.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,

### CENTRAL REVENUES-1,

New Delhi-2, the 11th February 1987

No. Admn.I/O.O. No. 284.—The Director of Audit, Central Revenues-1, hereby appoints Shri K. C. Govil an officiating Audit Officer of this Office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 237.5-3500 with effect from 1-2-1987

(Sd.) ILLEGIBLE

Dy. Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th February 1987

No. Admn.I/8-132/86-87/170.—Sri L V. Viswanathan, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad, retired from service on the Afternoon of 31-1-1987.

No. Admn.I/Prom/8-132/86-87|169.—The Accountant General (Audit) I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates noted against them until further orders:—

Name and Date of assumption of charge

- 1. Sri C. Satyanarayan 30-1-1987 (FN).
- 2. Sri K. Yegganarayana Sarma 29-1-1987 (FN).

The promotions are ordered without prejudice to the claims of their seniors if any and is also subject to the result of the writ petition in the A.P. High Court/Surreme Court. They should exercise their option within one month of their date of promotions in terms of Goyt, of India O.M. No. F 7/1/80-Estt (Pt.I., dated 26-9-1981).

(Sd.) ILLEGIBLF Deputy Accountant General (Admn.).

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th January 1987

No. Admn. F. Lo's Promo/F. No. 65/331/1778.—Accountant General (A&E)-I Madhya Pradesh, Gwalior has promoted Shri N. K. Gautam Permanent Section Officer (02/446) as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 until further orders with effect from 22-1-87 (Forenoon).

(Authority:—Accountant General (A&E)l's order dated 21-1-87).

NIRANJAN PANT, Sr. Dy. Accountant General/Admn.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT, KERALA

Trivandrum, the 9th February 1987

No. Entt/1/10-3/86-87.—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired on superannuation from Government Service on the dates noted against each:—

- 1. Shri M. Gangandhara Menon, 31-1-1987 (AN).
- Shri A. T. Markose, 31-1-1987 (AN).
- 3. Shri K. Sreedharan, 31-1-1987 (AN).

Shri K. V. John (No. 2) Audit Officer has retired voluntary from 1-2-1987 (FN).

ANANDA SHANKAR, Accountant General

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)I, WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 30th January 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAC/2605.—The Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audia Officers (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 29th December, 1986:—

- 1. Shri Debendra Nath Guin,
- 2. Shri Kshetra Mohan Mondal.

These promotions are subject to the final outcome of the Writ petition now pending before the Honble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of GI MF OM dated 26-9-1981, for either to fix their pay under FR 22(a) (i) on the date of promotion and then under FR 22-C from the date of next increment in the lower post or under FR 22-C on the date of promotion straightway.

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

### Calcutta-700 001, the 30th January 1987

No. Admn. I/Promotion-93/2756-58.—The Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 1st January, 1987 in the office of Accountant General (Audit) I and Accountant General (Audit) II, West Bengal Calcutta until further orders:

S/Shri

- (1) Ranjit Kumar Bhowmick,
- (2) Nepal Chandra Kanjilal,

These promotions are subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F.O.M. dated 26-9-1981 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

H. S. MURTHY Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th February 1987

No. 4812/A.Admin, 130/86.—On attaining the age of superannuation, Shri P. N. Handa, Officiating Asstt. Audit Officer, Defence Services retired from service with effect from 31-1-1987 (A.N.).

> B. S. GILI Joint Director of Audit, Defence Services

### MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCF FACTORY BOARD

### DGOF HQRS. STENOGRAPHERS' SERVICE

Calcutta, the 20th January 1987

No. 1/87/A/E-1(NG).—The D.G.O.F. is pleased to promote the following individuals in officiating canacity against existing vacancies in grades and on dates shown against each:—

1. Shri J. C. Bysuck	Sr PA (ad-hoc)	PS/Sr. PA of Board,	From 30-12-86
	of Board	Calcutta.	(F. N.)
	Calcutta.		until
			further orders.
2. Shri R. N. Ray	DS.	Do.	Do.
3, Shri P. K. Roy	PA (SG)	Do.	Do.
	of Board.		
	Calcutta.		
4. Shri S. C. Chatterje	e Do.	Do.	Do.
5. Shri D.C. Ghosal	Do.	Do.	Do.
6. Shri R. K. Sarkar	Sr. PA	Do.	From
	(ad-hoc)		12-1-87
	of		until
	Board,		furt <u>he</u> r
	Calcutta		orders.

2. The above promotees will be on probation for two years from the dates of their promotion.

### The 2nd February 1987

No. 287/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, the following Officers retired from service w.e.f 31-1-87 (A/N):—

- (1) Shri Achintyo Kr. Bhattacharyya, Offg. Assistant Staff Officer. (Subs. and Pmt. UDC).
- (2) Smt. Renuka Mitra, Offg. Assistant Staff Officer, (Subs. and Pmt. UDC).

S. DASGUPTA, DDGOF/ADMIN. or Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 11th February 1987

No 2 G 87 -On attaining the age of superannuation, Shri B. N. Ghosh, subs, and Permt, Staff Officer retited from service with effect from 31st January, 1987/AN.

M. A. ALAHAN JT. DIRECTOR (G)

#### MINISTRY OF LABOUR

### DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SPRVICE AND LABOUR INSTITUTES, BOMBAY

Bombay-400 022, the 13th February, 1987

No. 15/1/87-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri P. K. Ravindranathan as Administrative Officer, Central Labour Institute, Bombay under the DGFASLI, Bombay in an officiating capacity with effect from 5-2-87 (1.N.) until further orders.

S. B. HEGDE PATIL, Dy. Director General and Head of Department.

### MINISTRY OF COMMERCE

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th February, 1987.

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

### (ESTABLISHMENT)

No. 6/682/62-Admn(G)/820.—The President is pleased to appoint Shri E. W. Lyngdoh. a Grade II Officer of the Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) to Glade I of the Central Trade Service (Joint Chief Controller of Imports and Exports) on regular basis with effect from the 29th January, 1987 until further orders. The promotion of Shri Lyngdoh is in accordance with the recommendations of the Departmental Promotion Committee. The promotion of Shri Lyngdoh to Grade I of he Central Trade Service is in accordance with the provisions of the Central Trade Service (Group 'A') Rules, 1977, as amended from time to time.

R. L. MISHRA

Chief Controller of Imports and Exports.

### New Delhi, he 12th February 1987

No. 6/1038/74-Admn(G)/Pt.II|810.—The President is pleased to appoint Shri B. A. Kulkarni, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Export Trade Control Organisation to Grade-II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the forenoon of 28-11-86 and until further orders.

### SHANKER CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports and Exports

### DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTEI-LIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700001, the 30th January 1987

No. Fstt.I 1(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Fstt.I/1(1) '85/6919-23 dt. 12-11-86. Shri Kumud Ranjan Biswas, Permanent Suncrintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics. Calcutta is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of one month with effect from 1-2-1987.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R SENGUPTA, Senior Deputy Director General

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) DIRECTORATE OF SUGAR

. . . - .

New Delhi-110001, the 10th February 1987

No. A 35021/1/86-Fstt.—Shi! T N Saraswat, Technical Officer (S&R) in the Department of Food is appointed on his temporary transfer on deputation, to the post of Inspecting Officer (Sugar), a group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 in the Directorate of Sugar, with effect from the 2nd February, 1987, until further orders.

V LAKSHMI RATAN Jt. Secy. (Sugar)

### MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st January 1987

No. 12(104)/61-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri P R Malhan, relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from afternoon of 31st December, 1986.

### The 30th January 1987

No. A-19018(550)/81-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Consultant on Government Industrial Data Base to Project in Indonesia under UNIDO Shri N. K. Bhatnagar relinquished charge of the post of Director (Grade II) (P oduction Index) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on the afternoon of 2-1-187.

No. A-19018(809)/87-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. B. Sharan, Accounts Officer, Department of Agriculture and Cooperation, New Delhi as Accounts Officer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 15-1-1987 until further orders.

C. C. ROY Dy. Director (Admn)

### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110001, the 14th January 1987

No. A-17011/317/86-A.6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shrit Hansraj Sharma as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group A' with effect from the forenoon of 13th November, 1986 and until further orders.

2. Shri Sharma assumed charge of the post of Assistant Director of L. ection/Inspecting Officer (Engineering) (Probation Reserve) in the office of the Director of Inspection, 15—486GI/86

Bombay on 13-11  $\delta 6$  (F.N.). He will be on probation for  $\alpha$  period of two years,

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DFPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th January 1987

No 601B/A-19011(1-KKB)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri K Krishna Bhat, Assistant Geologist, Ceological Survey of India to the post of Geologist (Jr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17-11-86 until further orders.

JAGDISH LALL Director (Administration)

#### Calcutta-16, the 5th February 1987

No 942B/A-19011(2-GJ)/84/19B—The President is pleased to appoint Shri A. S. Khotpal, Assistant Geophysicist, GSI on promotion to the post of Geophysicist (Junior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating car acity with effect from the forenoon of 21-5-85, until further orders.

No. 957B A-19012(2-M.M.S.)/86-19B.—The President is pleased to appoint Shri Man Mohan Singh, Asstt Geophysicist (Insttn). G.S.I to the post of Geophysicist (Jr.) (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officinting capacity we.f. 29-10-86 (F/N), until further orders.

### The 9th February 1987

No. 1327C/A-19012(1-SKSR)/79-19A.—The Director General, Geological Survey of India has permitted to withdraw the resignation submitted by Shri Swapan Kumar Sinha Roy, Assistant Geologist, Geological Survey of India. This is issued in supersession of this office notification No. 4260B/A-19012(1-SKSR)/79-19A dated 23-4-1985.

### The 10th February 1987

No. 565N/A-32013(1-RAO)/82-19A.—The President is pleased to approint Shri K. M. Goswami, Sr. Administrative Officer, Geological Survey of India on promotion as Regional Adm. Officer on pay according to rules in the cale of pay of Rs 1300-50-1700/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25-11-86, until further orders

A. KUSHARI Director (Personnel)

### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th February 1987

No. A-19011/263/86-Fstt A PP—On his retirement after attaining the age of superannuation, Shri C Aswathanaravan Asstt Controller of Mines is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the folenoon of 1st February, 1987 and accordingly his terms has been struck off the strength of establishment of this de artment

### The 13th February 1987

No A-19012(82)/77-Estt A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. Banerjee, Assistant Administrative Officer has been promoted to officiale in the post of Administrative Officer the pay scale of Re 840-40-1000-FB-40-1200/- in the Indian Bureau of Mines with effect from 5-2-1987 (F.N.).

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General

### Nagpur, the 10th February 1987

No. A-19011(292)/85-Estt.A.—On the recommendation the Departmental Promotion Committee Shri Brahmanandar Assistant Mineral Economist (Int) Indian But au of Mines has been promoted to officiate in the post of Deputy Mineral Economist (Int.) the pay scale of Rs 1100-50-1600/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 30th January, 1987 (F/N).

No. A-19011(399)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental promotion Committee, Shr. Aru-pananda Naik, Officiating Assistant Mining Geologist. Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effectrom the forenoon of 29th January, 1987.

### The 11th February 1987

No. A-19012(230)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. D. Vaidya, Sr. Tech. Asstt. (OD) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Research. Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 3rd February, 1987.

No. A-19012(231)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmen al Promotion Committee. Shri A. G. Patukale, Sr. Tech. Asstt. (Geo.) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Mineral Officer (Int.) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 3rd February, 1987

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer, for Controller General. Indian Bureau of Mines

### SURVEY OF INDIA

### Dehra Dun, the 3rd February 1987

No. C-8/718-A.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (General Central Service, Group 'B' post), Survey of India in the Revised Scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the date(s) as shown against each, on regular basis :---

Si. Name & Designation No.	Unit/Office	With effect from
1. Shrl P. L. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office	South Eastern Circle Office, Bhubanewsar.	1-12-1986 (F/N)
<ol> <li>Shri Manjit Singh, Superintendent, Surveyor General's Office.</li> </ol>	North Western Circle Office, Chandigarh,	30-12-1986 (F/N)
3. Shri P. N. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office.	Northern Circle Office, Dehra Dun.	22-12-1986 (F/N)

### The 11th February 1987

No. F1-10/594MANAGERS.—Shri Viiav Kumar is appointed to officiate as Assistant Manager (Man Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary post in the evised scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3700-100-3500 with effect from the forenoon of 24th December,

1986. His pay is to be fixed @ Rs. 2060/- (Rupees two thousand and sixty only) p.m.

> G. C. AGARWAI Major-General, Surveyor General of India

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1986

No. 9/27/82-SIII.—Consequent upon his confirmation as Scientist/Engineer 'SD' in the Department of Electionics, the Director General, All India Radio is pleased to accept the "Technical Registration" of Shri R. Subburaj 110m the post of Assistant Engineer, All India Radio with effect from 1st May 1984 1st May, 1984.

> Dy. Director of Administration for Director General

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-85, the 6th February 1987

Ref. No. DPS/B-3/Estt/87-Adm '6080.—Shri L. H. Bagwe, permanent Storekeeper and an officiating Asstt. Stores Officer, Central Stores Unit of this Directorate expired on 28-1-1987.

Ref. No. DPS/2/1(26)/83-Adm 7127.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. Saminathan a permanent Purchase Asstt. to officiate as a Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the scale Director. January 19, 1987 until further orders in the same Director-

### The 10th February 1987

DPS/41/12.85-Adm./7484.--The Director. Ref. No. Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. I. Khanna, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 1-9-1986 (FN) to 24-10-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri T. V. Ramaswami. Assit. Purchase Officer granted leave.

> B. G. KULKARNI Administrative Officer

### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 12th February 1987

No. AMD-8/7/85-Rectt./1559.—Director. Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mahabir Singh a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division for the period from 29-12-86 to 6-2-1987, vice Shri R. S. Gupta, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

> A. W. KHAN Sr. Administrative & Accounts Officer

### DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd February 1987

No. 1/87.—Shri A. B. Basu, lately posed as Supdt. Group 'B' of Central Excise Collectorate, Bolpur, on his appointment as Inspecting Officer, Group 'B' vide this Directorate General Order C. No. 1041/47/84-ERU dated 8-8-86 assumed charge of the post of Inspecting Officer. Group 'B' in the E.R.U. of this Directorate General of Inspection (Customs & Central Excise) at Calcutta w.e.f. 1-1-1987 (FN).

H. M. SINGH Director General of Inspection

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 13th February 1987

No. A-19012, 1180/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Nikhil Chandra Kundu Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500, - for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 18-8-1986.

M. R. SINGLE Under Secy, Central Water Commission

### MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF COM-PANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. S. S. Informatix Consultants Private Limited

New Delhi, the 17th December 1986

No. 12154-36072.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. S. S. S. Informatix Consultants Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

T. P. SHAMI Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI-V

NEW DELHI

New Delhi, the 24th December 1986

INCOME TAX

F. No. CIT-V/Jur./1/86-87/Vol. 1/2127.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax. Delhi-V, New Delhi, directs the abolition of the following addl. wards:—

SI. No.					whose administ tive control the ward is	administra- tive control the ward
1		2			 3	-
	vistte. (12) Addl. vistt. IV(7) Addl.	·	· ·	,	. V—A . V—C	

This order shall come into force with effect from 26-12-66

P. MAHAJAN Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta..the 22nd January 1987

Rcl. No. AC-73 R-II Cal/86-87,---Whereas, I, S. N. THWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the 1800 ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 1.03,000/- and bearing

No 19/81 situated at Block 'E' New Alipur, Calcutta-53 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registers for

has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta|86-87 dated 6-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex reds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Nildhan Majumder.

(Transferor)

(2) Sigo Housing & Credit Co. Pvt. 1.td

(Transferee)

(3) Mr. Nildhan Magumda Mr. Satyendu Majumdet & tamiy.

(Persons in occupation of the property)

(4) Sudhir Ch. Majumder, S. M. Majumder, Sangar Ch. Majumder, Suvendu Majumder, Indrani Roy, Sanjay Majumder, Ranajoy & Sujoy Majumder.
(Persons whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovare defined in Chapter XXA of the said able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ozzette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda \lambda \lambda \omega t$  in said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

7k. 43 sft. more or less situated at 19/81, Block 'E' New Alipur, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/9/R-II/Cal/86-87 dated 6-6-86 registered by the Competent Authority.

> S. N. TEWARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 22-1-1987

#### FORM !TNS--

(1) Raghunath Prasad Kanoria & Ors.

(Transferor)

(2) Chandra Estate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER (FINCOME-TAX, GOVERNMEN OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMEI) KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-74/R-II Cal/86-87.--Whereas, I. S. N. TEWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property No. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 15 situate at Burdwan Rd, (alcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration

No. 15 situate at Burdwan Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Office, at Competent Authority under Registration No 37EE/13/R-II at Calcutta on 11-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

Land with building measuring an area 2B. 5K. 10Ch. situated at 15, Burdwan Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/13/R-II/Cal/86-87 dated 11-6-86 registered by the Competent Authority.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-1-1987

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. 1AC/ACQ.IV/SR.I/6-86, 693.- Whereas, I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 25, Road No. 13, Punjabi Bagh

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

(1) Smt. Shanti Devi Ruheja W/o late Dr. P. C. Raheja, for Self and as General Attorney of her son. Sh. Satish Chander Raheja R/o E-289, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferot)

(2) Sh. Naresh Kumar (2) Sh. Raj Kumar sons of Sh. Mange Ram Aggarwal r/o 12/22, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"House Built on Plot No. 25, Road No. 13, mg, 561.21 sq. yds, situated at Punjabi Bagh, New Deihi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1987

### (1) Madeul Udvog.

(2) Smt. Sarita Goenka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF STORY OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-III. 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Ref. No. 2426/Acq. R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact of the section 1961 (1961) and the said Act of t movable property having a fuir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 176, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under Registration No. 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-smid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the appearance whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 4A having an area of 1800 Sq. ft. at 176, Sarat Bose Road. Calcutta along with one covered car parking space. Registered before IAC., Acq.R-III. Cal., vide 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-5-86.

> I. K. GAYEN Competent Auran a Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Ras Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 28-1-87

Seal ·

- (1) K. N. Properties Pvt. 1 td.
- (Transferor)
- (2) Brabourne Investments Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th lanuary 1987

Ref. No 2472 Acq. R-III, Cal. 86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 1,90,000/- and bearing

and bearing NS. 1,50,0007- and bearing NS. 1,50,0007- and bearing NS. 11A situated at Palm Avenue, Colcutta and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and regulated under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under Registration No. 37EF/Acq. R-III/119 dated 16 6-86 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2D on the 2nd floor measuring 1927 Sq. ft. at 11A, Palm Avenue, Calcutta Registered before I.A.C. Acq R-III, Calcutta, vide 37I-F Acq R-III/119 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner in Income-tax Acquisition Range-I'I 54, Rafi Ahmed Kidyai Roa Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-1-87

Scal:

- (1) Smt. Nandıni Bansal.
- (Transferor)

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Sci Ravi Shankar Saraogi. Smt. Usha Saraogi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Ref. No.  $2428/\Lambda cq$ . R-III/Cal/86-87 —Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000, and bearing No. 18/2 situated at Garlahat Road, Calcutte ford more fully described in the Schedule appared bases.

Rs. 5,00,000, - and bearing
No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
under Registration No. 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the swid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 8B on 8th floor measuring 1406 50 Sq.ft. at 18/2, Gariahat Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE 'Acq. R-III/144 dated 16-6-86.

THE SCHEDULE

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—486GI/86

Date: 28-1-87

(1) Harmeet Singh Kalra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Builders. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

Ref. No 2429/Acq R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the build Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 )/- and bearing

No. 190 squared at Sarat Bose Road, Calcutta-29 (and more fully described in the Sakadula account

No. 190 shuated at Sarat Bose Road, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority u's 269AB of the said Act read with Registering Officer at Calcut'a under registration No. 37EE/Acq. R-III/89 Rule 48DD(a) of Income-tax Rules, 1962 on 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market vlaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hymore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

FAPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All brick built messuage tenament or dwelling house together with land area 7 Cottahs 2 Chittaks & 20 Sq. ft. at 190, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/89 dated 16-6-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 19-2 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 28-1-87

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Ganga Devi Das.

(Transferor)

(2) M/s. Satyam Projects Ltd.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta, the 2nd December 1986

Ref. No. 2393/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, J, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Bijoy Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Registering Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq. 2-111/139

No. 139 dated 16-6-1986

No. 139 dated 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

12 Cottahs of land with two storied brick built old house at 2, Bijoy Basu Road, Calcutta, registered before I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/139 dated 16-6-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 2-12-1986

Scal:

(1) Genelec Itd

(2) Shib Shankar Basu.

(Transferor)

(Transferce) ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ΔCQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta, the 2nd December 1986

Ref. No. 2394/Acqn.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 34 situated at Allemby Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority U/S 269AB of the said Act read with Registering Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq. R-III/89 Rule 48DD(a) of Income-tax Rules, 1962 on 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may, be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used being as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No. C & D at 34, Allemby Road, Calcutta-20, measuring 1752 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acqn. R-III Calcutta, vide 37EE/Acqn. R-III/143 dated 16-6-86

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1986

- (1) M/s. R. N. A. Builders.
- (Transferor)
- (2) Mis. Tabassum D. Choudhary.

(Transferse)

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II B-CONTRACTOR BUILDING, BALLA BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A.R II B/37ŁE-34551/85-86.—Whereas, I, M. S RAI.

M. S RAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000 /- and bearing Flat No. 51, 5th floor A-Wing, Natendra Apartment, at Khai Danda, Bombay-400052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 6-6-1986

on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) for intating the concealment of any income or any one s or other assets which have not been or the hought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 ('1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person in crested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 5 A-Wing 5th floor, Narendra Apartment at Khar Danda, Bombay-52

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/345516 on 6-6-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 9-2-1937

1872

### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Shri Vasudev C. Wadhwa,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II B-CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A. R. II-B, 37EE, 34877/86-87,—Whereas, I, M. S. RAI.

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61 6th floor "SNANTIVAN" Plot No. A-7, at Junction of 14th A Road, and South Avenue, Khar, Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 20-6 1986
for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

rfew, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said languages able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, "SHANTIVAN" on Plot No. A-7, at the Junction of 14th A Road and South Avenue, Khar, Bombay-400052.

The Agreement has been registered by the Competent Auahority, Bombay under No. AR.II/37EE/34877/85-86 on 20.6-1986.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date 9-2-1987

Soal:

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Dudani Exports (P) Ltd.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II B-CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A.R.II-B-37EE/34578/85-86 —Whereas, I, M. S. RAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32 on 3rd floor 'SHANTIVAN' Plot No. A-7, at the junction of 14th A Road & South Avenue, Khar Bombay-52:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be essent by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons;
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 3rd floor. "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at the junction of 14th A Road and South Avenue, Khar, Bombay-52.

Bombay-52.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34878/85-86 on 20-6-86.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date · 9-2-1987 Seal :

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(2) M/s. Dudani Exports (P) Ltd,

(Transferor) (Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th February 1987

Ref. No. AR.II-B/37EE/34879/85-86.--Whereas, I, M. S. RAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 31 3rd floor "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at Junction of 14th A Road & South Avenue, Khar, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: uså /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the mid property many he made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of the of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor "SHANTIVAN" on plot No. A-7, at the junction of 14th A Road & South Avenue, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34879/85-86 on 20-6-1986.

M S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II-B Bombay.

Date: 9-2-1987

- (1) Aruna Ban Manu Bhai Desai.
- (Transferor)
- (2) Parasmal K, Surana & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLIARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II 37EE/34506 85-86.—Whereas, I. M. S RAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Fl. Santacruz Pretty Himalaya Co-op. Hsg. Scy. Ltd., 6th Road, Opp. Dena Bank Santacruz (F). Bombay-53

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the ompetent Authority at Bombay on 6-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i Flat No. 3, 1st Fl. Santacruz Pretty Himalaya Co-op. Hsg. Scy. Ltd., 6th Road, Opp. Dena Bank Santacruz (E), Bombay-400 055.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34506/85-86 on 6-6-1986,

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

17-486GI/86

Date: 10-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

THE SCHEDULE ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq 37EE/15/414/86-87.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq 37EE/15/414/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Combetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'gaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301 on 6th floor situated at Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon (and more tully described in the Schedule annexed hereo has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/15/414/86-87/2219 dated 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or unv moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 M's. Omega Commercial Pvt. Ltd., 35 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Fibres Ltd., Fxpress Building, 9-10. Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being flat No. 601 on 6th floor, Building No. B in Surya Vihar Apartment at Dundahera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No. 37EF/15/414/86-87/2219 dated 26-9-86 with this office.

> MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 15-1-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EE/16/415, 86-87.—Whoreas, I.

Ref. No. IAC/Acq/37EE/16/415, 86-87.—Whereas, 1, MANIA CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 301 Block B, situated at Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rehtak under Registration No. 37EE/16/415/86-87] 2225 dated 26-9-86 2225 dated 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M's. Omega Commercial Pvt. Ltd., 35 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Fibics Ltd., Express Building, 9-10, Bahadui Shah Zafai Marg, Now Delhi.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being flat No. 301/B Building on 3rd floor, Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No 37EE/16/415/86-87 2225 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC Acq/37EE/17/416/86-87.—Whereas, 1, MANIK CHAND,

MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402 on 4th floor situated at Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of '1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 3/FE/15/414/86-87/2216 dated 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd., 35 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shti Ram Fibres Ltd., Express Building, 9-10, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used notein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being flat No. 402 in apartment Building No. 'C' in Surya Vihar Apartment. Dundahera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No. 37EE/17/416/86-87/2216 dated 26-9-86 with this office

MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 15-1-1987

### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd., 45 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Shu Ram Fibres Ltd., Express Building, 9-10. Bahadur Shah Zatar Marg, New Delhi.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF 'NCOME-TAX

ACQUISITION RANGL ROHTAL

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EF/18 417/86-87.—Whereas, I. MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the un-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602 on 6th floor situated at Surya Vihar, Dundahera Disti. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/18/417/86-87/2209 dated 26-9-86 2209 dated 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protein has not been trilly stated in the roll. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- 43) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

- tal facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliting the concealment of any income or any macines or the assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the jurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ct 1957);

### THE SCHEDULE

Froperty being flat No 602 on 6th floor in apartment Building No C in Surya Vibar Apartment Dundahera Distt. Give of and as more mentioned in the agreement registered at Sc No 37EF/18/117/86-87/2209 dated 26 9-86 with this

MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date . 15-1-1987 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OS THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ∆ QUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/57EE/19/418/86-87.—Whereas, J. MANIK CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing flat No. 502 on 5th floor building No. C situated at Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/19/418/86-87/2213 dated 20-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd., 35 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(2) M. s. Shri Ram Fibres Ltd., Express Building, 9-10, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being flat No 502 in apattment Building No. C in Surya Vihar Apartment, Dundahera Distt. Gurgaon and as more mentioned in agreement registered at Sr. No. 37FE/19/418/86-87/2213 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date: 15-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EE/20/419/86-87.--Whereas, I, MANIK CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment No. 302 Block 'C' situated at Surya Vihar, Dundahera Distt, Gurgaon to the Solved Park (1974) and bear of the Solved Park (1974).

situated at Surya Vihar, Dundahera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/15/414/86-87/2366 dated 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M. s. Omega Commercial Pvt. Ltd., 35 Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. H. N. Chopra, Orunguli Tea Gurden, P O. Panorihat, Darrang, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being apartment No. 302 Block C Surya Vihar Apartments, Gurgaon and as more mentioned in agreement registered at Sr. No 37EE 20/419/86-87/2366 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1987

### FORM I'INS----

NOTICE UNDER-SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acg./37EE/21/420/86-87,-Whereas, I. MANIK CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 907/b Bldg. on 9th flloor situated at Surya Vihar,

Dundahera (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

at Rohtal under Revistration No. 37F1 /21/420/86-87/2206 on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd., 35-A, Regal Building, Parliament Street. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudhaben Sanatkumar Shah, Mr. Sanjay Sanatkumar Shah, Mr. Pardeep Sanatkumar Shah, c/o Multigraph Machinery Co., Manu Mansin, 16 Shahid Bhagat Singh Road. Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gractic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability in respect of any income arising from the transfer and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being flat No. 907/B Bldg. on 9th floor Surya Vihar, Dundahera District, Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Si. No. 37EE/21/420/86-87/ 2206 dated 26-9-1986 with this office.

> MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/22/421/86-87.--Whereas, I. MANIK CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 902/C Bldg. on 9th floor situated at Surya Vihar,

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Rohtak under Registration No. 37EF/22/421/86-87|2203 on 26-9-1986

87/2203 on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd., 35A Regal Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Narendra Coradia, 106/Bfi Mittal Tower, Nariman Point. Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) 'y any other person interested in the said immev-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being flat No. 902/C Bldg. on 9th floor in Surya Vihar, aparemtn at Dundahera District Gurgaon and as more mentioned in the agreemnt registered at Sr. No. 37EE/22/421/86-87/2203 dated 26-9-1986 with this office.

MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nosice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, \*amely:---

18-486GI/86

Date: 15-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/23/422/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Apartment No. 4 in Bldg. No. 27 SM situated at DLP Qutab Enclave Complex Ditsirct Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rohtak under Registration No. 37EE/23/422/86-87 2200 on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s DLP Universal Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. K. Misra and Mrs. Sudha Shukla, B-23, Chirag Enclave, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being apartment No. 4 in building No. 27 SM, DLF Quitab Finclave Complex, Gurgaon and as more mentioned in the agreement deed registered at Sr. No. 37EE/23/422/86-87/2200 dated 26-9-1986 with this office.

> MANIK CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-1-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 24th December 1987

Ref No 1AC/Acq/GRG/84/86-87—Whereas, I, B. L KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing

land 327 kanals 15 marlas situated at village Choma Tch

Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at [Jurgaon under Registration No 3159 on 8-9 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

(1) Shri Rajeev Seth, s/o Shri Imiat Lal Seth, Shri Lurat Lal Seth, s/o Shii Sui Niwas Seth, r/o 80, Paschim Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Mahesh Sayal, s/o Shii Shii Ram Sayal Shii Arjun Sayal, s/o Shii Mahesh Sayal, r/o 3/68, Safdarjang Enclave, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I xplanation — The terms and expressions used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 327 kanals 15 marals situated at village Choma Tch Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr No 3159 dated 8-9-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 24-12-1986

(1) M/s K. M. Rubber Industries Pvt. Ltd., Shukul Kund Road, Ambala City.

(Transferor)

(2) B/s Bata India Ltd., 30 Shakespeare Sarani, Calcutta.

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th December 1987

Ref. No. I.A.C./Acq/AMB/3/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Factory building 8.20 KM post from Ambala Cantt. on Ambala Karnal situated at G. T. Road in village Mohra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Ambala under Registration No. 4251 on 28-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability.

of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice. In in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at 8.20 KM post from Ambala Cantt. on Ambala Karnal G. T. Road in village Mohra and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4251 dated 28-8-1986 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-12-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 6th January 1987

Ref. No. 1.A.C./Acq. 37EE/413/86-87.—Whereas, I,

B. L. KHATRI, being the Comptent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 502 on 5th floor in Surya Vihar Apartment, Blds.

B' situated at Dundahera (Gurgaon)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Rohtak under Registration No. 37EE/413/86-87 on 20-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd., Regal Building, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Om Parkash Mathur and Dr. (Mrs.) Mithlesh Mathur, 10 Mistry Manor, Napean Sea Road, Bombay-400 006

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being flat No. 502 on 5th floor in Surva Vihar Apartment, Bldg. 'B' at Dundahera District Gurgaon and as more mentioned in the agreement deed registered at Sr. No. 37EE/413/86-87 dated 206-1986 with this office.

> B. L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 6-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th January 1987

Ref. No. C.R. No. 62/50136/86-87/ACQ|B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 42 & T.S. No. 125/1 situated at Attavar Village,

Mangalore

'and more fully described in annexed hereto), has been (tunsferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore City on 17-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri A. J. A. Robello and Sri M. M. S. Robello, Sons of late Sri J. M. J. Rebello, 'Prem Vihar', Falnir, Mangalore-575 002.

(Transferor)

(2) Mrs. Rita M. T. Rebello, w/o late Sri J. M. J. Rebello, 'Prem Vihar', Falnir, Mangalore-575 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same, meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 437/86-37

Dated 17-6-1986)

Immooveable properties held on Mulgent Right, situated in Attavar Village of Mangalore Taluk and within the Balmatta Ward of Mangalore City Corporation and within the registration Sub-District of Mangalore City, and comprised in:

R.S. No.	T.S. No.	Extent	Remarks
42	125/1	A.C. 0-231 North W	estern portion
Boundires-			

North & West: Survey Lines.

East: The remaining portion of the same S. No. allotted to Sri F. P. S. Rebello.

South: The remaining portion of the same S. No. and Common Road, together with building bearing Door No. 16-9-532 (new), trees, appurtenances, easementary and mamul rights of way and water.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-1-1987

Sonl:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1987

C. C. No. 62/50178/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 110/6, situated at VII Cross, Rajamahal Vilas Extension,

Bangalore-560080

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar, Bangalore on 19-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sri P. C. Giri s/o late Sri F. C. Giri
  - Sri Avinash Giri
     Sri Vinod Giri &
  - 4. Sri Rajiv Giri

All sons of Sri P. C. Giri, No. 110/6, VII Cross, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-560 080.

(Transferor)

(2) 1. Sri B. R. Sachdev s/o late Sri Amarnath Sachdev.
2. Mrs. Pushpa Sachdev w/o Sri B. R. Savhdev &

3. Sri B. R. Savhdev, s/o Sri B. R. Sachdev, All r/o 271, Upper Palace Orchards, Bangalore-560 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 462 Dated 19-6-1986)

All that piece and parcel of land with building thereon now known as and bearing Corporation No. 110/6, situated in VII Cross Rajamahal Vilas extension in Corporation Division No. 82 (old No. 45), Bangalore

Boundaries :-

East—By VII Cross.
West—By private property bearing old site No 107. North—By private property bearing old site No. 109. South—By private property bearing old site No. 111.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dato: 9-1-1987

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 16th January 1987

C. R. No. 62/50193/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1 R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 275/31, situated at 17th Cross Road, Sadashivnagar,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 3-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Padma Ramaswami Sri Ashish Rajun s/o K. N. Rajun, No. 115, 9th Main Road, Rajmahad Vilas Extension, Bangalore-560 080. (Transferor)

(2) Mamata R. Shetty D/o R. N. Shetty, No. 122, Cunnigham Road, Bangalore-560 052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE'

(Registered Document No. 1104 dated 3-9-86)

All that Piece and Parcel of Premises bearing No. 275/31, old site No. 275 situated at 17th Cross Road, Sadashivnagar, Corporation Division No. 82 (old Division No. 45) Bangalore and more fully described in the Schedule to the sale deed dated 3-9-1986

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 16-1-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st December 1986

C. R. No. 62/DR. 1767/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chalta Nos. 41 & 42 of P.T. Sheet No. 252 situated at

Talegao, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bangalore on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---19-486G1/86

(1) I. Shri Antonio Bento Cambro Lso Pedro Redriques

2. Smt. Alice Viceneta de Piedade Dias 3. Miss Maria de Fatima da Piedade Dias Rodriques

4. Smt. Alba Francisca da Piedade Dias F. RodriquesSri Fernando Joso Felix da Silva

5. St. Jaselito da Piedade Dias E. Rodrigues 7. St. Autonio Tulemino Matias Sequeira Martins and

8. Smt. Olga Aires Fernandes Martins. All are Residents of Talcigao village, Panaji, Goa. (Transferor)

(2) M/s. Thays Homes & Estates Panaji,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1315/86-87 dated 2-6-86) All that property known as 'Afonsachi Toloy' also known as 'codxell' situated at 'Taleigao, Taluk Tiswadi and registered in the land registration office of Ilhas, Panaji, Goa under No. 10815 & Surveyed under Chalta Nos. 41 & 42 of P.T. Sheet No. 152 of Panaji city, measuring about 2664 sq. mts. The property is bounded by east the local limits of the Taleigao village panchayat, by west property of Aleixo Vieges & public Road, by north property of Raguel Valles. Camilo Luies & Antonio Veiges, and by South properies of Aur liano D'Melo.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-12-86

Scal:

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bi agalore, the 8th December 1986

C. R. No. 62/DR. 1768/86-87/ACQ/B -Whereas, I R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and beating
Survey Chalta No 54 of P.T Sheet No 124 situated at
Altinho, Mapuca, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Bangalore on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to I.A.C., Acq., Acq., R-III, Calcutta, under Registration No. of 1908), in the Office of the Registering Office at 37EE/R-III/4 dated 14-5-86.

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Rev. Fr. Luis Rafael Augustinho de Sa alias Raphael Augustinho de Sa.
2. Rt. Rev Mgi. Cecil Piancis Jose de Sa.
3. Mr. Antonio Woffungo de Sa alias Anthony de

4. Mrs. Helen de Sa All are residing at Flat No. 602, 'prahlud', 17, Linking Road, Santa Cruz (West), Bombay-400 054.

(2) M/s. Alcon Real Estates (P.) Ltd., Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1316/86-87 dated 2-6-86)
All that landed property called 'Temericho Sorvo' with a residential building thereon situated near the civil court at Altinho with in the Municipal limits of Mapuca town, Taluk & registration of Sub-District of Bardez, District of Goa, described in the land Registry of Bardez,

under No. 32850 at
Folio 122 (overleaf) of Book No. B-84, inscribed under No.
26797 at Folio 115 (overleaf) of Book No. G-32 on
15-4-1935 in favour of Fr. Joaquim Luis de Souza and Maria Natalina Francisca de Souza e Sa, registered in the Matriz Predial under No. 1066 of 1st Circumscription, Surveyed in the City Survey of Mapuca under Chalta No. 54 of P.T. Sheet No. 124 having an area of 1069 Sq. Mts. and more fully described in schedule to agreement dt. 29-3-86.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dated : 8-12-86

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1987

No. R. 2212/86-87/ACQ/B.-Whereas, I R. BHARDWÁJ.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sail Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2 (old No. 9), situated at Church Street, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen preparents of such apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenn the parties has not been truly stated in the In trument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. G. Felix, Power of Attorney Holder, M/s. Prestige Commercial Complex, No. 2, (old No. 9), Church Street, Civil Station, Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Shri Arjun M. Menda, C/o M/s. K. Raheja Development Corporation. Thud Floor, Centenary Building, No. 28, M. G. Road, Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1772/86-87 dated 2-6-1986)
All that piece and parcel of 84% of undivided interest in the land bearing No. 2 (old No. 9), Church Street, Civil Station, Bangalore, measuring 150 ft. by 86 ft. along with the complete building except the possession and enjoyment of ground floor (i.e. complete built-up area of 1st 2nd, 3rd and 4th floors (each floor 9620 sq. ft.) and built-up area on 5th floor of 2874 sq. ft. along with complete basement area bounded on the East by No. 1. Church Street, West by No. 3, Church Street, North by Church Street and South by a residence on Rest House Road residence on Rest House Road,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1987

No. R. 2218/86-87/ACQ/B .-- Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Aange, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Municipal No. 15 (10rmerly No. 2), situated at Palmgrove Road, Austin Town, Bangalore-560 047, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value c' the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. P. Sharada Devi, w/s late Shri K. Navneetha, No. 47, Rangaswamy Temple Street, Chickpet, Bangalore-560 023.

(Transferor)

(2) M/s. Skyline Construction Private Ltd., Unit-II, First Floor, St. Patrick's, Business Complex, Museum Road, Bangalore-560 025

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1768/86-87 dated 2-6-1986) (Registered Document No. 1768/86-87 dated 2-6-1986)
All that piece and parcel of land together with the constructions standing thereon, known as "The Palm', and now bearing Municipal No. 15 (founerly 2), Palmgrove Road, Corporation Division No. 62, Austin Town, Bangalore-560 047, approximately measuring 33,700 sq. ft. and bounded on he—North by: Private property.

South by: Private property.

East by: Private property and Main Palmyrova Road.

East by : Private property and Main Palmgrove Road,

and

West by : Private property.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 9-1-1987

#### FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

R. No. 62/DR-1769/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural lands bearing survey No. 113, situated at Cavellossim Village, Salcete Taluka, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto.) has been registered with the competent authority under Section

269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to ray tax under the said Λct, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Rosinha Rodrigues,
  - w/o Sin Antonio Rebello D'Costa.
    2. Smt. Estella Rodrigues,
  - w/o Sri Conceicao Dias and 3. Smt. Damasia Leucadia Dias, w/o Sri Casimio Mendes. Cavellossim Village, Salcete Taluka, Goa. (Sl, Nos. 1 to 3).

(Transferor)

(2) M/s. Tourist India Private Limited, Room No. 14, Bombay Mitual Chambers, 19-21, Ambalal Doshi Marg, Bombay. Pin Code—400 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1317/86-87 dated 2-6-1986)
All those pieces or parcels of agricultural Linds consisting of coconut grove and vegetable plantation one known as NCNO LANCO DE PRAIS, situated in the village of Cavelossim, Taluka and Sub-District of Salcete, within the limits of the Village Panchayat area of Cavelossim of District of Goa, described in the Land Registration Office of Salcete under No. 25176 and Land Revenue Records under No. 935 bearing Survey No. 113, containing by ammeasurement 30250 serings of the tries of the Village of Cavelossim Taluka and Sub-District of Salcete, within the limits of the Village Pauchayat area of Cavelossim of District of Goa described in Land Registration office of Salcete under No. 41856 and Land Revenue Records under No. 936 bearing Survey No. 113 containing by admeasurement 6875 sq. mts. or thereabout, and marked on the plan annexed hereto and shown thereon surrounded by red coloured boundary lines. (Registered Document No. 1317/86-87 dated 2-6-1986)

> R. BHARDWAI Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITON RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

No. DR.1770'86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing Survey No. 127/9

situated at Alio Betim, Village Panchayat of Penha de Franca, Taluka Burdez, Sub-District of Ilhas, District of Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore on 17-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Lansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Leonor Rangel Ribeiro, Porvorim, Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Zenith Magnetics Pvt. Ltd., Represented by its Director, Shi J. K. Saraf, Shi J K Saraf, No. 106, Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1323/86-87 Dated 17-6-86)
All that part and parcel of the property at survey No. 127/
9, situated at Alto Betim, Panchayat of Penha de France,
Taluk Bardez, Sub-District of Ilhas, District of Goa and the
area of the land admeasuring 2000 s.p mts. and more fully
described in the schedule to the agreement dated 29-11-1985.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-1-1987

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R No. 62/DR.1771/86-87/ACQ/B.—Whereas, I.

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Known as 'Malbata', situated at Margao, Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Papealors on 25-6-1986

Bangalore on 25-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evesion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be dislosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1 · M/s. Y. D. Sadekar & Bros. New Market, Margao,

(Transferor)

(2) M/s Kuitharkar Real Estates, No. 322-A, Malbrat, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1332/86-87

Dated 25-6-86)

All that piece of land denominated 'Maleabata' or 'Malbata' ituated at Margo, Salcete, Goa, registered under No. 17,400 st Land Registration Office of Salcete and more fully described 11 the agreement deed dated 12-5-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date · 21-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISIION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

Ref. No. R.2219/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 14, situated at M.G. Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at

Bangalore on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely :--

- Shri T. N. Krishna Reddy
   Shri T. N. Ananda Reddy

 Sill I. N. Anada Reddy
 T. N. Ramakrishna Reddy
 Mrs. T. N. Sreelatha
 Shri T N. Vijayanarayana Reddy No. XVI-613 M. G. Road, Madanapalle, Chittor District, Andhra Pradesh (Sl. Nos. 1 to5) Rep. by Power of Attorney Holder,

Shri T. N. Krishna Reddy Shri P. Chenga Reddy Shri P. Varada Reddy Mrs. P. Rajeshwaramma

 Mrs. P. Jyothi Reddy
 Shri P. Pradyumna Reddy
 No. 4, 4th Street, Rutland Gate, Nungambakkam, Madras 6 (Sl. Nos. 6 to 10). Rep. by Power of Attorney Holder Sri P. Chenga Reddy

(Transferor)

(2) M/s. Naveen Hotels Ltd. No. 4, Ashokanagar Road, Hubli.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No 1769/86-87

Dated 2-6-1986)

All that part and parcel of the vacant land at No. 14, M. G. Road, Bangalore, measuring about 12,215 sq. ft.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/DR-1774/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 276 and 277 situated at Panjim, Sub-District of Ilhas, District of Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore-560001 on 4-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the fid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—486GI/86 (1) M/s. Sousa Towers, Dr. Doingos Ropue De Souza Road, Opp. Municipal Garden, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Agnelo D'Souza, CS, Laxmi Housing Society Comba, Margao, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1343, 85-87 Dated 4-7-1986) All that part of piece of one shop No. G-5 of 24.82 sq. mts. On the ground floor of the said "Casa Dr. Goingos Rouque de Sousa" on the ground floor of the said "Casa Dr. Doingos Roque de Sousa" building together with 35 sq. mtrs. of basement area situated at Panaji, Sub-District of Ilhas, District of Goa and more fully described in the Schedules to the agreement for sale dated 18-4-1986

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-1-1987

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISIION RANGE BANGALORE-360001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/50133/86-87/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 49/1 and 49/3

situated at Garvebhair Polya, Hongasandra Dakhale, Begur Hobli, Bangalore, South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 4-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid according to the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Ramarathnamma, W/o Shri Rajagopal No. 355, V Main, III Block, III Stage, Basaveshwaranagar, Bangalore-560079.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Mohd. Shabbir, S/o Syed Mohideen Saheb, "Syed Manzil", P.O. Kukundoor, Karkala (S.K.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gasetta.

Explanation s—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the si Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Dated 4-6-1986) (Registered Document No. 1566 Converted land in Sy. No. 49/1 and 49/3 of Garvebhair Palya, Hongasandra Dakhale, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 21-1-1987

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISIION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/50186/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 Old No. 3/5) Millers Tank Bund Road situated at Cauverappa Lay out, Civil Stations, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 13-8-1986

for an apparent consideration which is less than the tau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nelufferzeb, No. 1, Cleveland Road, Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) Smt. Jayanthi Shyam & 2 others, No. 18, Kasturbai Road, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No 1204/86-87

Dated 13-8-86)

All that preperty bearing Municipal Corporation No. 8. Old No. 3/5 at Millers Tank Bund Road, Cauverappa Lay out, Civil Stations, Bangalore-560052 under Corporation Division No. 59.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangatore

Date: 21-1-1987

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Y. Ramachandra Naidu, No. 102/2, II Main Road, Tata Silk Farm, Bangalore-560004.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITON RANGE. BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

 Shri R. A. Sanjeeva Murthy,
 Shri R. A. Harish,
 No. 10, Sannidhi Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- C.R. No. 62/50195/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 43/2

situated at Subbarama Chetty Road, Basavanagudi, Bangalore-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the Office of the Registering Office at Basavanagudi on 7-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 1305

Dated 7-8-1986)

All that piece and parcel of house property No. 43/2 situated in Subbarama Chetty Road Basavanagudi, Bangalore-560004 consisting of ground and first floors. More fully described in the schedule to the sale deed dated 7-8-1986.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 21-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C. R. No. 62/50176/86-87/ΛCQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10, 2 (T-115) situated at Thigalara Periannagalli Sardar
Patrappa Rcud Cross, Bangalore-560002
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Office at
Gandhinagar on 29-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by

more than fifteen per cent of such apparent consideration und that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimathi Sydanabi, 10/2, I Floor, Thigalara Perriannagalli, Sardar Patrappa Road cross, Bangalore-560002.

(Transferor)

(2) M/s Sree Enterprises, Rep. by Managing Partner, S. A. Vasudeva Murthy, Regd. Office at No. 4/C, North Public Square Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1408/86-87 Datead 29-8-86]. All that Property bearing No. 2 (old No. 10) (T-115) in Thigalara Periannagalli, Surdart Patrappa Road Cross Bangalore-2. More fully described in the Schedule to the sale deed dt, 22-8-86.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 21-1-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C. R. No. 62/50126/144/86-87 ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Cardamon Plantation bearing survey number 63, si uated at
Mudur Village, Kundapur Taluk, Dakshina Kannada Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at
Shankaranarayana, South Kannara on 6-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cont of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s. Sri Mukambika Agricultural Estates and Forest Industries Private Limited, Rep : by its Managing Director, Shri N. M. Mohamed Haje, S/o Late Sri Koya Kut ty Hajee, Balmatta, Mangalore.
- (Transferoi) (2) M/s. Diamond, Valley Enterprises, Regd. Office at Ramapuram House, Nagori, Mangalore, Rep; by its Partner, Shri ABE T. Ramapuram, S/o Sri Thomas F. Ramapuram, 'Ramapuram House', Hill Gurden Nagori Kankanady, Mangalore-575002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 89/86-87 Dated 6-6-1986)

Immoveable property consisting of Cardamom Plantation situated at Mudur Village, Kundapur Taluk, Dakshina Kannada District, bearing the following survey numbers and extent described herebelow:

S. No. Kissam Extent 63 Punia 261 acres (North-west (Cardamon) Boundaries ---South S. No. 63 S. No. 62 West North Gunbina Holo East S- No. 63

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date : 20-1-1987

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th January 1987

R. No. 62/DR.1766/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 251 of P.T. Sheet No. 237 situa ed at Comba,

Margoa, Goa

Margoa, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax unifor the taid Act, in respect of any income artising from the quantities and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. V. Naik & Associates, Builders & Estates Developers,

Represented by its partners—

(1) Shri Venkatesh Vassudeo Naik.

(2) Smt. Durgabai Vassudeo Naik,

No. 393, Comba, Margao, Goa-403601.

Transferor (S)

(2) M/s. Ruby Builders, Off. at 5th Floor, Ni ari Bhavan, Panjai, Goa-403001.

Transferee (S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1314/86-87 Dated 2-6-1986]. The land agreed to be sold is the Southern portion of the property hereinbelow described and was duly disannexed by the erstwhile owners as per the laws in force. The descrip-tion of the erstwhile entire property is as under:

Property known as "Botancho Dando" or "Comba" (half of the northern side of 16th lote) of cultivation of coconut trees and other fructuferous trees, situated at Comba, Margao Goa, within the Margao Municipal Council Area, Taluka and Sub-District of Salcete, District of Goa, described in the and Registration Office of Comarca of Salcete at Margao under No. 33118 at pages 95 of Book B.85, New series, bounded on the East by road, on the West by property of heirs of Miguel Antonio Lobo, on the North by property of hoirs of Miguel Antonio Lobo, on the North by property of the said Lobo and by property of the same designation (half of southern side of 16th lote) described under No. 24689, New Series, of Xembu Atmarama Poi Palondicar. The said property is half of northern side of the property described under No. 8011, old series. Pronerty known as "Botancho Dando" or "Comba" (half

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 9-1-1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th January 1987

Ref. No. 1725/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 101/1 & 101/2 situated at Mabor, Cavelossim

Village, Salcete Taluka, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Salcete Taluk, Goa on 10-6-1986

Salcete Taluk, Goa on 10-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said transfernment the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evosion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) 1. Shri Acacio Camara, S/o Shri Rosario Francisco Amarante Camara and 2. Smt. Delia Gerson Rebello Camara, D/o Shri Francisco Xavier Gerson ebello. Borda, Margao, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Averina International Resorts Private Ltd., Regd. Office at House No. 194, Veroda-Cuncolim, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 119/86-87 Dated 10-6-86]. All that agricultural property known as "SETIMO LOTF DE FRALAS" alias "MILAAGROSA SANTA CRUZ" situated at Mobor within limits of the Village Panchayat of Cavelossim, aluka and Sub-District of Salcete, District of Goa, described in the Land Registration Office of Salcete under number 2080 at folios 46 V of Book B-6 new, and enrolled in the Taluka Revenue Office of Salcete under Matriz number 1787 bearing survey numbers 101/1 and 101/2 of the Village of Cavelossim of Salcete Taluka and bounded as follows:

on the East-By river Sal and aforamento of Paulo Dias;

on the West-By the water of Arabian Sea;

on the North-By public Gomes and property of Paulo Dias: and

on the South-By eight lote of Joaquim Roque Correia Afonso.

The said property admeasures about 142,500 (one hundred forty two thousand and fifty five) square metres and is indicated in in the plan hereto annexed and admeasuring about 92 000 (ninety two thousand) square metres identified in he plan hereto annexed under letter Al.A2, B and C delinented in the plan hereto annexed in red boundary and shaded in green and yellow respectively. The said property hereby conveyed is bounded as follows —

On the North—By the property bearing survey nos. 103/1.103/6 & 102/7.

On the South—By remaining portion of the sold proper'y described in Schedule I belonging to the vendors. On the Fast—By river Sal: and On the West—By the Arabian Sea.

R. BHARDWAT Competent Anthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date · 9-1-1987

NOTICE- UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC Acq.III /37EF /6-86/35.—Whereas, 1. ASHOK KACKER,

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-1001 & 1002 on situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 1 T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-21-486GI/86

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Kumari, Miss Nalini Khanna and Miss Virdhani Khanna, 8 Sector, 9, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A 1001 & 1002 on A 10th floor at 22. Bara-Late Road, New Dolle: Area 1100 sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-86/36.—Whereas, I, ASHOK KACKÉR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Rented flat No. 4/12th floor, New Delhi House situated at New Delhi

New Deini (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at IAC Range, New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to halieve that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Tej Properties (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Sandip Kaur & Mrs. Inderit Kaur, C-139, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rented flat No. 4/12th floor, leased to RITES, Building New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi. Area 1004 sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-86/37.—Whereas, I. ASHOK KACKÉR,

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at 3rd floor, Space No. 33 Arunachal, 19, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at IAC Range, New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Tushar Bhargava, A-21, Oberoi Apartments, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Lal, Sarna Mrs. Promilla Sarna, Mr. Dharminder Sarna, Sh. Dhiraj Sarna, Master Ashish Sarna, R/o B-4/39, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

. . . . . . . .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat at 3rd floor, Space No. 313, Arunachal, 19, Barakhamba Road, New Delhi (500 s. ft.).

> ASHOK KACKER Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/6-86|3284|37-A.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authorityunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

Property No. M-1, Conn. Circus, New Delhi,
situated at New Delhi/Delhi. (
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred registered under the I. T. Act, 1961
(43 of 1961) in the Office of the
Registration Officer/I.A.C. Acquisation Range III Delhi

on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

The Printers House (P) Ltd., 10, Scindia House, New Delhi-110001. (Transferor)

(2) Indo Graphic Art Machinery Co. (P) Ltd., M-1, Connaught Circus. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block 'M' Plots No. 1, Connaught Circus, New Delhi-110001.

> ASHOK KACKER Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date Scal: : 12-2-1987

(Transferee)

#### FORM TINE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

IAC/Acq III SRIII/6-86|10-A.—Whereas, Ref. No. IAC ASHOK KACKER, I.

ASHOK KACKEK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (A3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Poition no. 1'33, Building known as DLF House, F Block Com Block New Delbi.

Con. Place, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at Range, New Delhi ( (

on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideradon for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M/s Suresh Chand Jain HUF, B1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16. (Transferor) (2) Mis. Bindu Gupta, K-4/9, Model Town, Delhi-9.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub! cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said As4. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Portion No. 103, mg. 416.86 sq. it, first floor of the Front Building known as DIF House, F Block Con. Place, New Delhi-1.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-III, New Delhi

Date . 12-2-1987 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kusum Jain B1/30A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Gupta, K-4/9, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/6-86|10-B.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Portion No 104, F Block situated at Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion no. 104, mg. 461.22 sq. ft. first floor of the front building known as DLF House F Block, Con. Place, New Delhi-1.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

IAC/ACQ.VI/SR.I/6-86|652.—Whereas, Ref. No.

T. K. SAH, being the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Mpl. No. 4405/Part-III situated at 5, Darya Ganj, New

Delhi-2.

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on une 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Dhan Pal Singh Jain & Sons (HUF) Through Sh. Dhan Pal Singh Jain, S/o Sh. Jagan Lal Jain, R/o 4455-60/7, Daryaganj, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Jain (2) Sh. Navin Kumar Jain Both sons of Shri Parkash Chand Jain, R/o 4378/4, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein after a defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Mpl. No. 4405/Part-III with land underneath measuring about 255 sq. yds. situated at 5-Darya Ganj, New Delhi-2".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1987

Soal:

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Surender Kumar. Vijender Kumar, Madan Mohan Rakesh Mohan sons of Gopi Chand R o 4221, Bali Ahitan, Pahari Dhiraj,

(Transferoi)

(2) Smt Alka Gupta wife of Sh Satish Chand Gupta, R/o 4705, Gali Umrao Singh, Pahati Dhitat, Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. 1AC/ACQ.VI/SR.I/6-86[654.—Whereas, I, T. K. SΛH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here na ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair value market exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. 4221 Gali Ahiran, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

\*\*situated at New Delhi/Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Delhi on func 1986

for an experient consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

"Portion of Property No. 4221, Galı Ahiran Pahari Dhiraj, Delhi-6".

> T. K. SAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THO INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAI ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref. No. IAC, ACQ, VI, SR I, 6-86 655.—Whereas, J. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 4221, Gali Ahijan Pahari Dhinaj, Delhi.

situated at New Delhi / Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 22-486GI/86 1 Shri Surender Kumai, Sh. Vijender Kumar, Madan Mohan, Rakesh Mohan sons of Gopi Chand R o 4221, Galt Ahiran Pahari Dhutaj,

(Transferor)

(2) Shii Satish Chand Gupta S o Shri Shyam Lal Gupta R/o 4705, Gali Umrao Singh, Pahari Dhuaj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Γ τΡΙ ΑΝΑΤΙΟΝ:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shalf have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Portion of Property No. 4221, Gali Ahiran, Pahari Dhiraj, Delhi-6"

> T. K. SAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV,
> Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1987

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.PI/SR.I/6-86|665.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-43, Kirti Nagar, New Delhi. situated at New Delhi/Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income printing from the transfer andlor

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Surender Kumar Bhatia So Late Shri C. L. Bhatia, R/o A-43, Kirti Nagar New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri S. Satnam Singh S/o S. Arjun Dass R/o 45-A/4, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"1 Undivided share casuring 209,3 sq. mtrs. Part property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ΛCQ. VI/SR. 1/6-86|666.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-43, Kirti Nagar, New Delhi. (One fourth undivided share)

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Shri Surender Kumar Bhatia S/o Late Sh. C. L. Bhatia R/o A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh S/o Sh. Satnam Singh R/o 45-A/4, Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facililating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of be disclosed by the transferce for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"1/4 Undivided share measuring 209.3 sq. mtrs. in Property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi".

> T, K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ, VI/SR, 1/6-86[667.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rb. 1,00,000/- and bearing No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi (One fourth undivided share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and le-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Sudershan Kumar Bhatia S/o Late Sh. C. L. Bhatia R/o A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Harnam Singh S/o Satnam Singh R/o 45-A/4, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1/4 Undivided share and 1/4 Undivided in the land part property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sudershan Kumar Bhatia S/o Lite Sh C L Bhatia R/o A-43, Kirti Nagar, New Delhi

(Fransferor)

(2) S Awtar Singh S/o Satnam Singh R/o 45-A/4, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref No IAC/ΛCQ VI/SR I/6 86|668 -Whereas I, T K SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No A 43, Kirti Nagai New Delhi (One fourth undivided share)

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by ny aother person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

1/4 Undivided share and 1/4 Undivided share in the land part property No A-43, Kirti Nagar New Delhi

THE SCHEDULE

T K SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

12 2 1987 Date Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ, V1/SR. 1/6-86|685 - - Whereas, 1, T. K. SAH,

the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. one fourth share in Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, situated in the Abadi of DLF Indl. Estate on Najafgarh Rd.

an approved colony, Ne v Delhi.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi 'n June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the exid instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Surinder Singh Ghambir S/o Shri Trilochan Singh Characa R/o 47/6, East Patel Nagar, New Delhi.
- (Transferor) (2) M/s. Disaple Overseas Ltd. at No. 10/60. Indl. Area, Kirti Nagar, New Delhi through its Managing Director Shri Virender Kumar S/o Shri Kanshi Ram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4 snare of property constructed on piece of land measuring 4070 sq. ft. bearing No. 37 constructed on Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, Out of 2014 sq. yds. situated in the Abadi of D.L.F. Industrial Estate, on Najafgarh Road, an approved colony, New Delhi". "1/4 share of property constructed on piece of land mea-

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 12-2-1987

#### FORM ITNE

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### G VERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE V'. 4/14-A, AZAF 11 1023AD NEW DELHI

New Delhi, the 12th Tebrary 1987

Ref. No. IAC, ACQ. VI/SR-I/6-86/686 - Whereas, 1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (arrender reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing one fourth shale in No. 37, constructed on Plot No. 37, now known as Property bearing No. WZ-36, situated in the At all of PLE industrial Estate, on Najafgarh Road New Delhi (and more fully described in the Schedille annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of Palki in June 1986 at Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid respecty and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other tests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tothe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shii Avtar Singh Ghambir S/o Late Sh. Trilochan Singh Ghambir R/o 47/6, East Patel Nagar,
  - (Fransferor)
- (2) M/s. Dimple Overseas Ltd. at No. 10/60, industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi-15. Through its Managing Director Shri Virendra Kumar S/o Shri Kanshi Ram.

(Transferce)

to eccues, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1/4th (One fourth) share of Property constructed on Piece of land measuring 4,070 sq. ft bearing No. 37, constructed on Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, out of 2014 sq. yds. situated in the Abadi of D.L.F. Inds Fstate on Naiafgarh Road, on approved colony, New Delhi'.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 12-2-1987

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SR. 1/6-86[687,---Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-5/1, Model Town, Delhi.

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Mohana Ram R/o. D-5/1, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Aiun Kumar Jain S/o Shri Damodar Dass Jain at present R/o C-5/20, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the anoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Property No. D-5/1, Model Town, Delhi, Area of the land underneath measuring 293.75 sq. yds. (i.e. 245.613 sq.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SRI/6-86|692.—Whereas, I.

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7 situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

nt Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

23—486GI/86

(1) Smt. Ram Piari 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar Gupta 26/10 Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"1st floor and Barasati of Property known as 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7 including 50% Undivided share in the land.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 12-2-1987

Scal:

(1) Renox Commercial Limited.

(Transferor)

(2) Bihar Agents Limited.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-75/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, S. N. TEWARI,

S. N. TEWARI, being the Competent Authority under Section 269B of the mecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta/86-87 dated 11-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2294 sft. situated at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. More particularly described in deed no. 37EE/14/R-II/Cal/86-87 dated 11-6-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the jame of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 22-1-1987

Soal:

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Ram Piaii R/o 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Vijay Kumar Gupta 26/10, Shakti Nagai, Delhi 7

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref No IAC/ACQ VI/SR I/7 86/711 —Whereas, I, T K SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing No

Rs 1,00,000/ and bearing No 26/99, Shakti Nagai Delhi-7 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heieto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expression—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Ground floor of Property known as 26/99, Shakti Nagar, Delhi—7 including  $50^{\circ}o$  Undivided share in the land

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 12-2-1987 Seal

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Dolhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86|252.-Wherens, I.

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/0-00/252.—Whereis, I, T. K. SAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (1/3 Undivided share)

(1/3 Undivided share)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Puran Chand Sondhi S/o Late Shri Hans Raj R/o 16/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,

(Transferoi)

(2) M/s. Khandan Properties Pvt. Ltd through its Director Sh. Subhash Chander Kathuria Karol Bagh, New Delhi Regd. Office 404, Pudam Tower, Rajendra Palace New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whilehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3 Undivided Share in Property bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New

Mg. About 338 sq. yds. falling in Khasra No. 813/767."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE VI. NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86[253.—Whereas, I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Mpl. No. 9051-52 (Now) situated at Pahar Ganj, New Delhi. Ward No. XV Gali No. 1 & 2.

situated at New Delhi Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Dharam Pal Gumbhir S/o Shri Sain Dass Gambhir R/o H. No. XV/9054-56 (New), Multain Dhanda Pahar Gani, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Bubna w/o Sh. Chandra Prakash Bubna (2) Smt. Deep Malika Bubna w/o Sh. Prabhat Kumar Bubna and (3) Sh. Sandeep Bubna s/o Late Sh. Ram Awtar Bubna C/o Suprabhut Pvt. Ltd., New Dak Banglow Road, Patna-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 9051-52 (New) mg. 125 sq. yds. situated at Pahar Ganj, New Delhi. Ward No. XV Guli No. 1 & 2. Gali No. 1 & 2.

> T. K. SAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86/254.—Whereas, I. T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Mpl. No. XVI/10038, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (One third undivided share

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Kamal Sondhi (2) Sachid Anand Sondhi both sons of Late Sh. Satya Prakash (3) Ms. Pamella Sondhi d/o Late Satya Parkash through Attorney Smt. Ncelam Sondhi (4) Ms. Preeti Sondhi d/o Late Satya Prakash (5) Smt. Neelam Sondhi w/o Late Satya Parkash and (67) Master Sundeep Sondhi (Minor) through his Mother and N/G. Smt. Neelam Sondhi, 16/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s, Khandan Properties Pvt. Ltd. through its Director Sh. Subash Chander Kathuria, Karol Bagh, New Delhi, Regd. Office at 404, Padam Tower, Rajendra Place, New Delhi,

(Transeferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"1/3rd Undivided share in Property bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagb, New Delhi., measuring about 338 sq. yds. falling in Khasia No. 813/767".

> T. K. SAH Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86|255.—Whereas, I. T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (one third undivided share) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Raj Kumar Sondhi S/o Late Sh. Hans Raj R/o 16/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Khandan Properties Pvt. Ltd. through its Director Sh. Subash Chander Kathuria, Regd. Office 404, Padam Tower, Rajindra Place, New Delhi.

(Transeferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

"1/3rd Undivided share in property Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A, Karol Bagh, New Delhi. Mg. about 338 sq. yds. falling in Khasra No. 813/767".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi

Date: 12-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.II/6-86/256.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 6 on Road No 28 situated at Punjabi Bagh, 'New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) Smt. Kaushalaya Sharma W/o Late Sh. Rem Lel Sharma

(2) Brig. Madan Mohan Lal Sharma (3) Shri Chander Mohan Sharma (4) Sh. Varinder Mohan Sharma All R & 28/20. (4) Sh. Varinder Mohan Punjabi Bagh, New Delhi.

(2) Sh. Vishan Dass (2) Hira Nand,
(3) Jai Ram Dass sons of Late Shri Tola Ram
Advani All residents of 13/28, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transeferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property Built on Plot No. 6, on Road No. 28, situated ut Punjabi Bagh, New Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI. Delhi/New Delhi.

Dated: 12-2-1987

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.II/6-86/257.—Whereas, I, T. K. SAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
10/61, situated at Punjabi Bugh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 24-486GI/86

- (1) Smt. Promila Gulati W/o Sh. S. K. Gulati R/o D-26, Naraina Vihar New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Bansal W/o Sh. K. C. Bansal R/o 10/66, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transeferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property No. 10/61, Punjabi Bagh, New Delhi, Area mg. 552.78 sq. yds.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Dated: 12-2-1987

#### FORMS ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OI 1961)

-----

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE NEAR DHOBI GUARD PUNB

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1930/1986-87—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Lease of property bearing F.P. No. 887/B/2 CTS No. 1206/B/2 Shivajinagar, Pune-4. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfemed & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at LA.C., Acqu. Range, Pune on 11th Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the source haliage that the fair market value of the property and I have reason

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the all Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pune City Hindu Municipal Servants, Co-operative Housing Society Ltd. 13 Municipal Colony, Shivajinagar, Pune-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Kaveri Bhananjaya Dhadphale, 1206/B/2 Shivajinagar, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement t o sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1930/1986-87 in the month of 11th August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate Near Dhobi Guard Pune.

**Μαί**α: 6/1/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Vatsala Pratap Mehta, Shri Dadu Pratap Mehta, Shri Nanu Pratap Mehta, Mrs. Vijaya Pradyumnasingh, Pardeshi, Jayashree Dilipsinh Pardeshi, Ujwala Ravisingh Pardeshi, At Post Lonavala, Dist. Pune.

(Transferdr)

(2) Shri Hariram Khemchand Kukreja, at & Post Longvala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NFAR DHOBI GUARD PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2134 1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 191A (Part) Survey No. 102, 102-1 and 103 (Part) of B-Watd, Village Jungavali. Lonavala situated at Lonavala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u.s. 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu

Range, Pune on 18th Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the uforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /o<sub>T</sub>
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2134/1986-87 in the month of 18th August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guaid, Punc.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

Date: 6/1/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD PUNE

Pune, the 6th January 1987

fer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1937);

- (1) Padmaratna Co-operative Housing Soc. Ltd. at S. No. 13, H. No. 2, Dhankawadi, Pune-43. (Transferor)
- (2) M/s. Karia Construction Combine, 16 Onlooker Building, S. P. Mehta Road, Port, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

L YPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1536/1986-87 in the month of 25th July 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomedian
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/1, 1987

(Transferor)

#### FORM TINS-

(1) Mrs. Zenobia H. Eduljee, Mr. Sorab (SOL1) J. Madan, I. Parvati Vilas, Pune.

(2) Atur Sangtani & Associates,
 Atur Foundation House,
 4 Dr. Ambedkar Road, Pune.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GU**ARD** PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2768/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 7 & 6 with tenanted buildings/plot No. 5 & 4 carved out of S. No. 548 & 554, Gultekadi, TPS, Pune situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 15th Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7 & 6 with tenanted buildings/Plot No. 5 & 4 carved out of S. No. 548 & 554 Gultekadi, TPS, Pune-3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 37EE/2768/1986-87 in the month of 15th Sept. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date: 8-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2595/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saud Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value avacading property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 6 out of S. No. 32/1 Erandwane, Pune-4.

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acon. Range, Pune on Sept. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that one consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ganesh Shridhar Vaidya, Prop. of M/s. Vaidya Industries, 425 Chaturshringi Road, Pune. 2. Bhalchandra G. Vaidya, 438/3 Gokhale Road,

(Transferor)

(2) Shri Mahila Guh Udyog Lijjat Papad. A trust registered under Bombay Public Trust Act 1950, Prabhat Road, Road No. 4, Pune-4. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2595 in the month of September 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Punc.

Date: 8-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Sukumar Dattatrey Shidere, 8 Hari Niwas, Prabhat Colony, Suntakruz, Bombay-55.

(Transferor)

(2) M/s. Parshwa Builders, 619 Sadashiv Peth, Pune-30

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KUMAR FSTATE, NEAR DHOBI GUARD PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2871/1986-87.—Whereas, I, ANJAN1 KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value and more fully described in the Schedule annexed hereto exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 38, S. No. 129, Kothrud, Pune-29. situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range Pune on 19th Scrit 1986

Range, Pune on 19th Sept. 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the YA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2871/1986-87 in the month of 19th September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date: 8-1-1987

Scul:

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/154/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1317/1A & 1317/1B Kasba Peth, Pune-11. situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 11th Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Jay Alias Yeshwant Raghavendra Purandare & (Power of Attorney) Vijay Alias Khaderao Kaghavendra Purandare, 5 Ashokban, Model Colony, Pune-16.

(2) 1. Dr. Prasad Narayan Honap, 592/2 Rudhwar Peth, Pune-2.

2 Di. Jaising Krishnarao Shinde, 244 Sal Niwas Sahakur Nagar No. 1, Pune-9.

 Dr. Prakash Vishwanath Bhave, 2042 Sadashiv Peth. Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/154/1986-87 in the month of 6th June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/1/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2660/1986-87.— Whereas, I, ANJAN1 KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F.P. No. 31/7 T.P.S. No. 3, S. No. 2164/65/10 Vijaynagar Colony, Sadashiv Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu Range, Pune on 12th Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shii Gopinath Manikchand Dharia, "Manik" Nipani, Belgaum.

(Transferor)

(2) M/s. Butala-Dadhe Associates, Yeshwant Apartments, Pune-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE, 2660 1986-87 in the month of 12th Sept., 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said e.c., to the following persons, namely:—25—486GI/86

Date: 6-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/280/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing final plot No. 318 plus 319 City Survey No 934 plus 935A Shivajinagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli-I on September, 1986 for an apparent consideration which is less than the faurnarket value of the aforesaid property and I have reason to

nor an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the formular transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monrys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforegaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Smt. Durgdevi Anandrao Gandekar, Shri Ravindra Anandrao Gandekar, 934 plus 935A Shivajinagar, Pune.

(Transferor)
(2) Shri Vithalrao Joshi Charities Trust,
a Public Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1950 bearing PTR No. C-28, Suyash, Gokhale Road, North Dadar, Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I under document No. 37G/280/1986-87 in the month of Sept., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 6-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ^COUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37G|278|1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing P. No. 6, S. No. 81-A/1/1 Aundh, Pune
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
S. R. Haveli-I on August, 1986
has been transferred under the Registering Officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Gulabchand K. Punglia and 4 Others 81-A/1,1 Aundh, Pune-7.

(Transferor)
(2) Saraswat Bank Employees Co-operative Housing society Ltd.
81-A/1/1 Aundh,
Pune-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing P. No. 6, S. No. 81-A/1/1 Aundh. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, under document No. 37G/278/1986-87 in the month of August, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/247/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, whereas, i, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the fincome--(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 15/1-B, 2, C.T.S. No. 681 (Parts) Kothiud,

situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at S. R. Bombay on 15th September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mrs. Nalini G. Katre, Flate No. 22, Neeltarang, 200, Veer Savarkar Marg, Bombay-16.
  - M.s. Reliable Builders,
     Trivedi Bhavan, R.R.T. Road, Mulund (W), Bombay-80.
  - 3. M/s. Prathamesh Constructions, 6 Kannaway House, 63, Proctor Road, Bombay-4.

(Transferot)

(2) M.s. Walchandnagar Industries Limited, 16, M. G. Road, Pune-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub Registrar, Bombay, under document No. 37/G/247/1986-87 in the month of 15th September, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge

Date: -81-1987

<del>==</del>:=*=*:-----------

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th Junuary 1987

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37G|246|86-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. S. No. 111(Pt) & S. No. 112 T (Pt) C. S. Nos. 2271 and 2774 Bhiwandi Kalyan Rd., Tal. Kalyan Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at JAC. Acq. Range, Pune on 1st September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Jayant Raghunath Phatak & Others, Smruti, Tilak Path, Dombivli (E),

(Transferor)

(2) Shiec Mangal Murti Co-op. Hsg. Society Ltd. Bhiwandi-Kalyan Rd., Kalyan, Dist. Thane,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under documnt No. 37/G/246/86-87 dt. Ist Sept., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ret. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|3384|86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. Nos. & Hissa Nos. as shown in Schedule at P.T.O. situated at Village Majiwade, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered U,s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C. Acqn. kange, Pune on 11-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) There is no Transferor, Only the Licensor, Gleitlager (India) Ltd. & Others, 16 S. Baghat Singh Road, Bombay-23, (Transferor)

(2) There is no Transferce, only the Licencee, Viz. Mr. Lalit C. Gandhi & Others of Lok Holdings, 14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (East), Bombay-69.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property at S. Nos. & Hissa Nos. are 165, 166(1) (1-A), (1-AP), 167(3), 167(5), 168(1), 168(7), 169(2), 170(1), 170(3), 307(3), 342(Pt) and S. Nos. and Hissa Nos. 167 (4), 307 (2), 168 (3 pt), 169 (4 pt), 167 (6) at Village Majiwade in the Taluka and Dist. Thane.

(The property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/3384/86-87 dt. 11-8-1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge Pune

Date: 6-1-1987 Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37FF/5147/1986 87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nos. 286, 343 & 347, Hissa No. village Vinar, Taluka, Vasai situated at Dist, 'Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u. s. 259 AF of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 21st September, 1986 for an apparent consideration which is 1-ss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of he Indian Income-tax Ac, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s. Navbharat Construction Co., Sanket Bavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28.

(Transferor)

(2) Govindji Shivaji Shah & Others, C.o Gokul, Opp. Petrol Pump, Agashi Rd., Viiar West, Tal. Vasai, Dist Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No 37FE/5147 86-87 dt 21st September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge
Pune

Date . 6-1-1987 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th January 1987

Ref. No. IAC ACQ, CA-5/37EE/5242|86-87.--Whereus, I, ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. UNIT/Gala Nos. 32 to 36 (Ground floor), Gala No. 71 to 76 (1st floor) Gala No. 109 to 114 (2nd floor) at new Modella Industrial Estate

situated at Panchpakhadi, Thane 64
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 26th Sept 86

on 20th Sept 86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability f the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Modella Woollens Ltd, Resham Bhavan, 7th Floor. Veer Natiman Road, Bombay-20.

(Transferor)

(2) 20th Centuary Finance Corporation Ltd. 25/26, Maker Chambers III, 2nd Floor, Nuriman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range Pune under document No. 5242 '86-87 dt 26th Sept. 1986)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-1-1987

#### → NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 9th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4504/86-87 -- Whereas, I,

ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the important product while exceeding movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 139, Hissa No 2 of Santoshi Mata Temple Lane off Kalyan Bhiwandi Rd, Kalyan, Dist. Thane,

situated at Bhiwundi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U v 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqu. Range, Pune on 10th September 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Air. In respert of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Chintaman Sadashiv Aagalave Aagalave Wada, Aagalwe Ali, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) M s Vikas Enterprises, 9 Umiya Niwas, Maneklal Estate, Agara Road, Ghatkopar, Bombay-86.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the smo EXPLANATION:—The terms and expression Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 4504/86-87 dated 10th September 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Poona

Now, therefore in pursunnce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 26-486GI/86

Date: 9-1-1987

Se. L

(1) M/s Sharat Promoters. 2 East Street, Punc-1.

(Transferor)

(2) Golden Granite Pvt. Ltd. 202 Beena Apartments, Opp. M.S.F.B. Senapati Barat Road, Pune-16.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **PUNE** KUMAR ESTATE, SHANKERSHET ROAD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2026/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to be exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 11 on ground floor in Amora Towers,

9 Moledina Road, Pune.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transletted und registered U.s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu. Range, Pune

on 15th August 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mude in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IA.C., Neguisition Range, Pune, under document No. 371-F 2026 1986-87 in the month of 15th August 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following per ons, namely :-

Date: 5-1-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kalpataru Constructions, III Maker Chamber IV. Nariman Point, Bombay-21,

(Transferor)

(2) Kalpaturu Gardens Pvt. I.td. 111 Maker Chamber IV, Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

PUNE KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 6th Jnauary 1987

Ref. No, IAC ACQ/CA-5/37EE/940 1986-87.--Whereas, J. ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Office Nos. 4 16, 17, 18 and B 16 & 17 on 1st floor at Kalpataru Plaza, 224 Bhavani Peth, Pune-2, when the local straight of the

situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqu. Range, Pune on 2nd July 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No.  $37\mathrm{EE}/940$  1986-87 in the month of 2nd July 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :---

Date . 6-1-1987 Scal:

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE KUMAR ESTATE, PUNL

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1431'1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing C.T.S. No. 1143-B Bhamburda, Shivajinagar, Pune-16 Final Plot No. 519, Sub Plot No. 519-B, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hard has been transferred and registered U.s. 269AB of the said

has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune

on 19th July 1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Shri Gunendia Alias Vinay Anand Parkar, Shri Anand Shankar Parkar, Mrs. Pratibha Anand Parkar 1143 B Shivajinagar, Pune-16.

(2) M s Prabin Guptey and Associates, Vishnu Darshan, 1132/3 Shivajinagar, F.C. Road, Pune-16.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice on the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 37FF 1431A 1986-87 in the month of 19th July 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 6 1-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE KUMAR ESTATE, PUND

Pune, the 6th Junuary 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/371-II/1685, 1986-87. — Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Sus Plot No. 19, C.S. No. 49-A F.P. No. 72, Erandwane, T.P.S—I.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred und registered U s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune

on 2nd Aug. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) S.N.D.T. Women's University Nathibai Thackersey Road, Bombay-20.

(Transferor)

(2) M s Tecla Constructions Pyt. Ltd., 836 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the offile of the LA.C., Acquisition Range. Pune, under document No. 37I-F 1685 1986-87 in the month of 2nd August 1986).

ANJANJ KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 6 1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th Junuary 1987

Ref. No. IAC ACQ,CA-5/37EE/4531/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 917, 17 Shivajinagar, Ganeshwadi, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Saladala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqu. Range, Pune

on 28th Nov. 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen but cent of uch apparent consideration and that the consideration for such translet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Upendra Keshav Kanitkar & Others, 917 17 Shivajinagar, Ganeshwadi, Pune-4.

(Transferee)

(2) Shri Balvinayak Joshi, 20 Jaydeo Prashantnagar, Pune-30.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter NYA of the said Act. shall have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.N.C., Acqn. Range, Pune, under document No 4531/1986-87 on 28th November 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punt

Date : 7-1-1987

Scal-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNF

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37FF/2100/1986-87 ---Whereas, I, ANIANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 4, 6, 7, 9 & 10 Mash Apartments, Plot No. 17, S. No. 163, Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered 11/5 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C. Acqu Range, Pune on 17th August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of "—

- ral facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax anger the earl Act, 10 respect of any income arising from the granufer and for
- (b) facilitating the concessment of any models any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the numeteres to the purposes of the Indias Income-tax Act, 19% (11 of 1922) or the said Act or the Westhern Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of see said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Devi Construction Co. Dev Niwa, 1161/10, Shivajinagar, Panc-5.

(Transferor)

(1) Assistant General Manager, industrial Finance Corporation of India, 120. Model Colony, Shivajinagar, Pune-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC.. Acquisition Range, Pune under document No 37EE/2100/1986-87 on 17th August, 1986)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-1-1987

\_\_\_\_\_\_

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NI AR DHOB: GUARD, PUNE

Pune the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2428, 1986-87 -- Whereas, I. ANIANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reserved to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Roble property, having a fair morket value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece & Parcel of Land situated at Village Frandwane, Tal
Pune, bearing sub-Piot No. 20, City Survey No. 494, Original
S. No. 85-86 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu. Range. Pune on 26th August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Dhiraj Iron & Steel (P) Ltd., Dhirajlat House, Sindhi Lane, Nanubhai Desa Road, Bombay 4.
  - (Transferor)
  - (2) M s. Kay Pee Enterprises. 98, Marine Drive, Neel Kanth, 6th floor, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acqn. Range, Pune, under document No 37EE/2428/1986-87 on 26th August, 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IA€ ACQ./CA-5/37EE/1682/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00 000 /- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Sub Plot No. 39, O. S. No. 49-A, F. P. No. 72, Erandwane,

T. P. S.-I, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on 1st August 1986

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as apparent consideration therefor, by for an apparent consideration which is less than the fair aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: emå/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

  11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. N. D. T. Women's University, Nathibai Thackersey Road,

(Transferor)

(2) M/s. Leela Constructions Pvt. Ltd., 836, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1682/1986-87 on 1st August, 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ANDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EL/2958/1986-87.— Wherens, I, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2 on the ground floor in Building No. 2 m Boat Club Garden CHS at 13 Boat Club Road at S. No. 349-A, Pune-1

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu Range, Pune on 22nd September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid speeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Meharoo Rafaat, Woodlands, Plat No 12A, Salisbury Park, Pune-1

(Transferor)

(2) Smt. S. S. Basrur & Smt. Indu M. Pandit, (70 M). A. V. Fedade, "Amiita" Off Law College Road, Pune-5

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 37EE/2958/1986-87 on 22nd September,

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-1-1987

(1) S. N. D. T. Women's University, Nathibai Thackersey Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Leela Constructions Pvt. Ltd., 836, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Rel. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1683/1986-87.-Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sub Plot No. 17, C.S. No. 49-A, F.P. No. 72, Erandwana, T.P.S.-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu.

Range. Pune on 1st August, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EF/1683/1986-87 on 1st August, 1986).

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2795, 1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

City Survey No. 2712 D/2 its S, No. 134/2/2 of Bhamburda, Shivajinogar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Runge, Pune on 15th September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Major Hanmantrao Naryanrao Jagtap, Tadiwala Road, Punc-1.

(2) M/s. A. V. Mulay Construction Co., 1231/A. Shivajinagar, F. C. Road, Pune-4, (Transferor) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2795/1986-87 on 15th September, 1986. 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 5-1-1987

#### FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2492/1986-87,—Whereas, I, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-42, Ashwini Co-operative Society, Bombay Pune Road Pune situated at Pune

Bombay Punc Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 2nd September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income of any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Suresh Narayan Kolhapure, C-11, Devankush, Ashwini Co-operative Housing Society, Bombay Pune Road, Pune-5. (Transferor)

(2) Mis. Usha Prabhakar Pargaonkar, C/8 Ushakal Apartments, Pushpamala Co-operative Housing Society Ltd.,

1010 Shivajinagar, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37 E/2492/1986-87 on 2nd September, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Date: 5-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATF, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3083 1986-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. A-6 in Parmar Paradise in Second floor, 3/4 B.J.

Road, Pune-1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqu. Range, Pune on 26th September, 1986

Range. Pune on 26th September, 1900 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any 'ucome arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ishwar Constructions Pvt. Ltd., 3/4, B. J. Road, Pune-1.

(Transferor)

 Miss Ishwari T. Jotwani, Miss Nirmala T. Jotwani, Mr. Bharat T Jotwani, 12/B, Shanti Kunj, Opp. G.P.O., Pune-1

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3083/1986-87 on 26th September,

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perrous, namely :-

Date : 5-1-1987

FORM ITNS----

(1) Chittaranjan Das.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-72/R-II Cal/86-87,—Whereas, I, S. N. TEWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33 situate at Kankurgachi Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta 86-87 dated 6-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the such transfer as agreed to be the s ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s. Conquest Commercial Company Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we recipied the service of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULF

Constructed five storied building (in-complete) together with land measuring 273.42 square meter, situated at 33, Kankurgachi Rd, C.I.T. Scheme No. VIM(S), Calcutta. More particularly described in deed no 37EE/7/R-II/Cal/86-87 dated 6-6-86 registered by the Competent Authority.

> S. N. TEWARI Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 22-1-1987